नई सोच • नई शुरूआत • नया भारत

अनप्लग इंडिया

सच की आवाज, भारत की पहचान

नोएडा एनसीआर संस्करण

वर्ष : 01 | अंक : 33 | नोएडा, सोमवार, 2 नवम्बर, 2026 | Website: www.unplugindia.com | पृष्ठ : 8 | मूल्य : 03 रुपए

आज का विचार

‘सपने वो नहीं जो हम सोते वक्त देखते हैं, सपने वो हैं जो हमें सोने नहीं देते।’



संक्षिप्त समाचार

बंजर जमीनों को हरा-भरा बना रहे गोवा के किसान

खेती की नई शुरुआत, जर्मन विशेषज्ञो की ले रहे मदद

पणजी (एजेंसी)। गोवा के कृषि क्षेत्र में जल्द ही एक नया बदलाव देखने को मिल सकता है। बिचोलिम की किसान उत्पादक संस्था ने अपनी बंजर और खाली पड़ी जमीनों को उपजाऊ बनाने के लिए जर्मनी की आधुनिक कृषि तकनीकों और टिकाऊ खेती के तरीकों से प्रेरणा लेने का फैसला किया है। इस योजना के तहत किसान ने 1200 हेक्टेयर बंजर जमीन पर खेती



शुरू करने का बड़ा लक्ष्य रखा है। इसके लिए जर्मन एक्सपर्ट्स की तकनीकी मदद से आधुनिक मशीनों से खेती और एग्रो-टूरिज्म (कृषि पर्यटन) की संभावनाओं पर काम किया जा रहा है। अधिकारियों के लिए जर्मन विशेषज्ञों की एक टीम द्वारा आयोजित चार दिन का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम शुक्रवार को संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जर्मनी में अपनाई जाने वाली आधुनिक कृषि पद्धतियों, मशीनीकरण, ऑर्गेनिक फार्मिंग और टिकाऊ खेती के बुनियादी ढांचे को कृषि अधिकारियों को समझाना था।

अब आजम खान के परिवार पर लटकी गिरफ्तारी की तलवार

जौहर यूनिवर्सिटी में सचिव पत्नी-कोषाध्यक्ष बहन पर ईडी की टेढ़ी नजर

रामपुर (एजेंसी)। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में सपा नेता आजम खां को गिरफ्तार किया है। उन पर जौहर विश्वविद्यालय के निर्माण में 400 करोड़ से ज्यादा ब्लैक मनी और 80 करोड़ से अधिक सरकारी धन के दुरुपयोग का आरोप है। इसी प्रकरण में आजम के साथ जौहर ट्रस्ट को भी नामजद किया गया है जिसमें उनकी



पत्नी, दोनों बेटे और बहन आदि भी शामिल हैं। यही वजह है कि ईडी की कार्रवाई आगे बढ़ने पर आजम के स्वजन भी मुसीबत में फंस सकते हैं। ईडी की ओर से 13 अक्टूबर को अजीम नगर थाने में दर्ज कराई गई प्राथमिकी में नामजद जौहर ट्रस्ट के जरिए ही जौहर विश्वविद्यालय का निर्माण कराया गया है। निजी विश्वविद्यालय में सरकारी धन का उपयोग हो या फर्जी फर्मों से चंदा लेने की बात, सब कुछ इसी ट्रस्ट के जरिये किया गया है। ऐसे में ट्रस्ट में शामिल सभी सदस्यों पर कार्रवाई की तलवार लटक रही है।

मोदी को हटाएंगे, तभी लोकतंत्र बचेगा

रामलीला मैदान से सरकार पर बरसे मल्लिकार्जुन खरगे | कहा-ज्ञानेश कुमार छोड़ेंगे नहीं ,मोदी को जाना ही होगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के रामलीला मैदान में एसआईआर के विरोध में इंडिया ब्लॉक की रैली हुई। कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पाताल में क्यों न चले जाएं, हम उन्हें वहां से भी खोज लाएंगे। उन्होंने कहा कि मोदी आज लोगों में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं, वे खुद वोट चुन रहे हैं। उनको वोट कौन देगा वे वोटर्स चुनते हैं। आज की केंद्र सरकार, बिहार सरकार, यूपी सरकार, ये सब चोरी की सरकार हैं। इन चोरों को निकालना है। इस रैली में मंच पर राहुल गांधी,अखिलेश यादव समेत 19 पार्टियों के नेता मौजूद रहे। इससे पहले विपक्ष का मार्च दोपहर 12 बजे मिंटो जंक्शन से शुरू हुआ और दोपहर 3 बजे रामलीला मैदान पहुंचा।



खड़गे का आरोप मोदी अपना वोट खुद चुन रहे

मल्लिकार्जुन खड़गे ने ये भी कहा कि मोदी आज लोगों में फूट डालने की कोशिश कर रहे हैं, वे खुद वोट चुन रहे हैं। उनको वोट कौन देगा, वे वोटर्स चुनते हैं। आज की केंद्र सरकार, बिहार सरकार, यूपी सरकार, ये सब चोरी की सरकार हैं। इन चोरों को निकालना है। चोरों की सरकार हर जगह बैठी है, आपका सपोर्ट हम चाहते हैं। मोदी जाएंगे तो ही लोकतंत्र बचेगा। मोदी को हटाओ, लोकतंत्र को बचाओ।

अखिलेश यादव बोले-काशी की जनता ने उन्हें डबल जीरो दिया

अखिलेश ने कहा, मैं देख रहा हूं कि रामलीला मैदान में जो आवाज उठ रही है। गठबंधन के सभी साथियों ने एकजुट होकर लोकतंत्र को खत्म करने वालों के खिलाफ हुए हैं। आज जब सभा यहां होने जा रही थी उसी समय यूपी में भाजपा की तरफ से कहा गया कि एक करोड़ वोट हिंदू भाइयों के वोट काट दिए गए। उन्होंने कहा-अब उनको भी याद आ रहा है कि उनके वोट भी कट गए हैं। मतलब 31 हजार वोट हर विधानसभा में कम हुए हैं। जब जमीन ही नहीं बची तो अंगद का पैर कहां रखोगे। काशी की जनता ने उन्हें डबल जीरो दिया है।

पंजाब में एएपी को झटका 2 एमएलए ने पार्टी छोड़ी

दोनों एएपी एमएलए बीजेपी में हो सकते हैं शामिल

पटियाला (एजेंसी)। पंजाब में आम आदमी पार्टी के 40 उम्मीदवारों की पहली लिस्ट जारी होने के बाद 2 विधायकों ने पार्टी छोड़ दी है। इनमें पटियाला के समाना से विधायक चेतन सिंह जौड़ामाजरा और सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा शामिल हैं। उन्होंने पार्टी छोड़ने की वजह बताने के लिए चंडीगढ़ में साढ़े 4 बजे प्रेस कॉन्फ्रेंस बुलाई है। जौड़ामाजरा एएपी सरकार में मंत्री रह चुके हैं लेकिन कुछ समय पहले पार्टी ने पूर्व अकाली नेता सुरजीत सिंह रखड़ा को उनकी जगह पर समाना विधानसभा सीट का हलका इंचार्ज बना दिया था। वहीं, हरमीत सिंह पठानमाजरा पर रेप का केस दर्ज हुआ था। जिसके बाद वे ऑस्ट्रेलिया फरार हो गए थे। जांच में शामिल होने के लिए लौटने पर पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। एएपी के पंजाब प्रधान अमन अरोड़ा ने कहा कि अब भाजपा निष्कासित लोगों को इकट्ठा कर रही है।



बंगाल की खाड़ी में फिर बना नया चक्रवात

3 नवंबर को आंध्र के तट से टकराएगा मुरासु | एक हफ्ते में दूसरा साइक्लोन,ओडिशा में बाढ़

कोलकाता (एजेंसी)। बंगाल की खाड़ी में बना गहरा दबाव का क्षेत्र मुरासु नाम के चक्रवात में बदल गया है। मौसम विभाग के मुताबिक, यह 3 नवंबर की सुबह आंध्र प्रदेश के तट से टकरा सकता है। इस दौरान हवा की रफ्तार 100 से 110 किमी प्रति घंटे और झोंकों के साथ 120 किमी प्रति घंटे तक पहुंचने का अनुमान है। एक हफ्ते के भीतर बंगाल की खाड़ी में यह दूसरा चक्रवाती तूफान है। इससे पहले 26 अक्टूबर को चक्रवात 'अर्नब' उठा था। यह 28 अक्टूबर को आंध्र के तट से टकराया था। इसके कारण आंध्र प्रदेश, ओडिशा सहित देश के ज्यादातर हिस्सों में बारिश हुई थी। ओडिशा के गंजाम और गजपति जिले में पिछले एक हफ्ते से बाढ़ जैसे हालात हैं। राज्य अभी चक्रवात 'अर्नब' से हुए नुकसान से उबर ही रहा है। नए तूफान के कारण फिर से भारी बारिश हो सकती है। खतरे को देखते हुए ओडिशा सरकार ने निचले और पहाड़ी इलाकों को खाली करने का आदेश दिया है।

लखनऊ समेत 10 शहरों में कोहरा छाया, ठंड बढ़ी

यूपी में 'अर्नब' तूफान के असर से 3 दिन लगातार हुई बारिश से ठंड बढ़ गई है। दिन का तापमान 8 डिग्री तक लुढ़क गया है। रविवार सुबह लखनऊ, सहारनपुर, शामली, बागपत और मुजफ्फरनगर समेत 10 शहरों में कोहरा छाया रहा। सड़कों पर सन्नाटा दिखा और 50 मीटर दूर देखना भी मुश्किल हो गया। इधर, वाराणसी, कानपुर और उन्नाव समेत 15 से ज्यादा शहरों में बादल छाए हैं। ठंडी हवाएं सर्दी का एहसास करा रही हैं। दुकानों पर लोग अलाव सेकते नजर आ रहे हैं। आज बलिया, गाजीपुर, चंदौली, मिर्जापुर और सोनभद्र में हल्की बारिश का अलर्ट है। लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया- यूपी में चक्रवात का असर अब खत्म हो गया है।



राजस्थान में दिन गर्म रात में सर्दी तेज

राजस्थान में बंगाल की खाड़ी में बने चक्रवात का असर शनिवार से खत्म हो गया। अब अगले 3-4 दिन तक आसमान साफ रहने की संभावना है। इससे पहले शनिवार को मौसम साफ रहा। हालांकि, सुबह के समय कई जिलों में हल्का कोहरा रहा। जयपुर, कोटा समेत कई शहरों में अधिकतम तापमान में 2 से 5 डिग्री तक बढ़ोतरी हुई। पिछले 24 घंटे अधिकतम तापमान में भले ही बढ़ोतरी हुई, लेकिन 30 डिग्री सेल्सियस से नीचे रहा। वहीं, रात के तापमान में गिरावट होने से सर्दी बढ़ गई। सबसे कम तापमान सीकर के फतेहपुर में रहा। शनिवार को सबसे ज्यादा गर्मी बाड़मेर में रही। हालांकि, बीते चार-पांच दिन में यहां के तापमान में तीन-चार डिग्री की गिरावट हुई है। फिर भी दिन का पारा करीब 35 डिग्री के करीब ही दर्ज हो रहा है। वहीं, जैसलमेर में अधिकतम तापमान 33.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ।

12 साल में 49 करोड़ लोग गरीबी से निकले हैं बाहर

पीएम मोदी बोले-देश में आर्थिक असमानता भी घटी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पीएम मोदी ने कहा कि 2011 से 2023 के बीच भारत में 49.6 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए। इस दौरान देश में अत्यधिक गरीबी की दर 90 फीसदी तक कम हुई। मोदी ने वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि गरीबी खत्म करना सरकार के लिए सिर्फ नारा नहीं, बल्कि पक्का संकल्प है। मोदी ने यह भी कहा कि पिछले 6 साल में रोजगार के 13.4 करोड़ नए अवसर बने हैं। यह संख्या कामकाजी उम्र की आबादी में हुई बढ़ोतरी से करीब दोगुनी है। उन्होंने देश में आर्थिक असमानता कम होने की बात भी कही। प्रधानमंत्री ने ये आंकड़े इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट के जरिए साझा किए।



गरीबी खत्म करना सरकार के लिए सिर्फ एक नारा नहीं

वर्ल्ड बैंक ने अक्टूबर में इंडिया पॉवर्टी एंड इक्विटी ब्रीफ नाम से रिपोर्ट जारी की थी। इसके मुताबिक, भारत में अत्यधिक गरीबी की दर 2011 में 27.1 फीसदी थी, जो 2023 में घटकर 2.6 फीसदी रह गई। मोदी ने कहा कि वर्ल्ड बैंक के मुताबिक भारत में दुनिया में सबसे तेजी से गरीबी कम हुई है। उन्होंने आर्थिक असमानता मापने वाले गिनी इंडेक्स का भी जिक्र किया। उनके मुताबिक, इसमें 20 फीसदी से ज्यादा की गिरावट आई है और यह घटकर 23.0 पर पहुंच गया है।

3 वजह: खपत बढ़ी महिलाओं को मिला रोजगार

आम लोगों की कमाई और खर्च करने की क्षमता में सुधार हुआ है। 2017 से 2023 के बीच करीब 13.4 करोड़ नए रोजगार के अवसर बने। इनमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी सबसे ज्यादा रही। कई महिलाएं पहली बार कमाई वाले कामों से जुड़ीं। मुफ्त राशन और सीधे बैंक खातों में पैसे भेजने जैसी योजनाओं से गरीब परिवारों को सहारा मिला। गरीबी में कमी सिर्फ कमाई तक सीमित नहीं रही। लोगों के रहन-सहन और बुनियादी सुविधाओं तक पहुंच में भी सुधार हुआ है। अब पहले के मुकाबले ज्यादा लोगों के पास पक्के मकान, बिजली, साफ पानी, शौचालय और रसोई गैस जैसी सुविधाएं हैं। ऑक्सफोर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, 2005-06 में देश की 53.8 फीसदी आबादी इन बुनियादी सुविधाओं से वंचित थी। 2019-21 तक यह आंकड़ा घटकर 16.4 फीसदी रह गया। वहीं, वर्ल्ड बैंक के पैमाने के अनुसार 22-23 में गरीबी घटकर 15.5 फीसदी रह गई है।

अमित शाह ने चंडीगढ़ पुलिस को दिया राष्ट्रपति ध्वज

बोले-जिम्मेदारियों को बखूबी निभाया, देशभर में कायम की मिसाल

चंडीगढ़ (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने चंडीगढ़ पुलिस के 60वें स्थापना दिवस समारोह में शिरकत की। इस मौके पर उन्होंने चंडीगढ़ पुलिस को राष्ट्रपति ध्वज प्रदान किया। शाह ने चंडीगढ़ पुलिस की तारीफ करते हुए कहा कि उसने अपनी जिम्मेदारियां बेहद अच्छे तरीके से निभाई हैं। चंडीगढ़ ने देशभर की पुलिस के लिए एक मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि 1966 से चंडीगढ़ पुलिस शहर की सुरक्षा के लिए लगातार काम कर रही है और उसने देश में पुलिस व्यवस्था के इतिहास में एक गौरवशाली अध्याय लिखा है। अमित शाह ने कहा कि मेरा मानना है कि इन 60 वर्ष में उत्तरी क्षेत्र के केंद्र के रूप में चंडीगढ़ ने पूरे भारत की सुरक्षा में योगदान देने का सफल प्रयास किया है। अमित शाह ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि चंडीगढ़ पुलिस को राष्ट्रपति निशान से अलंकृत किया जाना छह दशकों की सेवा, समर्पण और संवेदनशीलता का सम्मान है।



राहुल विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे

नड्डा बोले-आज के दिन ही सिखों का नरसंहार हुआ था

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिया ब्लॉक की रामलीला मैदान में रैली के विरोध में भाजपा ने आज दिल्ली समेत देशभर में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' मार्च निकाला। दिल्ली में हरि नगर से तिलक नगर तक करीब एक किमी लंबा मार्च निकाला गया। इसमें 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ित परिवार और सिख समुदाय के लोग शामिल हुए। भाजपा का आरोप है कि कांग्रेस ने रामलीला मैदान में एसआईआर के खिलाफ रैली के लिए 1 नवंबर का दिन जानबूझकर चुना है। 1 नवंबर 1984 को सिख विरोधी हिंसा हुई थी। वहीं, भाजपा अध्यक्ष नितिन नवीन ने हरियाणा के रोहतक में रैली निकाली। उन्होंने कहा



कि वोट चोरी कांग्रेस की विरासत है। ये वोट चोरी भी करते हैं और जनता के वोट का अपमान भी करते हैं। राहुल गांधी विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे हैं। केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा कि आज सिख विरोधी हिंसा के पीड़ितों को याद करना चाहिए था लेकिन राहुल गांधी उन्हें भूलकर अपनी राजनीति चमका रहे हैं।

राहुल देश के लोकतंत्र को चुनौती देना चाहते हैं

नितिन नवीन ने कहा- राहुल गांधी विदेशी ताकतों की टूलकिट बनकर काम कर रहे हैं। वे विदेशी ताकतों के इशारे पर देश के लोकतंत्र को चुनौती देना चाहते हैं। देश की 140 करोड़ जनता देख रही है, उसे मालूम है कि ये कौन लोग हैं। ये वही लोग हैं जिन्होंने विदेशों में अराजकता फैलाई। कांग्रेस के लोग कहते हैं कि सत्ता बदल देंगे।



दिल्ली गेट से कश्मीरी गेट तक विकसित होगा आधुनिक कॉरिडोर : रेखा गुप्ता

योजना में सड़क के सौंदर्यीकरण के साथ आसपास के ऐतिहासिक स्मारकों, पार्कों और सार्वजनिक स्थलों को भी एक-दूसरे से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया गया है।

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार राजधानी के नेताजी सुभाष मार्ग को नए स्वरूप में विकसित करने की योजना तैयार कर रही है। इंद्रप्रस्थ विरासत पुनर्विकास निगम (आईवीपीएन) की इस पुनर्विकास परियोजना में दिल्ली गेट से कश्मीरी गेट तक (करीब 3.3 किलोमीटर) आधुनिक कॉरिडोर विकसित किया जाएगा। योजना में सड़क के सौंदर्यीकरण के साथ आसपास के ऐतिहासिक स्मारकों, पार्कों और सार्वजनिक स्थलों को भी एक-दूसरे से जोड़ने पर विशेष ध्यान दिया गया है। मुख्यमंत्री व इंद्रप्रस्थ विरासत पुनर्विकास निगम (आईवीपीएन) की चेयरमैन रेखा गुप्ता ने एक विज्ञप्ति जारी करते हुए यह मार्ग आवागमन के साधन के साथ-साथ दिल्ली के इतिहास, विरासत, स्थापत्य, संस्कृति और आधुनिक शहरी जीवन के बीच एक जीवंत सेतु के रूप में विकसित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित कॉरिडोर दिल्ली गेट से शुरू होकर कश्मीरी गेट तक जाएगा। सौंदर्यीकरण को सड़क की उपलब्ध चौड़ाई के आधार पर तीन श्रेणियों में बांटा गया है। पहले हिस्से में कश्मीरी गेट से जीपीओ चौक तक रखा गया है। यह इस कॉरिडोर की सबसे व्यस्त सड़क है और इसकी चौड़ाई 12 से 24 मीटर है। दूसरे



हिस्से में जीपीओ से ब्रिज मोहन चौक (जामा मस्जिद की ओर जाने वाला चौराहा) की सड़क को रखा गया है। इसकी औसत चौड़ाई 45 मीटर है। तीसरे हिस्से में ब्रिज मोहन चौक से दिल्ली गेट चौराहे की सड़क रखी गई है। इसकी औसत चौड़ाई 16.8 से 26 मीटर है। इस कॉरिडोर के इन तीनों हिस्सों में सड़क की चौड़ाई व अन्य उपलब्धताओं को ध्यान में रखते हुए। यातायात के साथ पैदल और गैर-मोटर चालित परिवहन को भी पर्याप्त स्थान देने की व्यवस्था की गई है। इनमें फुटपाथ, बस लेन और मोटर वाहन लेन के अलावा पार्किंग व्यवस्था, पैदल प्लाजा, साइकिल ट्रैक आदि शामिल है। इसके अलावा इस सड़क के दोनों ओर आधुनिक शौचालयों का निर्माण होगा और बस स्टॉप्स को अपग्रेड किया जाएगा।

इन व्यवस्थाओं का आधार लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) की ओर से मौजूदा स्ट्रीटस्केप परियोजना के लिए साझा किए गए डिजाइन दिशा-निर्देश शामिल हैं।परियोजना की प्रमुख विशेषता नेताजी सुभाष मार्ग के आसपास मौजूद ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सार्वजनिक महत्व के स्थलों को एक समग्र स्वरूप में विकसित करना है। इसके अंतर्गत लाल किला, जामा मस्जिद, सेंट जेम्स चर्च, कश्मीरी गेट का क्षेत्र, लालकिला से जुड़ा चांदनी चौक का चौराहा, सुभाष पार्क, हिंदी पार्क, आईजीटी यूनिवर्सिटी, अग्रसेन पार्क, सुनहरी मस्जिद जैसे प्रमुख स्थलों को कॉरिडोर की योजना में शामिल किया गया है। साथ ही अग्रसेन पार्क, लोथियान कब्रिस्तान, पुराना रेलवे स्टेशन चौक, लाल किला ग्रीन पॉकेट, लाल किले का दशहरा मेला स्थल, चांदनी चौक-लालकिला चौक, सुनहरी मस्जिद बाग, सुभाष पार्क, ब्रिज मोहन चौक, दिल्ली गेट चौक, एकता स्थल और हिंदी पार्क सहित 12 प्रमुख स्थानों और हरित क्षेत्रों के एकीकरण का प्रस्ताव है। इससे मार्ग के आसपास उपलब्ध हरित स्थानों को बेहतर ढंग से विकसित करने और शहर के इस ऐतिहासिक हिस्से को अधिक आकर्षक बनाने की परिकल्पना की गई है। योजना में दिल्ली गेट के आसपास के क्षेत्र को विशेष रूप से विकसित करने का प्रस्ताव है। यहां विरासत परिचय उद्यान (हेरिटेज इंटरप्रिटेशन पार्क) विकसित करने की परिकल्पना की गई है। यहां प्रतिमा, आकर्षक मंडप (पैवेलियन), हरित क्षेत्र, पैदल आवागमन और पार्किंग की व्यवस्था रखी गई है।

मोदी जी कहीं नहीं जा रहे ब्रो! के नारे के साथ लाल हिट जनता पार्टी ने निकाला शांति मार्च

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। लाल हिट जनता पार्टी की ओर से राजघाट से रामलीला मैदान तक शांति मार्च का आयोजन किया गया। 'मोदी जी कहीं नहीं जा रहे ब्रो!' के नारे के साथ आयोजित इस मार्च में पार्टी के सदस्यों और समर्थकों सहित करीब 200 लोगों ने भाग लिया। मार्च का नेतृत्व पार्टी के संस्थापक एवं संयोजक अयन भटनागर ने किया।



मार्च में शामिल प्रतिभागियों के हाथों में पार्टी के बैनर, फ्लेक्स और पोस्टर थे।

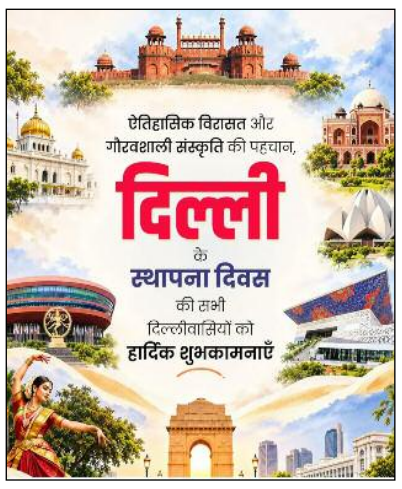
इनके माध्यम से उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति अपना समर्थन व्यक्त करते हुए देश में हो रहे विकास कार्यों और संवैधानिक मूल्यों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की। इस दौरान पार्टी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व के प्रति समर्थन व्यक्त किया और कांग्रेस पार्टी की राजनीतिक विचारधारा तथा प्रधानमंत्री के संबंध में उसके राजनीतिक रुख के प्रति विरोध दर्ज कराया। पार्टी ने देश के विकास, भारतीय संविधान की सर्वोच्चता और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का संदेश भी दिया। राजघाट से शुरू हुआ यह शांतिपूर्ण मार्च रामलीला मैदान पहुंचकर संपन्न हुआ। पार्टी की ओर से कहा गया कि मार्च का उद्देश्य लोकतांत्रिक तरीके से जनजागरूकता फैलाना, राष्ट्रहित से जुड़े मुद्दों को उठाना और शांतिपूर्ण नागरिक भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।

उपराज्यपाल, विधानसभा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री ने दिल्ली के स्थापना दिवस पर दी शुभकामनाएं

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू, विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने दिल्ली के स्थापना दिवस के अवसर पर सभी निवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दी। उपराज्यपाल तरनजीत सिंह संधू ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि अपनी चिरंतन विरासत से लेकर अपनी जीवंत मिली-जुली संस्कृति तक, दिल्ली एक एकजुट भारत की भावना को दर्शाती है।

उन्होंने कहा कि आइए, हम सब मिलकर एक 'विकसित दिल्ली' के निर्माण की दिशा में काम करें, जिसमें आधुनिक विकास और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का सुंदर संगम हो। विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने स्थापना दिवस की शुभकामनाएं देते हुए सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कहा कि इंद्रप्रस्थ की गौरवशाली विरासत से लेकर आज के आधुनिक महानगर तक, दिल्ली ने अपनी ऐतिहासिक पहचान, समृद्ध संस्कृति और जीवंत परंपराओं को सदैव संजोकर रखा है।



यहां के ऐतिहासिक स्मारक, कला, खान-पान और विविध लोक परंपराएं दिल्ली की विशिष्ट पहचान हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली अपनी ऐतिहासिक विरासत और आधुनिक विकास के संग विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रहे। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कहा कि दिल्ली की अपनी एक खुशबू है, अपना एक मिजाज है...इंद्रप्रस्थ की गौरवगाथा से आधुनिक भारत के स्वाभिमान तक, दिल्ली युगों की साक्षी है, इतिहास की धरोहर है और भविष्य की अनंत संभावनाओं का आंगन है। उन्होंने कहा कि इसकी मिट्टी में सभ्यताओं की स्मृतियां हैं, यमुना की धार में युगों की कथाएं हैं। लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र का गौरव गूंजता है, तो कर्तव्य पथ पर स्वतंत्र भारत का आत्मविश्वास झलकता है। किसी का बचपन यहां बीता है, किसी के सपनों ने यहां पहली उड़ान भरी है। कोई पीढ़ियों से यहां बसा है, तो कोई दूर से आकर यहीं का हो गया। दिल्ली की यही खूबसूरती है कि यहां हर कोई बड़े प्यार और गर्व से कहता है, हम दिल्ली वाले हैं।

दिल्ली में बीएस-6 से नीचे के वाहनों की एंट्री पर रोक, बॉर्डर पर बढ़ी सख्ती, कई वाहन लौटाए गए

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली में सर्दियों के दौरान बढ़ते वायु प्रदूषण पर लगाम लगाने के लिए 1 नवंबर से वाहनों के प्रवेश को लेकर नए प्रतिबंध लागू हो गए हैं। नए नियमों के तहत दिल्ली के बाहर



पंजीकृत बीएस-6 मानक से नीचे के पेट्रोल और डीजल वाहनों को राजधानी में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जा रही है। यह प्रतिबंध 1 नवंबर से 31 जनवरी तक लागू रहेगा। नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए दिल्ली के विभिन्न बॉर्डर पॉइंट्स पर जांच अभियान तेज कर दिया गया है। दिल्ली-हरियाणा सीमा पर आया नगर बॉर्डर, अफसरा बॉर्डर और सीमापुरी समेत कई प्रमुख प्रवेश मार्गों पर दिल्ली ट्रांसपोर्ट एनफोर्समेंट की टीमें तैनात हैं। आया नगर बॉर्डर पर गुरुग्राम की ओर से दिल्ली आने वाले वाहनों की विशेष रूप से जांच की जा रही है। वाहनों की नंबर प्लेट और उनके उत्सर्जन मानकों की जांच के बाद ही उन्हें आगे जाने दिया जा रहा है। बीएस-6 से नीचे के मानकों वाले प्रतिबंधित वाहनों को बॉर्डर से ही वापस लौटाया जा रहा है। आया नगर बॉर्डर पर फतेहपुर बेरी थाना पुलिस का स्थानीय स्टाफ और दिल्ली ट्रांसपोर्ट एनफोर्समेंट की टीम संयुक्त रूप से जांच अभियान चला रही है। भारी वाहनों की भी जांच की जा रही है। इसके अलावा, दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया ब्लॉक की प्रस्तावित बड़ी रैली को देखते हुए भी बॉर्डर पर सुरक्षा और निगरानी बढ़ाई गई है।

वासुदेव घाट पर मंत्री कपिल मिश्रा ने छठ महापर्व की तैयारियों का लिया जायजा



अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली के कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा ने छठ महापर्व के आयोजन की तैयारियों का जायजा लेने के लिए वासुदेव घाट का निरीक्षण किया। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं अन्य प्रशासनिक प्रतिनिधि उपस्थित रहे। उन्होंने अधिकारियों के साथ घाट पर चल रही तैयारियों का जायजा लिया तथा आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। कपिल मिश्रा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि छठ महापर्व से पहले सभी आवश्यक तैयारियां समय पर पूरी की जाएं। श्रद्धालुओं की सुविधा, घाटों की स्वच्छता, सुरक्षा और आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं पर विशेष ध्यान दिया जाए ताकि व्रतियों और श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस अवसर पर कपिल मिश्रा ने कहा कि छठ महापर्व दिल्ली की सांस्कृतिक और धार्मिक परंपरा का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। दिल्ली सरकार मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि छठी मैया के भक्तों को पर्व के दौरान बेहतर से बेहतर सुविधाएं मिलें। सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए गए हैं कि आपसी समन्वय के साथ तैयारियां समय पर पूरी करें ताकि श्रद्धालु पूरी श्रद्धा और सुविधापूर्वक छठ महापर्व मना सकें। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का प्रयास है कि छठ महापर्व का आयोजन श्रद्धा, स्वच्छता, सुरक्षा और सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं के साथ संपन्न हो।

मंत्री कपिल मिश्रा गायत्री परिवार के शताब्दी समारोह में हुए शामिल

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। दिल्ली के कला, संस्कृति एवं भाषा मंत्री कपिल मिश्रा आईजीआई स्टेडियम में आयोजित गायत्री परिवार के शताब्दी समारोह में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने गायत्री परिवार के सभी साधकों, उपासकों और शिष्यों को नमन करते हुए मां गायत्री की चेतना, हवन, यज्ञ और आध्यात्मिक साधना के माध्यम से समाज में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करने के प्रयासों की सराहना की।



मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि इस शताब्दी समारोह में उपस्थित सभी गायत्री परिवार के साधकों, उपासकों और शिष्यों को मेरा कोटि-कोटि नमन। मेरा यह सौभाग्य है कि मेरा परिवार वर्षों से गुरुदेव और माताजी से जुड़ा रहा। यहां तक कि मेरी बड़ी बहन का जन्म भी शांतिकुंज में हुआ है।

गुरुदेव और परम पूजनीय माताजी के माध्यम से मां गायत्री की चेतना का प्रसार आज पूरे विश्व में हो रहा है। उन्होंने कहा कि 1962 से लेकर आज तक 80 से अधिक देशों और करोड़ों परिवारों तक मां गायत्री की चेतना पहुंचाने का पुण्य कार्य गायत्री परिवार द्वारा किया जा रहा है। शायद यही जीवन की सार्थकता है। आज जब पूरी दुनिया अनेक संकटों और चुनौतियों से जूझ रही है, तब आशा और प्रकाश का रास्ता ऐसे ही साधकों और उपासकों के माध्यम से निकलता है। मंत्री कपिल मिश्रा ने कहा कि जिस विश्व की कल्पना गुरुदेव और माताजी ने की थी, उसका निर्माण तभी संभव है, जब मां गायत्री की चेतना का प्रकाश पूरे विश्व तक पहुंचे। उन्होंने गायत्री परिवार के निरंतर प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि सनातन संस्कृति की शक्ति, मां गायत्री की चेतना और हवन-यज्ञ की परंपरा से प्रत्येक परिवार को जोड़ने का कार्य अत्यंत सराहनीय है। मंत्री कपिल मिश्रा ने गायत्री परिवार के सभी सदस्यों को शताब्दी समारोह की बधाई देते हुए उनके आध्यात्मिक और सामाजिक अभियान की निरंतर सफलता

भारतेंदु हरिश्चंद्र के 'नीलदेवी' नाटक में नारी सशक्तीकरण और राष्ट्र चेतना की अभिव्यक्ति

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। इंद्रप्रस्थ साहित्य भारती, मध्य साहित्य केंद्र की ओर से प्रवासी भवन में भारतेंदु हरिश्चंद्र कृत 'नीलदेवी' नाट्य पुस्तक पर चर्चा का आयोजन किया गया।

इस दौरान वक्ताओं ने नाटक के माध्यम से नारी सशक्तीकरण, राष्ट्र चेतना और भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों को जागृत करने में भारतेंदु हरिश्चंद्र के योगदान को रेखांकित किया। कार्यक्रम में लेखक संजीव त्रिपाठी ने कहा कि भारतेंदु हरिश्चंद्र द्वारा रचित 'नीलदेवी' नाटक भारतीय सांस्कृतिक धरोहर को अक्षुण्ण रखने का सशक्त माध्यम है। नाटक की नायिका नीलदेवी, राजा सूर्यदेव की रानी हैं। भारतेंदु ने उनके चरित्र के माध्यम से संयमी, साहसी, विवेकशील और सशक्त नारी का आदर्श प्रस्तुत किया है। उन्होंने कहा कि यह नाटक उस समय लिखा गया था, जब भारत अंग्रेजों के अधीन था। भारतेंदु अपनी लेखनी के माध्यम से देशवासियों को भविष्य के प्रति सचेत कर रहे थे। युवा लेखक अंकित कुमार दूबे ने कहा कि 'नीलदेवी' नाटक ने पराधीन भारत में लोगों को प्रेरणा देने का कार्य किया। यह नाटक ऐतिहासिक भले ही न हो, लेकिन इसकी घटनाएं राष्ट्रीय चेतना को प्रखर



करती हैं। इसमें नवजागरण की सामान्य विशेषताएं समाहित हैं। भारतेंदु हरिश्चंद्र ने इस नाटक के माध्यम से भारतीय नारी के आदर्श और प्रतिरोध की भावना को प्रस्तुत किया। नाटक ने महिलाओं को अपनी स्थिति पहचानने और उससे बाहर निकलने का संदेश दिया। नाटककार एस.पी. सिंह सेंगर ने कहा कि नाटक एक अत्यंत प्रभावशाली और जीवंत दृश्य-श्रव्य माध्यम है, जिसका प्रभाव तत्काल पड़ता है। 'नीलदेवी' नाटक ने नारी सशक्तीकरण के माध्यम से समाज को प्रगतिशील बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने कहा कि भारतेंदु हरिश्चंद्र ने अपनी लेखनी को हथियार बनाकर स्वतंत्रता सेनानी की भूमिका निभाई।

लेखिका गुंजन शर्मा ने गत शरद पूर्णिमा के अवसर पर महर्षि वाल्मीकि जयंती का उल्लेख करते हुए वाल्मीकि द्वारा रचित दस श्लोकों को उद्धृत किया और उन पर अपने विचार प्रस्तुत किए। उन्होंने कहा कि महर्षि वाल्मीकि ने रामायण महाकाव्य की रचना कर मर्यादा पुरुषोत्तम राम के चरित्र के माध्यम से समाज को धर्म और सदाचार का मार्ग दिखाया। कार्यक्रम के अंत में सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता को सुदृढ़ करने में उनके योगदान का स्मरण किया गया।

पटेल के विचारों को भुलाकर उनकी विरासत का इस्तेमाल कर रही भाजपा: कांग्रेस

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की टिप्पणियों को लेकर कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर निशाना साधा है। कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा सरदार पटेल के नाम और उनकी विरासत का राजनीतिक इस्तेमाल कर रही है, जबकि उनके विचारों, सिद्धांतों और आदर्शों को नजरअंदाज किया जा रहा है।

वहीं, उत्तर प्रदेश में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने को लेकर अमित शाह के बयान पर समाजवादी पार्टी ने भी प्रतिक्रिया दी है।

एमसीडी ने हेरिटेज यूनिटी वॉक और विद्यालयों में विविध कार्यक्रमों के साथ मनाया राष्ट्रीय एकता दिवस

नई दिल्ली, 01 नवम्बर (वेब वार्ता)। दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) के शिक्षा विभाग ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती के अवसर पर राष्ट्रीय एकता दिवस उत्साह और गरिमापूर्ण ढंग से मनाया। इस अवसर पर कुतुब मीनार परिसर में विशेष हेरिटेज यूनिटी वॉक का आयोजन किया गया। वहीं, निगम के सभी विद्यालयों में विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रीय एकता, अखंडता और देशभक्ति का संदेश दिया गया। कुतुब मीनार परिसर में आयोजित हेरिटेज यूनिटी वॉक में एमसीडी के प्राथमिक विद्यालयों के विद्यार्थियों, स्टार पैरेंट्स, विद्यालय प्रबंधन समितियों (एसएमसी) के सदस्यों, प्राथमिक



शिक्षकों, शिक्षा विभाग के अधिकारियों तथा शहीद भगत सिंह कॉलेज (इवनिंग) के एनएसएस स्वयंसेवकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ऐतिहासिक कुतुब मीनार परिसर में आयोजित इस पदयात्रा के माध्यम से विद्यार्थियों को देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से परिचित होने का अवसर मिला। साथ ही, सरदार वल्लभभाई पटेल के 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के दृष्टिकोण, राष्ट्रीय गौरव और सामूहिक जिम्मेदारी की भावना को सशक्त किया गया। इसी क्रम में एमसीडी के सभी विद्यालयों में राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए तथा राष्ट्रीय एकता पर आधारित प्रश्नोत्तरी, शपथ, पोस्टर निर्माण और परिचर्चा जैसी गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इन कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को राष्ट्रीय विरासत, संवैधानिक मूल्यों, आपसी सद्भाव और विविधता में एकता के महत्व से परिचित कराया गया। इस अवसर पर एमसीडी की निदेशक शिक्षा विभाग, आयुषी ने एमसीडी प्राथमिक विद्यालय, शेख सराय फेज-II तथा निगम श्री विद्यालय, जी-ब्लॉक, साकेत का दौरा कर विद्यार्थियों के साथ राष्ट्रीय एकता दिवस के कार्यक्रमों में सहभागिता की। दोनों विद्यालयों में विद्यार्थियों ने देशभक्ति गीत प्रस्तुत किए और राष्ट्रीय एकता एवं भारतीय विरासत पर आधारित संवादात्मक प्रश्नोत्तरी में उत्साहपूर्वक भाग लिया। निदेशक शिक्षा ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए देशभक्ति, सामाजिक समरसता, विविधता में एकता और राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका के महत्व पर प्रकाश डाला।

चुनाव आयोग को देश के लोगों के संवैधानिक अधिकारों को नहीं छीनना चाहिए: शशि थरूर

अनप्लग इंडिया

नई दिल्ली। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने रविवार को कहा कि 'इंडिया' ब्लॉक का विरोध प्रदर्शन नागरिकों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा के लिए है, न कि किसी राजनीतिक दल के लिए। विपक्षी नेता दिल्ली के रामलीला मैदान में मतदाता सूची के 'विशेष गहन पुनरीक्षण' (एसआईआर) के खिलाफ विरोध जताने के लिए इकट्ठा हुए हैं। इस दौरान मीडिया से बातचीत में शशि थरूर ने कहा, 'यह पार्टियों की बात नहीं है, यह कांग्रेस की बात नहीं है, यह एक बहुत ही सीधा सा संदेश है कि चुनाव आयोग को भारत के लोगों के संवैधानिक अधिकारों को नहीं छीनना चाहिए। उन्होंने जो किया, वह पूरी तरह से गलत है, आप 130 मिलियन (13 करोड़) मतदाताओं को सूची से नहीं हटा सकते। यह स्वीकार्य नहीं है, हमें एक बिल्कुल साफ-सुथरी मतदाता सूची चाहिए।' उन्होंने आगे कहा, 'हम देश के लोगों के संवैधानिक अधिकारों की रक्षा करने की कोशिश कर रहे हैं।' कांग्रेस नेता भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा, 'कांग्रेस एक शांतिप्रिय पार्टी है। संविधान हमने ही बनाया है, इसलिए संविधान की रक्षा करना कांग्रेस का कर्तव्य है।' समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने मतदाताओं की संख्या में कथित कमी को लेकर उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री पर निशाना साधा। उन्होंने कहा, 'खुद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने भी मान लिया है कि 1 करोड़ 27 लाख वोट कम हो गए हैं। उन्हें यह बात कब याद आई? जब वह एमएलसी चुनाव हार गए।' भाजपा के 'डबल इंजन' नारे पर तंज कसते हुए अखिलेश यादव ने कहा, 'जो लोग 'डबल इंजन' की बात करते थे, वे खुद 'डबल जीरो' हो गए हैं। वे सिर्फ 'डबल जीरो' ही नहीं हुए, बल्कि एक बार हारने के बाद उसे स्वीकार भी नहीं कर पाए।'

संक्षिप्त डायरी

गवाहों के मुकरने से पॉक्सो का आरोपी बरी

एजेंसी

नोएडा। अदालत ने पांच वर्षीय बच्ची से छेड़छाड़ के आरोपी को संदेह का लाभ देते हुए बरी कर दिया। पीड़िता के पिता की तहरीर पर कासना थाना में 13 अप्रैल को मुकदमा दर्ज हुआ था। पुलिस ने 10 जून को आरोप पत्र दाखिल किया और 3 अगस्त को आरोप तय हुए। पिता ने मुख्य परीक्षा में घटना का समर्थन किया लेकिन जिरह में पुलिस को बयान देने से इन्कार किया। मां ने अदालत में कहा कि घटना के दिन पति और आरोपी के बीच झगड़ा हुआ था। आरोपी ने बच्ची के साथ कोई गलत हरकत नहीं की। दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी को बरी कर दिया गया।

18 लाख लेने के बाद भी प्लॉट का नहीं दिया कब्जा

एजेंसी

नोएडा। दनकौर देहात स्थित परियोजना में प्लॉट का कब्जा देने के नाम पर दिल्ली निवासी महिला के साथ 18 लाख रुपये की धोखाधड़ी हो गई। ईस्ट विनोद नगर, दिल्ली निवासी राखी निंबा ने रविवार को दर्ज कराई प्राथमिकी में बताया कि उसने एक कंपनी के निदेशकों अनुराग प्रताप राय और अनुराधा प्रताप राय से परियोजना में 100 वर्ग गज का प्लॉट 18 लाख रुपये में खरीदा था। रकम देने के बाद 30 जून 2023 को प्लॉट की रजिस्ट्री कराई गई लेकिन कब्जा नहीं मिला। पीड़िता के अनुसार नवंबर 2020 में हुए एक अन्य समझौते में बिल्डर ने छह महीने के भीतर 22 लाख रुपये लौटाने और सुरक्षा के तौर पर चेक देने का आश्वासन दिया था लेकिन पैसे नहीं मिले। महिला ने अनुराग प्रताप राय, उनकी पत्नी दीक्षा राय, बहन अनुराधा और पार्टनर रामकुमार गुप्ता पर साजिश के तहत रकम हड़पने का आरोप लगाया है। कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

शिवालिक होम्स की आठों लिफ्टें बंद, 350 परिवार परेशान

एजेंसी

नोएडा। शिवालिक होम्स सोसाइटी में शनिवार को मेंटेनेंस टीम ने चारों टावरों की सभी आठ लिफ्टें बंद कर दीं। इससे करीब 350 परिवारों को परेशानी हुई। सबसे अधिक दिक्कत बुजुर्गों, बीमार लोगों और बच्चों को हुई। सोसाइटी में तीन टावर 14 मंजिला और एक टावर 19 मंजिला है। प्रत्येक टावर में दो लिफ्ट हैं। निवासी हिमांशु शेखर ने आरोप लगाया कि लंबे समय से लिफ्टों के रखरखाव और मरम्मत की शिकायत की जा रही थी, लेकिन समाधान करने के बजाय सभी लिफ्टें बंद कर दी गईं। मेंटेनेंस टीम का कहना है कि निवासी बिल्डर पर दबाव बनाने के लिए अलग-अलग जगह शिकायत कर रहे हैं। लिफ्ट बंद होने से ऊपरी मंजिलों पर रहने वालों को परेशानी हुई। निवासियों और मेंटेनेंस टीम के बीच करीब डेढ़ घंटे बैठक चली। बातचीत के बाद सभी लिफ्टें चालू कर दी गईं। निवासियों ने नियमित रखरखाव और स्थायी समाधान की मांग की।

60 बच्चों को बताए जोड़ों की देखभाल के तरीके

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-30 स्थित चाइल्ड पीजीआई के बाल रक्त एवं कैंसर रोग विभाग की ओर से हीमोफीलिया से पीड़ित बच्चों और उनके अभिभावकों के लिए लिविंग एंड विनिंग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें करीब 60 बच्चों और उनके परिजनों ने हिस्सा लिया। विभागाध्यक्ष और एडिशनल प्रोफेसर डॉ. नीता राधा कृष्णन ने रक्तस्राव के शुरूआती लक्षणों की पहचान, समय पर उपचार और सावधानियों की जानकारी दी। फिजियोथेरेपिस्ट खलील अहमद ने बच्चों को मांसपेशियां मजबूत करने वाले व्यायाम और जोड़ों की देखभाल के तरीके बताए। कार्यक्रम में आई ड्रीम टू ट्रस्ट के संस्थापक राजन चौधरी के सहयोग से दिवाली उत्सव और चित्रकला प्रतियोगिता भी हुई।

बालक-बालिका टीमों ने दिल्ली में जीते खिताब

एजेंसी

नोएडा। शहर की बालक और बालिका टीमों ने शनिवार को दिल्ली के चिल्ला स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित आमंत्रण फुटबॉल टूर्नामेंट में अंडर-12 वर्ग का खिताब अपने नाम किया। 'खेलो इंडिया' पहल के तहत हुई इस प्रतियोगिता में नोएडा के खिलाड़ियों ने टीम स्पर्धा के साथ-साथ व्यक्तिगत पुरस्कारों में भी बाजी मारी। अविराज राणा और आयुष्का डुंगडुंग को अपने-अपने वर्ग में टूर्नामेंट का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुना गया, जबकि थ्रुश अवाना को सर्वश्रेष्ठ उभरती खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। इसके अलावा, अंडर-10 आयु वर्ग में सक्षम गौतम सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी चुने गए।

केबी मार्ट के नाम पर दुकानों की फर्जी बुकिंग और बिक्री का आरोप

एजेंसी

नोएडा। नॉलेज पार्क-2 स्थित केबी मार्ट प्रोजेक्ट में कंपनी के नाम का दुरुपयोग कर दुकानों और कॉमर्शियल यूनिट्स की अनधिकृत बिक्री व बुकिंग करने का मामला सामने आया है। श्री कुंज बिहारी जी इन्फ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड के प्रतिनिधि राकेश कुमार सिंघल की तहरीर पर नॉलेज पार्क थाना पुलिस ने शुक्रवार को तरुण कुमार उर्फ हिमांशु के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। कंपनी के मुताबिक बुलंदशहर निवासी आरोपी तरुण कुमार पहले कंपनी के लिए कमीशन एजेंट के रूप में दुकानों की बिक्री में समन्वय का काम करता था। उसे कंपनी की ओर से यूनिट बेचने, भुगतान लेने या कोई आधिकारिक दस्तावेज जारी करने का अधिकार नहीं था। इसके बावजूद उसने कंपनी की फर्जी रबर स्टांप, मुहर, लेटरहेड और अधिकृत अधिकारियों के हस्ताक्षर कर ग्राहकों को फर्जी आवंटन पत्र, रसीदें, एग्रीमेंट और अन्य दस्तावेज दिए। केबी मार्ट में बुकिंग और बिक्री के नाम पर ग्राहकों से रकम ली। कुछ ग्राहक जब फर्जी या संदिग्ध दस्तावेज लेकर कंपनी कार्यालय पहुंचे, तब प्रबंधन को पूरे मामले की जानकारी हुई। इसके बाद आरोपी के दोनों मोबाइल नंबरों पर संपर्क की कोशिश की गई, लेकिन दोनों बंद मिले। कोतवाली प्रभारी विनोद कुमार का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

पंजाबी गायक मनिंदर बुट्टर के गानों में झूमे छात्र

एजेंसी

नोएडा। नॉलेज पार्क स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज में 29 से 31 अक्तूबर तक तीन दिवसीय वार्षिक समारोह ऑक्लूजन-2026 आयोजित किया गया। इसमें दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड और हरियाणा के विभिन्न डेंटल कॉलेजों से आए 1500 से अधिक विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। पंजाबी गायक मनिंदर बुट्टर की लाइव प्रस्तुति रही। उन्होंने सखियां, इक तेरा, लारे और पानी दी गल जैसे लोकप्रिय गीतों से विद्यार्थियों को झूमने पर मजबूर कर दिया। प्रधानाचार्य डॉ. ओमकार के शेट्टी ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम में सांस्कृतिक और खेल प्रतिभाओं को निखारने का अवसर प्रदान करता है। इस दौरान उपाध्यक्ष सोहेल चड्ढा, डॉ. आरपी चड्ढा, सचिव बीके अरोड़ा, निदेशक जनसंपर्क सुरेन्द्र सूद उपस्थित रहे।

समुद्र मंथन पर नाटक प्रस्तुति बनी मुख्य आकर्षण

एजेंसी

नोएडा। डेल्टा-क्क्क स्थित जेएस अकादमी में शनिवार को वार्षिकोत्सव ह्यशिवोह्म-दिव्य यात्राह्व का आयोजन से किया गया। इसमें विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से भारतीय संस्कृति, भगवान शिव की महिमा और जीवन मूल्यों का संदेश दिया। समुद्र मंथन पर आधारित नाट्य प्रस्तुति समारोह का मुख्य आकर्षण रही। विद्यार्थियों ने गणेश वंदना, शिव वंदना, स्वागत गीत और मनमोहक नृत्य प्रस्तुत किए।

भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) ने किया संगठन का विस्तार, नए पदाधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारी

अनप्लग इंडिया

नोएडा। भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) ने गौतमबुद्ध नगर में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की दिशा में विस्तार किया है। नोएडा में आयोजित संगठन की महत्वपूर्ण बैठक के दौरान कई नए पदाधिकारियों और सदस्यों को संगठन में शामिल किया गया। इस दौरान नवनियुक्त पदाधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई और फूल-मालाओं से उनका स्वागत किया गया।

बैठक में बड़ी संख्या में लोगों ने भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) की प्राथमिक सदस्यता ग्रहण की। संगठन के वरिष्ठ पदाधिकारियों ने नए सदस्यों का स्वागत करते हुए उनसे किसानों, मजदूरों और आम लोगों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाने तथा संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया।

फरीद अहमद को अधिवक्ता प्रकोष्ठ का अध्यक्ष, राम बाबू को मिली महानगर कार्यकारिणी की जिम्मेदारी

संगठन विस्तार के तहत फरीद अहमद को अधिवक्ता प्रकोष्ठ का अध्यक्ष बनाया



गया। वहीं राम बाबू को नोएडा महानगर की कार्यकारिणी सदस्य की जिम्मेदारी सौंपी गई। इसके अलावा इस्तकार को गौतमबुद्ध नगर में सक्रिय कार्यकर्ता के रूप में संगठन से जोड़ा गया।

नवनियुक्त पदाधिकारियों का संगठन के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने फूल-मालाओं से स्वागत किया। इस दौरान सभी ने संगठन को मजबूत बनाने और किसानों एवं मजदूरों की समस्याओं को प्रभावी तरीके से उठाने का संकल्प लिया।

किसानों और मजदूरों के साथ अन्याय बर्दाश्त नहीं होगा: महेश सिंह तंवर

बैठक को संबोधित करते हुए भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) के जिला अध्यक्ष चौधरी महेश सिंह तंवर ने कहा कि संगठन किसानों और मजदूरों की आवाज है। समाज के अन्नदाता और मेहनतकश वर्ग के खिलाफ किसी भी तरह का अत्याचार या अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने कहा कि भारतीय किसान यूनियन (अम्बावता) हमेशा किसानों और मजदूरों के हक, सम्मान और अधिकारों की लड़ाई मजबूती से लड़ता आया है और आगे भी पूरी ताकत के साथ उनके साथ खड़ा रहेगा। संगठन का प्रत्येक कार्यकर्ता पीड़ित और शोषित वर्ग के अधिकारों की रक्षा के लिए चौबीसों घंटे तत्पर है।

चौधरी महेश सिंह तंवर ने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल सदस्य संख्या बढ़ाना नहीं, बल्कि किसानों और मजदूरों की समस्याओं को समझकर उनके समाधान के लिए संघर्ष करना है। नए पदाधिकारियों के जुड़ने से संगठन को क्षेत्र में और मजबूती मिलेगी।

वरिष्ठ पदाधिकारियों ने नए सदस्यों को दी बधाई

इस मौके पर मेरठ मंडल अध्यक्ष चौधरी संदीप गुर्जर ने नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई देते हुए संगठन की नीतियों और उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाने की अपील की। उन्होंने कहा कि संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने के लिए सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को मिलकर काम करना होगा।

बैठक में नोएडा महानगर अध्यक्ष डॉ. रोहतास, हापुड़ जिला अध्यक्ष चौधरी यशपाल भाटी और जिला उपाध्यक्ष चौधरी विजय पाल भाटी ने भी नए सदस्यों का स्वागत किया और संगठनात्मक जिम्मेदारियों को पूरी निष्ठा से निभाने का आह्वान किया।

कार्यक्रम में मीडिया प्रभारी अशरफ सैफी, पत्रकार जावेद अली, साजिद हुसैन, सतीश तंवर और आशीष बटार सहित संगठन के बड़ी संख्या में पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बैठक के अंत में संगठन को गांव, कॉलोनी और शहर स्तर तक मजबूत बनाने तथा किसानों, मजदूरों और जरूरतमंद लोगों की समस्याओं को लेकर लगातार संघर्ष करने का संकल्प दोहराया गया।

सामाजिक कार्यकर्ता मुकेश शर्मा की अनूठी पहल, दस हजार परिवारों तक दिवाली की

अनप्लग इंडिया

नोएडा। दीपावली के पावन पर्व पर सामाजिक कार्यकर्ता एवं उद्यमी मुकेश शर्मा ने नोएडा में एक अनूठी पहल शुरू की है। ह्यएक दीया उनके नाम, जो हमारे घरों को रोशन करती ह अभियान के तहत वे उन घरेलू सहायिकाओं, सफाई कर्मियों, सुरक्षा गार्डों और सहायक कर्मचारियों के परिवारों तक दिवाली की खुशियां पहुंचा रहे हैं, जो साल भर हमारी दिनचर्या को आसान बनाते हैं। अभियान के तहत प्रत्येक परिवार को एक विशेष दिवाली किट दी जा रही है। किट में सर्दी को देखते हुए एक कंबल, मिठाई, मिट्टी के दीये और बच्चों के लिए फूलझड़ियां शामिल हैं, ताकि वे भी पूरे सम्मान के साथ त्योहार मना सकें। मुकेश शर्मा ने कहा यह कोई दान नहीं, उनके श्रम और निष्ठा के प्रति हमारा आदर है। कहना नहीं, कर दिखाना है और नोएडा को बेहतर बनाना है। जो लोग हर सुबह हमारे घरों को संवारते हैं, उनकी मुस्कान के बिना हमारी दिवाली अधूरी है। त्योहार की रोशनी सिर्फ हमारे घरों तक नहीं, उनके आशियानों तक भी पहुंचनी चाहिए। इस अभियान की खास बात यह है कि मुकेश शर्मा खुद नोएडा की प्रमुख सोसाइटियों में जाकर अपने हाथों से किट वितरित कर रहे हैं। अभी तक 7,860 से अधिक परिवारों को कवर किया गया है, जिसे बढ़ाकर 10 हजार परिवारों तक पहुंचाने का लक्ष्य है। इसके तहत केपटाउन में 3,000, लोटस में 2,000, प्रतीक विस्टेरिया में 800, सेक्टर 36 में 650, अंतरिक्ष में 400, जेनिथ में 350, सेक्टर 35 में 300, स्काईटेक मेट्रॉट में 175, सेठी मैक्स में 135 और महादेव में 50 परिवारों को किट दी जा रही है। सोसायटियों के निवासियों और एओए प्रतिनिधियों ने इस पहल को सामाजिक सौहार्द और संवेदनशीलता की मिसाल बताया है।

गौतमबुद्धनगर में सरदार पटेल की 151वीं जयंती पर सांस्कृतिक कार्यक्रम, अधिकारियों-कर्मचारियों ने ली राष्ट्रीय एकता की शपथ

अनप्लग इंडिया

नोएडा। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर गौतमबुद्धनगर में भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर लोक कलाकारों ने अपनी कला के माध्यम से भारतीय संस्कृति, राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता का संदेश दिया। वहीं दूसरी ओर, कलेक्ट्रेट सभागार में सभी अधिकारियों और कर्मचारियों ने राष्ट्र की एकता, अखंडता एवं सुरक्षा बनाए रखने के लिए शपथ ली। प्राप्त जानकारी के अनुसार,, गौतमबुद्धनगर कार्यालय ने पटेल लोक सांस्कृतिक संस्थान, नॉलेज पार्क, ग्रेटर नोएडा के सहयोग से इस सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय लोकगायक मन्नू तंवर, जयवीर भाटी और खुशी मौर्य ने अपनी



शानदार प्रस्तुतियां दीं। इस दौरान संस्थान के अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कलाकार ब्रह्मपाल नागर ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। इस आयोजन का सबसे बड़ा आकर्षण जयवीर भाटी और ब्रह्मपाल नागर द्वारा नशामुक्त युवा विषय पर प्रस्तुत किया गया गीत रहा। इस गीत के माध्यम से युवाओं को नशे और तमाम सामाजिक कुरीतियों से दूर रहने की अपील की गई। साथ ही युवाओं को देश के विकसित भारत के निर्माण में अपना पूरा योगदान देने के लिए प्रेरित किया गया। कार्यक्रम के अंत में ट ईँ१३ के उपनिदेशक ने सभी कलाकारों को शॉल और स्मृति चिह्न भेंटकर सम्मानित किया। कलेक्ट्रेट में ली गई राष्ट्रीय एकता की शपथ उधर, जिला कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अजीत कुमार ने सरदार वल्लभभाई पटेल के छायाचित्र पर माल्यार्पण किया और उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने वहां उपस्थित सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर शपथ दिलाई। इस शपथ ग्रहण के दौरान सभी ने राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए पूरी तरह समर्पित रहने का संकल्प लिया। साथ ही देशवासियों के बीच आपसी एकता का संदेश फैलाने की बात कही गई। इस अवसर पर मुख्य प्रशासनिक अधिकारी अनुराग सारस्वत सहित कलेक्ट्रेट के तमाम अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। इन दोनों प्रमुख आयोजनों के माध्यम से सरदार पटेल के राष्ट्र की एकता और अखंडता के प्रति दिए गए महान योगदान को गहराई से स्मरण किया गया। इसके साथ ही सांस्कृतिक विरासत को सहेजने, नशामुक्ति को बढ़ावा देने और समाज में आपसी समरसता बनाए रखने का स्पष्ट संदेश दिया गया।

नोएडा जोन में ड्रिंक एंड ड्राइव के खिलाफ सघन अभियान

अनप्लग इंडिया

नोएडा। शहर में यातायात नियमों को ताक पर रखकर गाड़ी चलाने वालों के खिलाफ पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस कमिश्नर गौतमबुद्धनगर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में नोएडा जोन में ड्रिंक एंड ड्राइव के खिलाफ विशेष सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार, यह पूरा अभियान डीसीपी नोएडा प्रीति यादव के नेतृत्व और एडीसीपी अभय कुमार मिश्र के पर्यवेक्षण में चलाया गया। इस विशेष अभियान के दौरान कुल 1,922 वाहनों और 2,068 व्यक्तियों की सघन जांच की गई। नियमों का पालन न करने वालों पर पुलिस ने कड़ी सख्ती बरती है। 45 टीमों ने संभाले प्रमुख चौराहे इस बड़े अभियान को सफल बनाने के लिए नोएडा जोन के विभिन्न थानों की 45 पुलिस टीमों का गठन किया गया था। इन सभी टीमों ने शहर के 45 प्रमुख



चौराहों और संवेदनशील स्थानों पर मोर्चा संभालते हुए चेकिंग की। कार्रवाई में थाना सेक्टर-20, थाना सेक्टर-39, थाना सेक्टर-126, थाना सेक्टर-24, थाना सेक्टर-58, फेस-1, थाना सेक्टर-49, थाना सेक्टर-113 और एक्सप्रेस-वे थाना पुलिस की टीमें शामिल रहीं। वाहन चालान और अन्य कानूनी कार्रवाई चेकिंग के दौरान यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले 471 वाहनों के चालान किए गए। इसके अलावा पुलिस ने नियमों का ज्यादा उल्लंघन मिलने पर 19 वाहनों को सीज भी कर दिया। वहीं दूसरी ओर, सार्वजनिक स्थानों पर शांति व्यवस्था भंग करने और संदिग्ध गतिविधियों में संलिप्त पाए गए कुल 327 व्यक्तियों के विरुद्ध बीएनएसएस की धारा 292 के तहत वैधानिक कार्रवाई की गई।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष अराधना मिश्रा से मिले एनएचआरएफ अध्यक्ष निखिल सिंघल

अनप्लग इंडिया

नोएडा। नोएडा हाईराइज फेडरेशन के अध्यक्ष निखिल सिंघल ने उत्तर प्रदेश कांग्रेस की अध्यक्ष अराधना मिश्रा (मोना) से मुलाकात कर नोएडा एवं ग्रेटर नोएडा के विभिन्न जनहित और नागरिक मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की। इस मुलाकात के दौरान ब्राह्मण समाज महासंघ, गौतमबुद्ध नगर के जिलाध्यक्ष दिनेश मिश्रा एवं रूपिंदर भाटिया भी उपस्थित रहे। बैठक में नोएडा की हाईराइज सोसायटियों से जुड़े लाखों निवासियों की समस्याओं, लंबित फ्लैट रजिस्ट्री, ग्रेटर नोएडा वेस्ट में मेट्रो कनेक्टिविटी, मूलभूत सुविधाओं और प्राधिकरण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान नोएडा में वर्षों से लंबित फ्लैट रजिस्ट्री के मुद्दे को कांग्रेस के आगामी उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के एजेंडे में शामिल किए जाने को लेकर चर्चा हुई। इस विषय पर सकारात्मक आश्वासन मिलने की बात सामने आई। निखिल सिंघल नोएडा के नागरिक मुद्दों को लेकर लगातार सक्रिय रूप से कार्य कर रहे हैं। फ्लैट रजिस्ट्री से लेकर हाईराइज सोसायटियों की समस्याओं तक, वे लगातार प्रशासन, जनप्रतिनिधियों और विभिन्न राजनीतिक दलों के समक्ष निवासियों की आवाज उठा रहे हैं। नोएडा में उन्हें हाईराइज निवासियों की आवाज के रूप में भी जाना जाता है। एनएचआरएफ अध्यक्ष निखिल सिंघल ने कहा कि नोएडा में बड़ी संख्या में ऐसे फ्लैट खरीदार हैं जो वर्षों से अपनी रजिस्ट्री का इंतजार कर रहे हैं। इसके अलावा ग्रेटर नोएडा वेस्ट में मेट्रो कनेक्टिविटी और हाईराइज सोसायटियों में नागरिक सुविधाओं का बेहतर होना भी बेहद जरूरी है।

उन्होंने कहा कि नोएडा के विकास और यहां रहने वाले लाखों लोगों की समस्याओं को राजनीतिक दलों के चुनावी एजेंडे में उचित स्थान मिलना चाहिए, ताकि इन मुद्दों के समाधान के लिए ठोस नीतिगत पहल हो सके। अराधना मिश्रा ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को सुना और जनहित से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। निखिल सिंघल ने कहा कि एनएचआरएफ लगातार दलगत राजनीति से ऊपर उठकर नोएडा के निवासियों के अधिकारों और समस्याओं को प्रशासन एवं विभिन्न राजनीतिक दलों के समक्ष उठा रहा है। संगठन का प्रयास है कि नोएडा के नागरिक मुद्दों का स्थायी समाधान सुनिश्चित हो।

नोएडा में पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह का फेरबदल, छह निरीक्षक और उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र बदले

अनप्लग इंडिया

नोएडा। गौतमबुद्धनगर की पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने कानून-व्यवस्था को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से बड़ा कदम उठाया है। प्रशासनिक आवश्यकताओं और जनहित को देखते हुए पुलिस विभाग में छह निरीक्षक और उपनिरीक्षकों के कार्यक्षेत्र में बदलाव किया गया है। फेरबदल के बाद सभी अधिकारियों को अपनी नई जिम्मेदारी जल्द से जल्द संभालने के निर्देश दिए गए हैं। जारी आदेश के अनुसार, निरीक्षक सर्वेश चंद्र को थाना एएचटीयू से स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्हें अब थाना सेक्टर-63 का प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। इसके



अलावा, निरीक्षक देवेंद्र शंकर पांडेय को सेंट्रल नोएडा की आईटी सेल से हटाकर नई जिम्मेदारी दी गई है। उन्हें थाना सेक्टर-49 का प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया है। अवधेश प्रताप सिंह और राम प्रसाद के नए कार्यक्षेत्र इस प्रशासनिक फेरबदल में अन्य अधिकारियों के भी तबादले किए गए हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार, निरीक्षक अवधेश प्रताप सिंह को चुनाव सेल के साथ-साथ सूरजपुर कचहरी स्थित न्यायालय सुरक्षा का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। वहीं दूसरी ओर, थाना सेक्टर-49 के प्रभारी निरीक्षक राम प्रसाद को वहां से हटाकर थाना एएचटीयू भेज दिया गया है। सुभाष चंद्र और मनोज कुमार की तैनातीइसी तरह की प्रशासनिक कार्रवाई में थाना फेस-3 के प्रभारी निरीक्षक सुभाष चंद्र को सेंट्रल नोएडा की आईटी सेल में तैनात किया गया है। इसके साथ ही, उपनिरीक्षक मनोज कुमार को एक नई जिम्मेदारी मिली है। उपनिरीक्षक मनोज कुमार पहले थाना बिसरख की सेक्टर-3 नूमेड (एस्टर) चौकी के प्रभारी थे, और अब उन्हें थाना फेस-3 का थानाध्यक्ष बनाया गया है।

चलती गाड़ी की सनरूफ से बाहर निकलकर मचाया उत्पाद, केस दर्ज

अनप्लग इंडिया

गुरुग्राम। सेक्टर-5 इलाके में शुक्रवार रात एक कार में सवार युवकों द्वारा सड़क पर हुड़दंग मचाने और एक परिवार के साथ बदसलूकी करने का मामला सामने आया है। सेक्टर-5 थाना पुलिस ने पीड़ित परिवार की शिकायत पर प्राथमिकी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।शिकायतकर्ता बिट्टू कटारिया ने पुलिस को बताया कि शुक्रवार रात करीब आठ बजे एक कार में सवार युवक तेज आवाज में गाने बजाकर लापरवाही से गाड़ी चला रहे थे। वे सड़क पर चल रहे अन्य वाहनों को डराने का प्रयास कर रहे थे। इसी दौरान गाड़ी में सवार एक युवक सनरूफ से बाहर निकलकर बैठ गया और स्टंटबाजी करने लगा, जिससे राहगीरों और दुकानदारों में दहशत फैल गई। पीड़ित के मुताबिक, उसी समय उनके छोटे भाई कुलताज के रिश्तेदार वहां पहुंचे, जिनकी गाड़ी में एक महिला और दो छोटे बच्चे सवार थे। हुड़दंग कर रहे युवकों ने अपनी कार उनके पास लाकर रोकी और महिला व बच्चों के साथ बेहद अभद्र व्यवहार और बदतमीजी की। युवकों की इस हरकत को देखकर जब पीड़ित परिवार के लोग लाठियां लेकर बाहर निकले, तब आरोपी डरकर गाड़ी सहित मौके से भाग गए। यह पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है। फुटेज में क्रेटा गाड़ी का नंबर और हुड़दंग कर रहे लड़कों के चेहरे पूरी तरह साफ नजर आ रहे हैं। पुलिस प्रवक्ता संदीप ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज को कब्जे में ले लिया गया है और आरोपियों की पहचान कर उनकी गिरफ्तारी के लिए तलाश तेज कर दी गई है।

संपादकीय

मध्यप्रदेश : गौरव से आगे, जनकल्याण की कसौटी तक

1 नवंबर मध्यप्रदेश के इतिहास की महत्वपूर्ण तिथि है। वर्ष 1956 को इसी तिथि में राज्यों के पुनर्गठन के साथ मध्यप्रदेश अस्तित्व में आया। 1 नवंबर 2000 को छत्तीसगढ़ के पृथक होने के बाद इसका वर्तमान स्वरूप बना। स्थापना दिवस केवल उत्सव का अवसर नहीं, बल्कि प्रदेश की विकास यात्रा, उपलब्धियों, स्मरण और शेष चुनौतियों के आकलन का समय भी है।

भारत के मध्यभाग में स्थित मध्यप्रदेश देश क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का दूसरा सबसे बड़ा राज्य है। इसकी सीमाएँ उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, गुजरात और राजस्थान से मिलती हैं। केंद्रीय भौगोलिक स्थिति



इसे सड़क, रेल, व्यापार और अंतरराज्यीय संपर्क की दृष्टि से महत्वपूर्ण बनाती है। नर्मदा घाटी, विंध्य और सतपुड़ा पर्वत श्रेणियाँ तथा चंबल, मालवा, बुंदेलखंड, बघेलखंड और महाकौशल जैसे भौगोलिक-सांस्कृतिक क्षेत्र प्रदेश की विविधता को दर्शाते हैं।

देश के हृदय में मध्यप्रदेश अपनी ऐतिहासिक विरासत, सांस्कृतिक विविधता, वन संपदा और कृषि क्षमता के लिए विशिष्ट पहचान रखता है। सांची, खजुराहो और भीमबेटका जैसे विश्वविख्यात धरोहर स्थल, उज्जैन की धार्मिक परंपरा। नर्मदा, क्षिप्रा, चंबल ताप्ती, सोन, वैनगंगा सहित प्रमुख नदियाँ इसकी पहचान को समृद्ध बनाती हैं। गोंड, बैगा, भील और अन्य जनजातीय समुदायों की संस्कृति भी प्रदेश की अमूल्य विरासत है। इस धरोहर का संरक्षण और स्थानीय समुदायों की भागीदारी के साथ पर्यटन का विकास हमारी प्राथमिकता होनी चाहिए।

मध्यप्रदेश वन्यजीव संरक्षण और जैव विविधता के लिए देश में विशिष्ट स्थान रखता है। कान्हा, बांधवगढ़, पेंच, पन्ना, सतपुड़ा, माधव, वन विहार, संजय, कूनो और अन्य राष्ट्रीय उद्यान प्रदेश की प्राकृतिक संपदा के महत्वपूर्ण केंद्र हैं। चीता व जंगली भैंसा पुनर्स्थापना, बाघ संरक्षण, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास। पारिस्थितिक संतुलन की दृष्टि से इनका विशेष महत्व है। ये उद्यान प्रकृति पर्यटन और स्थानीय रोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराते हैं। कृषि प्रदेश की अर्थव्यवस्था का प्रमुख आधार है। धान, गेहूँ, सोयाबीन, दलहन और तिलहन के उत्पादन के साथ किसानों को उचित मूल्य। भंडारण, प्रसंस्करण और बाजार की बेहतर सुविधाएँ देना आवश्यक है। उद्योग, पर्यटन, लघु उद्यम और सेवा क्षेत्र में निवेश बढ़ाकर रोजगार के स्थायी अवसर तैयार किए जा सकते हैं। इसके लिए युवाओं को रोजगारपरक कौशल और उद्यमिता के अवसर उपलब्ध कराने होंगे।

विकास की दूसरी बड़ी कसौटी शिक्षा, स्वास्थ्य और क्षेत्रीय संतुलन है। महानगरों के साथ ग्रामीण एवं जनजातीय अंचलों में भी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ उपचार, पेयजल, सड़क और संचार सुविधाएँ सुनिश्चित होनी चाहिए। बालाघाट जैसे जिलों में कृषि, वनोपज, खनिज और पर्यटन की संभावनाओं का उपयोग स्थानीय आजीविका तथा पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखकर किया जा सकता है।

दुनिया भर के युवाओं में क्यों बढ़ रहा असंतोष?



महेन्द्र तिवारी
साहित्यकार एवं लेखक
पूर्व वायुसैनिक, नई दिल्ली

दुनिया तेजी से बदल रही है। विज्ञान, तकनीक, शिक्षा और संचार के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हो रही है। बड़े-बड़े उद्योग स्थापित हो रहे हैं और अर्थव्यवस्थाओं के विकास के दावे किए जा रहे हैं। इसके बावजूद दुनिया के अनेक देशों में युवा पीढ़ी अपने भविष्य को लेकर चिंतित है। रोजगार की कमी, महँगाई, महँगा आवास, शिक्षा का बढ़ता खर्च और आर्थिक असुरक्षा ने युवाओं के सामने गंभीर चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं। यही कारण है कि उनकी चिंताएँ अब व्यक्तिगत परेशानी तक सीमित नहीं रह गई हैं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय मुद्दा बनती जा रही हैं।

हाल के दिनों में जर्मनी और फ्रांस सहित यूरोप के कई देशों में युवाओं के नेतृत्व में हुए प्रदर्शनों ने इस समस्या को दुनिया के सामने रखा है। इन आंदोलनों में युवाओं ने बेहतर शिक्षा, रोजगार के अवसर, किफायती आवास और जीवनयापन की बढ़ती लागत से राहत देने की माँग की है। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि आर्थिक विकास के आँकड़े और आम नागरिकों के जीवन की वास्तविक परिस्थितियाँ हमेशा एक जैसी नहीं होतीं।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की अगस्त 2026 में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2025 में दुनिया के युवाओं की बेरोजगारी दर बढ़कर 12.4 प्रतिशत हो गई। लगभग 6.7 करोड़ युवा बेरोजगार थे। रिपोर्ट यह भी बताती है कि विकसित अर्थव्यवस्थाओं में युवाओं के लिए रोजगार प्राप्त करना पहले की तुलना में कठिन हुआ है। उत्तरी अमेरिका में युवा बेरोजगारी की दर वर्ष 2023 के 8.3 प्रतिशत से बढ़कर 2025 में 9.8 प्रतिशत हो गई। उत्तरी, दक्षिणी और पश्चिमी यूरोप में यह दर लगभग 15 प्रतिशत रही।

इन आँकड़ों का अर्थ केवल इतना नहीं है कि युवाओं को नौकरी नहीं मिल रही है। इसके पीछे एक बड़ी समस्या रोजगार की गुणवत्ता भी है। अनेक युवा अपनी योग्यता के अनुरूप काम पाने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कुछ को अस्थायी रोजगार मिलता है, जबकि दूसरे कम वेतन पर काम करने को विवश हैं। नौकरी मिलने के बाद भी यह निश्चित नहीं होता कि उनकी आय नियमित रहेगी और भविष्य सुरक्षित होगा।

जब शिक्षा पूरी करने के बाद भी आर्थिक स्वतंत्रता प्राप्त करना कठिन हो जाता है, तो युवाओं में निराशा बढ़ना स्वाभाविक है।

युवाओं की आर्थिक चिंताओं का दूसरा बड़ा कारण जीवनयापन की बढ़ती लागत है। भोजन, परिवहन, बिजली, स्वास्थ्य सेवाओं और आवास पर होने वाला खर्च लगातार उनके बजट को प्रभावित करता है। विशेष रूप से बड़े शहरों में किराये की ऊँची दरों के कारण कम आय वाले युवाओं के लिए स्वतंत्र रूप से रहना कठिन होता जा रहा है।

यूरोप में हाल के प्रदर्शनों के दौरान आवास और महँगाई का मुद्दा प्रमुखता से उठा। जब किसी युवा की आय का बड़ा हिस्सा केवल किराया और आवश्यक वस्तुओं पर खर्च हो जाता है, तो बचत करना, परिवार शुरू करना अथवा अपने भविष्य के लिए निवेश करना कठिन हो जाता है।

यह समस्या केवल यूरोप तक सीमित नहीं है। भारत सहित अनेक विकासशील देशों के बड़े शहरों में भी युवाओं को शिक्षा, रोजगार और आवास के बीच संतुलन बनाने के लिए संघर्ष करना पड़ता है। आर्थिक स्वतंत्रता का सपना तब अधूरा रह जाता है, जब नियमित आमदनी के बावजूद बुनियादी जरूरतें पूरी करना चुनौती बन जाए।

31 अक्टूबर 2026 को जर्मनी के 34 शहरों में युवाओं के नेतृत्व में प्रदर्शन हुए। प्रदर्शनकारियों ने शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं में निवेश बढ़ाने, जीवनयापन की लागत कम करने तथा अनिवार्य सैन्य सेवा का विरोध करने जैसी माँगें उठाईं। अधिकांश प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहे, हालाँकि कुछ स्थानों पर हिंसा और तोड़फोड़ की घटनाएँ भी हुईं।

फ्रांस में भी युवाओं और अन्य सामाजिक समूहों ने शिक्षा व्यवस्था,



सार्वजनिक सेवाओं, महँगाई और रोजगार की समस्याओं को लेकर विरोध जताया। इन आंदोलनों में एक साझा भावना दिखाई देती है। युवाओं को लगता है कि उनकी समस्याओं को पर्याप्त गंभीरता से नहीं सुना जा रहा है और नीतियाँ बनाते समय उनकी आवश्यकताओं को अपेक्षित महत्व नहीं दिया जाता। इन घटनाओं को केवल कानून-व्यवस्था की समस्या मानकर नहीं देखा जाना चाहिए। शांतिपूर्ण विरोध लोकतंत्र में अपनी बात रखने का एक माध्यम है। सरकारों को हिंसा रोकने के साथ उन आर्थिक और सामाजिक कारणों पर भी विचार करना चाहिए, जिनसे असंतोष पैदा हो रहा है।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता और स्वचालन ने रोजगार की दुनिया में नए अवसर पैदा किए हैं, लेकिन इनके कारण कुछ पारंपरिक नौकरियों के स्वरूप में भी बदलाव आ रहा है। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन की रिपोर्ट के अनुसार, 15 से 29 वर्ष की आयु के युवाओं द्वारा किए जाने वाले लगभग 6.1 प्रतिशत रोजगार ऐसे क्षेत्रों में हैं, जिन पर कृत्रिम बुद्धिमत्ता से जुड़े बदलावों का अधिक प्रभाव पड़ सकता है।

इसका अर्थ यह नहीं है कि इन सभी नौकरियों का अंत हो जाएगा। बल्कि अनेक कार्यों की प्रकृति बदल सकती है और नए कौशलों की आवश्यकता बढ़ सकती है। समस्या तब पैदा होती है, जब शिक्षा और प्रशिक्षण व्यवस्था इस परिवर्तन के अनुरूप स्वयं को समय पर नहीं ढाल पाती।

इसलिए युवाओं को केवल प्रमाणपत्र देने के बजाय व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी दक्षता, रचनात्मक सोच और समस्या समाधान की क्षमता विकसित करने पर जोर देना चाहिए। साथ ही, काम कर रहे लोगों के लिए भी नए कौशल सीखने के अवसर उपलब्ध होने चाहिए।

भारत की युवा आबादी देश की सबसे बड़ी संभावनाओं में से एक है। लेकिन इस संभावना को वास्तविक शक्ति में बदलने के लिए पर्याप्त और सम्मानजनक रोजगार उपलब्ध कराना आवश्यक है। शिक्षा प्राप्त युवाओं की आकांक्षाएँ बढ़ रही हैं। वे आर्थिक स्वतंत्रता, सुरक्षित भविष्य और अपनी योग्यता के अनुसार आगे बढ़ने के अवसर चाहते हैं।

यदि आर्थिक विकास के साथ गुणवत्तापूर्ण रोजगार नहीं बढ़ते, तो युवाओं की अपेक्षाओं और वास्तविक अवसरों के बीच दूरी बनी रह सकती है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार के अवसरों का अभाव, महिलाओं के लिए काम की सीमित उपलब्धता और असंगठित क्षेत्र में सामाजिक सुरक्षा की कमी भी गंभीर प्रश्न हैं।

सरकारों को उद्योगों के विस्तार, छोटे कारोबार को प्रोत्साहन, कौशल विकास और रोजगारपरक शिक्षा पर ध्यान देना चाहिए। साथ ही, युवाओं को अपने विचार व्यक्त करने और नीतिगत चर्चाओं में भाग लेने के अवसर मिलने चाहिए।

युवाओं की आर्थिक चिंताओं का समाधान बहुआयामी प्रयासों से ही संभव है। सरकारों को रोजगार सृजन के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और सामाजिक सुरक्षा पर पर्याप्त निवेश करना होगा। उद्योगों को भी ऐसे कार्यस्थल विकसित करने चाहिए, जहाँ उचित वेतन, सुरक्षित वातावरण और आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध हों।

इसके साथ ही, युवाओं की समस्याओं को समझने के लिए उनसे नियमित संवाद आवश्यक है। उनकी शिकायतों को केवल असंतोष या अनुशासनहीनता मानकर खारिज करना उचित नहीं होगा। लोकतांत्रिक व्यवस्था की मजबूती इसी में है कि वह नई पीढ़ी की आकांक्षाओं को समझे और उन्हें नीतियों में स्थान दे।

युवाओं की आर्थिक चिंताएँ वास्तव में समाज और शासन के सामने खड़ा एक बड़ा प्रश्न हैं। यदि आज उनकी शिक्षा, रोजगार और भविष्य की सुरक्षा पर गंभीरता से ध्यान नहीं दिया गया, तो इसका प्रभाव आने वाले वर्षों की सामाजिक स्थिरता और आर्थिक प्रगति पर पड़ सकता है। दुनिया के देशों को यह समझना होगा कि युवा केवल भविष्य के नागरिक नहीं, बल्कि वर्तमान के सक्रिय भागीदार भी हैं। उनके सपनों को अवसरों में बदलना ही समावेशी विकास की वास्तविक कसौटी है।

सिनेमा समाज को संवारे या सोच बिगाड़े

-डॉ. सत्यवान सौरभ-

भारतीय सिनेमा केवल मनोरंजन का साधन नहीं, बल्कि समाज की सोच, संवेदनाओं, मान्यताओं और व्यवहार को प्रभावित करने वाली एक सशक्त सांस्कृतिक शक्ति है। भारत जैसे बहुभाषी, बहुधार्मिक और विविधतापूर्ण देश में सिनेमा सामाजिक चेतना के निर्माण, सांस्कृतिक पहचान को मजबूत करने और जनमत को दिशा देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। पर्दे पर दिखाई जाने वाली कहानियाँ कभी समाज की रूढ़ियों को चुनौती देती हैं, तो कभी अनजाने में उन्हीं रूढ़ियों को मजबूत भी करती हैं। इसलिए सिनेमा का मूल्यांकन केवल उसकी लोकप्रियता या व्यावसायिक सफलता के आधार पर नहीं, बल्कि समाज पर पड़ने वाले उसके व्यापक प्रभावों के आधार पर किया जाना चाहिए।

सिनेमा की सबसे बड़ी सकारात्मक भूमिका सामाजिक समस्याओं को जनचर्चा का विषय बनाना है। समाज में अनेक ऐसी समस्याएँ मौजूद रहती हैं, जिन्हें लोग व्यक्तिगत अनुभव के रूप में तो देखते हैं, लेकिन उनके व्यापक सामाजिक स्वरूप को समझ नहीं पाते। फिल्में इन समस्याओं को मानवीय कहानियों के माध्यम से सामने लाकर लोगों को सोचने के लिए प्रेरित करती हैं। आमिर खान की फिल्म तारे ज़मीन पर ने बच्चों में डिस्लेक्सिया जैसी सीखने संबंधी कठिनाइयों के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाने में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। इसने शिक्षा व्यवस्था को यह संदेश दिया कि प्रत्येक बच्चा अलग क्षमता और सीखने की शैली रखता है। बच्चों की तुलना करने के बजाय उनकी विशिष्ट प्रतिभाओं को पहचानना आवश्यक है। इसी प्रकार, पैडमैन ने मासिक धर्म स्वच्छता जैसे विषय पर सामाजिक चुप्पी तोड़ने और जागरूकता बढ़ाने में भूमिका निभाई।

महिलाओं की गरिमा, समानता और अधिकारों के संदर्भ में भी भारतीय सिनेमा ने उल्लेखनीय हस्तक्षेप किया है। फिल्म पिंक ने सहमति के प्रश्न को केंद्र में रखकर स्पष्ट किया कि किसी महिला का पहनावा, उसका सामाजिक व्यवहार अथवा किसी स्थान पर उसकी उपस्थिति उसकी सहमति का विकल्प नहीं हो सकती। इसी तरह थप्पड़ ने घरेलू हिंसा और वैवाहिक संबंधों में सम्मान के महत्त्व पर प्रश्न उठाए। ऐसी फिल्में उन सामाजिक धारणाओं को चुनौती देती हैं, जिनमें परिवार की प्रतिष्ठा के नाम पर महिलाओं से अन्याय सहने की अपेक्षा की जाती है। हालाँकि किसी फिल्म से सामाजिक परिवर्तन अपने आप नहीं आता, लेकिन वह परिवर्तन के लिए आवश्यक वैचारिक जमीन अवश्य तैयार कर सकती है। जातिगत भेदभाव और सामाजिक असमानता के विरुद्ध चेतना जगाने में भी सिनेमा की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। अनुभव सिन्हा की आर्टिकल 15 ने जातिगत भेदभाव, सामाजिक वंचना और संस्थागत असमानताओं को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। इसने दर्शकों को यह समझने का अवसर दिया कि संवैधानिक समानता के बावजूद सामाजिक व्यवहार में भेदभाव की चुनौतियाँ बनी रह सकती हैं। जब फिल्मों में वंचित समुदायों के संघर्ष, आकांक्षाओं और अनुभवों को स्थान मिलता है, तब समाज के उन वर्गों की आवाज भी व्यापक दर्शक समुदाय तक पहुँचती है, जिन्हें प्रायः मुख्यधारा की चर्चाओं में पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं मिलता। राष्ट्रीय एकता और सामूहिक पहचान को मजबूत करने में भी सिनेमा प्रभावी माध्यम है। चक दे! इंडिया ने विविध क्षेत्रीय और सांस्कृतिक पृष्ठभूमियों से आने वाली महिला खिलाड़ियों की टीम के माध्यम से सहयोग, अनुशासन और राष्ट्रीय गौरव का संदेश दिया। वहीं रंग दे बसंती ने युवाओं को नागरिक जिम्मेदारी, भ्रष्टाचार और लोकतांत्रिक भागीदारी जैसे प्रश्नों पर विचार करने के लिए प्रेरित किया। ऐसी कहानियाँ बताती हैं कि राष्ट्रप्रेम केवल नारों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने और सार्वजनिक जीवन में जिम्मेदारी निभाने से भी प्रकट होता है। क्षेत्रीय सिनेमा भी इस दिशा में महत्त्वपूर्ण है। कांतारा ने तटीय कर्नाटक की स्थानीय परंपराओं, लोकविश्वासों और प्रकृति से जुड़े सांस्कृतिक संबंधों को व्यापक दर्शक वर्ग तक पहुँचाया। इससे क्षेत्रीय भाषाओं और लोकसंस्कृतियों के प्रति रुचि बढ़ सकती है। लेकिन सिनेमा का दूसरा पक्ष भी उतना ही गंभीर है। मनोरंजन और व्यावसायिक सफलता की होड़ में कुछ फिल्में सामाजिक पूर्वाग्रहों को चुनौती देने के बजाय उन्हें दोहराती हैं। जाति, धर्म, क्षेत्र और समुदायों को एकांगी रूप में दिखाने से दर्शकों के मन में गलत धारणाएँ मजबूत हो सकती हैं। किसी पूरे समुदाय को अपराध, हिंसा या पिछड़ेपन से जोड़कर प्रस्तुत करना सामाजिक अविश्वास बढ़ा सकता है। विशेष रूप से संवेदनशील धार्मिक और राजनीतिक विषयों पर एकतरफा चित्रण सामाजिक ध्रुवीकरण को बढ़ावा दे सकता है। हालाँकि विवादास्पद विषयों को दिखाना अपने आप में अनुचित नहीं है, लेकिन ऐतिहासिक तथ्यों, सामाजिक संदर्भों और मानवीय जटिलताओं की उपेक्षा गंभीर समस्या बन सकती है। हिंसा का महिमामंडन भी चिंता का विषय है। जब फिल्मों में बदला लेने, हथियारों के इस्तेमाल, कानून को अपने हाथ में लेने और आक्रामक व्यवहार को बार-बार वीरता के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, तो कुछ दर्शकों में हिंसा के प्रति संवेदनशीलता कम होने का जोखिम पैदा हो सकता है। विशेषकर किशोर दर्शक पात्रों की नकल करने या उनके व्यवहार को आदर्श मानने की कोशिश कर सकते हैं। इसका अर्थ यह नहीं है कि हिंसक दृश्य देखने वाला प्रत्येक व्यक्ति हिंसक बन जाता है, बल्कि यह है कि लगातार दोहराए जाने वाले संदेश सामाजिक व्यवहार और धारणाओं को प्रभावित कर सकते हैं। महिलाओं के चित्रण में वस्तुकरण और रूढ़िबद्ध भूमिकाएँ भी सामाजिक ताने-बाने को कमजोर करती हैं। कई प्रस्तुतियों में महिला पात्रों को स्वतंत्र विचारों वाली व्यक्तियों के बजाय पुरुष नायक की सफलता, आकर्षण या मनोरंजन का साधन बना दिया जाता है। पीछा करने, बार-बार मना करने के बावजूद दबाव डालने और ईर्ष्या को प्रेम का प्रमाण बताने जैसी प्रवृत्तियाँ प्रेम और सहमति की स्वस्थ समझ को नुकसान पहुँचा सकती हैं। इसके साथ ही, विलासितापूर्ण जीवनशैली, महँगी वस्तुओं और त्वरित सफलता को जीवन की सर्वोच्च उपलब्धि के रूप में दिखाना उपभोक्तावाद तथा अवास्तविक अपेक्षाओं को बढ़ा सकता है। इससे युवाओं में सामाजिक तुलना, आर्थिक दबाव और दिखावे की प्रवृत्ति बढ़ने की आशंका रहती है।

आलू से सोना बनाने के दावे पर मोदी का तंज, बनासकांठा के किसानों ने मेहनत और तकनीक से सच कर दिखाया कृषि समृद्धि का सपना

-कांतिलाल मांडोत-

गुजरात के बनासकांठा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी का नाम लिए बिना आलू से सोना बनाने वाले पुराने बयान पर ऐसा राजनीतिक तंज कसा, जिसने एक बार फिर खेती, किसान और राजनीतिक दावों की चर्चा को केंद्र में ला दिया। प्रधानमंत्री ने कहा कि बनासकांठा का आलू आज दुनियाभर में प्रसिद्ध है। यहां आकर कोई किसान से यह नहीं कहता कि आलू से सोना बनाएंगे, क्योंकि यहां के किसान पहले से ही आलू से सोना बना रहे हैं। मोदी के इस बयान का सीधा संकेत उस राजनीतिक टिप्पणी की ओर था, जिसमें आलू से सोना बनाने की बात कहकर किसानों को लेकर किए गए दावों पर सवाल उठे थे। प्रधानमंत्री ने अपने अंदाज में यह संदेश दिया कि किसानों की मेहनत, आधुनिक तकनीक, बेहतर उत्पादन और बाजार से जुड़ाव ही खेती को समृद्धि में बदलने की वास्तविक ताकत है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिवसीय गुजरात दौरे पर शुक्रवार को बनासकांठा पहुंचे। यहां आयोजित विशाल जनसभा में उन्होंने किसानों, पशुपालकों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषयों पर अपनी बात रखी। कार्यक्रम की एक विशेष बात यह भी रही कि किसानों के बैठने के लिए कुर्सियों के स्थान पर चारपाइयों की व्यवस्था की गई थी। प्रधानमंत्री ने इस पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि देश के दूसरे हिस्सों के लोगों के लिए यह दृश्य किसी अजूबे से कम नहीं होगा कि एक बड़ी जनसभा में सभी लोग चारपाइयों पर बैठे हैं। बनासकांठा के लोगों ने गांवों की पुरानी परंपरा को जीवित रखा है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि यदि गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड के प्रतिनिधियों को बुलाया गया होता तो यह आयोजन रिकॉर्ड में दर्ज हो सकता था। इस टिप्पणी के माध्यम से उन्होंने ग्रामीण संस्कृति और परंपराओं के प्रति सम्मान भी व्यक्त किया।

इस कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त जारी की। इसके अंतर्गत देश के 9.34 करोड़ से अधिक किसान परिवारों को 18,690 करोड़ रुपये से अधिक की आर्थिक सहायता उपलब्ध कराने की घोषणा की गई। गुजरात के 50 लाख से अधिक किसानों को भी इसका लाभ मिलने की बात कही गई। प्रधानमंत्री ने 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इसके अतिरिक्त दो नई रेल सेवाओं को हरी झंडी दिखाई। कृषि, पशुपालन, डेयरी, ग्रामीण आधारभूत सुविधाओं और परिवहन के क्षेत्र में इन परियोजनाओं को महत्वपूर्ण बताया गया।

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में बनासकांठा के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि लगभग 25 वर्ष पहले इस क्षेत्र में बिजली और पानी की गंभीर समस्याएं थीं। उस समय लोगों को पानी और बिजली बचाने की बात समझाना भी आसान नहीं था। जब वे लोगों से संसाधनों के संरक्षण की अपील करते थे तो विरोध का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि उस समय भी वे लोगों को समझाते रहे और आज परिस्थितियों में बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है। हालांकि विकास के साथ जिम्मेदारी भी बढ़ती है। इसलिए उन्होंने एक बार फिर किसानों और आम नागरिकों से पानी तथा बिजली बचाने का आह्वान किया। उनका कहना था कि आने वाली पीढ़ियों के लिए प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना सभी का दायित्व है।

खेती को लाभकारी बनाने के लिए प्रधानमंत्री ने केवल फसल उत्पादन पर निर्भर रहने के बजाय कृषि के साथ पशुपालन, जैविक खाद और ऊर्जा उत्पादन को जोड़ने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि किसान गोबर और खेती के अवशेषों से भी अतिरिक्त आमदनी प्राप्त कर सकते हैं। इसके लिए बायोगैस, बायो सीएनजी और जैविक खाद तैयार करने का आधारभूत ढांचा विकसित किया जा रहा है। थराद और राधनपुर में दो बायो सीएनजी संयंत्रों का शिलान्यास इसी दिशा में उठाया गया कदम है। इससे किसानों के लिए खेती के साथ आय के नए अवसर तैयार हो सकते हैं। कृषि अवशेषों का उपयोग होने से पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छ ऊर्जा को भी बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री ने पशुपालन और डेयरी क्षेत्र में विज्ञान तथा आधुनिक तकनीक के बढ़ते उपयोग का उल्लेख किया। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय गोकुल मिशन के माध्यम से देशी नस्लों का संरक्षण और संवर्धन किया जा रहा है। बनासकांठा में स्थापित भारत बोवाइन ब्रीडिंग एंड रिसर्च सेंटर इस दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यहां मुर्रा और जाफराबादी जैसी उन्नत नस्लों के संरक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि किसी किसान के पास अच्छी नस्ल की गाय है, जो अधिक दूध देती है और कम खर्च में स्वस्थ रहती है, तो वह चाहता है कि आने वाली पीढ़ियों में भी ये गुण बने रहें। आईवीएफ तकनीक इस उद्देश्य को पूरा करने में मददगार साबित हो सकती है। इससे पशुपालकों की उत्पादकता और आमदनी बढ़ाने का रास्ता खुलेगा।

पशुओं के स्वास्थ्य को लेकर भी सरकार की योजनाओं का उल्लेख करते हुए मोदी ने कहा कि मुफ्त टीकाकरण अभियान के अंतर्गत अब तक करीब 150 करोड़ टीके लगाए जा चुके हैं। आठ करोड़ से अधिक किसानों के पशुओं को मुफ्त टीकाकरण का लाभ मिला है। इससे पशुपालकों का खर्च कम हुआ है और पशुओं को बीमारियों से बचाने में सहायता मिली है। उन्होंने दूध उत्पादन में हुई वृद्धि का उल्लेख करते हुए बताया कि वर्ष 2013-14 में एक गाय या भैंस से औसतन पांच लीटर से भी कम दूध प्राप्त होता था, जबकि अब यह बढ़कर लगभग आठ लीटर तक पहुंच गया है। भारत आज विश्व में दूध उत्पादन के क्षेत्र में अग्रणी है। मोदी ने कृषि क्षेत्र में बजट और सरकारी सहायता में हुई वृद्धि का भी उल्लेख किया। उनके अनुसार वर्ष 2013-14 की तुलना में कृषि बजट लगभग पांच गुना हो चुका है। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के माध्यम से अब तक छोटे किसानों के खातों में बड़ी राशि पहुंचाई गई है। उन्होंने कहा कि देश में 85 प्रतिशत से अधिक किसान छोटे और सीमांत वर्ग से आते हैं। लंबे समय तक उनकी आर्थिक जरूरतों को पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया, लेकिन वर्तमान सरकार ने सीधे बैंक खातों में सहायता पहुंचाने की व्यवस्था की है। वैश्विक परिस्थितियों के कारण खाद की कीमतों में वृद्धि होने के बावजूद किसानों पर इसका पूरा बोझ नहीं पड़ने दिया गया। सरकार ने किसानों को सस्ती खाद उपलब्ध कराने के लिए लगभग 16 लाख करोड़ रुपये खर्च किए हैं।

प्रधानमंत्री ने आधुनिक खेती के लिए मृदा स्वास्थ्य कार्ड, उन्नत बीज और कृषि अवसंरचना को भी जरूरी बताया। उन्होंने कहा कि देश के किसानों को करीब तीन हजार नई बीज किस्में उपलब्ध कराई गई हैं। 26 करोड़ से अधिक मृदा स्वास्थ्य कार्ड के माध्यम से किसानों को अपने खेतों की मिट्टी की जरूरत समझने में मदद मिली है। कृषि अवसंरचना कोष के तहत पूरी हो चुकी 521 परियोजनाएं भी राष्ट्र को समर्पित की गईं। इन पर करीब 4950 करोड़ रुपये खर्च हुए हैं। इनमें शीतगृह, गोदाम, साइलो, पॉलीहाउस, ग्रीनहाउस और कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण से जुड़ी सुविधाएं शामिल हैं। इन व्यवस्थाओं से किसानों को अपनी उपज सुरक्षित रखने और बेहतर बाजार मूल्य प्राप्त करने में मदद मिल सकती है।

प्रधानमंत्री ने मछली पालन और मधुमक्खी पालन में भी बढ़ते अवसरों का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत का समुद्री खाद्य निर्यात पिछले वर्षों में दोगुना हुआ है। मधुमक्खी पालन के माध्यम से शहद उत्पादन में भी उल्लेखनीय वृद्धि हुई है और भारत प्राकृतिक शहद के बड़े निर्यातक देशों में शामिल हो चुका है। इससे स्पष्ट है कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए खेती के साथ अनेक सहायक गतिविधियों को बढ़ावा देना आवश्यक है।

इस दौरे का राजनीतिक और विकासात्मक महत्व इसलिए भी है कि प्रधानमंत्री ने गुजरात में जनसेवा के 25 वर्ष पूरे होने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 को मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के बाद गुजरात की जनता ने उन्हें सेवा का अवसर दिया। सामान्य परिवार से निकलकर पहले गुजरात और फिर देश की जिम्मेदारी मिलने को उन्होंने जनता का विश्वास बताया। उन्होंने कहा कि गुजरात के लोगों से उन्होंने सीखा कि जनसेवा को राष्ट्रसेवा में कैसे बदला जा सकता है। बनासकांठा से उनका पुराना जुड़ाव भी रहा है। मुख्यमंत्री बनने के बाद उनका पहला सार्वजनिक कार्यक्रम इसी क्षेत्र में हुआ था।

प्रधानमंत्री का बनासकांठा दौरा केवल राजनीतिक भाषण तक सीमित नहीं रहा। इसमें कृषि विकास, पशुपालन, डेयरी उद्योग, आधुनिक तकनीक, ग्रामीण आधारभूत सुविधाओं और किसानों की आर्थिक मजबूती का व्यापक संदेश दिखाई दिया। आलू से सोना बनाने वाली टिप्पणी के माध्यम से उन्होंने राजनीतिक वादों और वास्तविक मेहनत के बीच अंतर को रेखांकित किया।

नशा, संवेदना और बचपन

स्वामी विवेकानंद ने कहा था हमें ऐसी शिक्षा चाहिए जो चरित्र का निर्माण करे, मन का बल बढ़ाए और मनुष्य को अपने पैरों पर खड़ा कर दे, नशा शिक्षा, चरित्र और आत्मबल तीनों का सबसे बड़ा शत्रु है। मानव जीवन की सबसे बड़ी पूंजी उसकी संवेदना और बचपन की मासूमियत है। संवेदना मनुष्य को मनुष्य बनाती है और बचपन उसके व्यक्तित्व की नींव रखता है। किंतु आज नशीले पदार्थों का बढ़ता जाल इन दोनों पर सबसे कड़ा प्रहार कर रहा है। नशा केवल शरीर को नहीं, बल्कि विवेक, करुणा, परिवार, शिक्षा, संस्कृति और भविष्य को भी नष्ट कर देता है। जिस आयु में बच्चों के हाथों में पुस्तकें और सपने होने चाहिए, वहाँ यदि नशे का जहर पहुँच जाए तो आने वाला पूरा जीवन अंधकारमय हो जाता है। भारत में पिछले कुछ वर्षों में ड्रग्स, सिंथेटिक नशे, हेरोइन, चरस, गांजा, अफीम तथा नशीली गोलियों का प्रसार चिंताजनक रूप से बढ़ा है। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय तथा विभिन्न सरकारी सर्वेक्षणों के अनुसार देश में करोड़ों लोग किसी न किसी प्रकार के मादक पदार्थों का सेवन करते हैं। 2019 के राष्ट्रीय सर्वेक्षण के अनुसार लगभग 16 करोड़ लोग शराब, 3 करोड़ से अधिक लोग भांग या गांजा तथा लगभग 2.3 करोड़ लोग ओपिओइड (अफीम, हेरोइन आदि) का सेवन करते पाए गए। इनमें बड़ी संख्या 10 से 17 वर्ष और 18 से 25 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं की है। सबसे अधिक प्रभावित राज्यों में पंजाब, मणिपुर, मिजोरम, नागालैंड, अरुणाचल प्रदेश, राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, महाराष्ट्र तथा गोवा प्रमुख हैं। पंजाब में हेरोइन और सिंथेटिक ड्रग्स का गंभीर संकट लंबे समय से चिंता का विषय है। पूर्वोत्तर के राज

संक्षिप्त समाचार

नूंह में गोतस्कर और सीआईए के बीच मुठभेड़, पुलिस की जवाबी फायरिंग में तस्कर घायल



अनप्लग इंडिया

नूंह। हरियाणा के नूंह से बड़ी खबर सामने आई है। सदर थाना क्षेत्र के घासेड़ा गांव में सीआईए नूंह और गोतस्कर के बीच मुठभेड़ हो गई। जानकारी के अनुसार तस्कर ने पुलिस टीम पर फायर कर दिया। इसके बाद पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की, जिसमें तस्कर के पैर में गोली लग गई। आरोपी की पहचान दिलशाद उर्फ दिल्ला निवासी सुडाका के रूप में हुई है। मौके से पुलिस ने 3 गोवंश, एक देसी कट्टा और एक कारतूस बरामद किया है। घायल तस्कर को शहीद हसन खां नल्हड़ मेडिकल कॉलेज नूंह में भर्ती कराया गया है। यह पूरी कार्रवाई सीआईए इंचार्ज निरीक्षक विनोद कुमार के नेतृत्व में हुई। इससे पहले 17 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के बलिया में भी पुलिस ने एक शातिर गोतस्कर को मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किया था। उस मुठभेड़ में भी अपराधी घायल हो गया था और उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था।

बलिया में थाना गड़वार में दर्ज एक गोहत्या के मामले में वांछित आरोपी के साथ पुलिस की मुठभेड़ हुई थी। बलिया सीओ सतीश कुमार ने बताया था कि आरोपी शाहपुर नट बस्ती नहर पुलिया के पास खुद को घिरता देख पुलिस पर फायरिंग करने लगा था। पुलिस ने आत्मरक्षार्थ जवाबी फायरिंग की, जिसमें बदमाश सगुनी नट के बाएं पैर में गोली लगी थी।

पुलिस ने घायल तस्कर को सीएचसी रतसड़ में प्राथमिक उपचार के लिए भेजा था। पूछताछ में पता चला था कि आरोपी अपने साथियों के साथ आवारा गोवंशीय पशुओं को वाहन में लादकर वध के लिए बिहार ले जाता था। आरोपी के पास से तमंचा और कारतूस बरामद हुआ था।

23 सितंबर को भी एक ऐसी ही मुठभेड़ हुई थी। उत्तर प्रदेश के जनपद गोंडा में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद तीन गोतस्करों को गिरफ्तार किया था। इस कार्रवाई में एक आरोपी के पैर में गोली लगी थी, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पुलिस ने आरोपियों के पास से तमंचा, कारतूस और चाकू समेत एक मोटरसाइकिल बरामद की थी।

गीता मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित



अनप्लग इंडिया

तरावड़ी। गीता मॉडर्न सीनियर सेकेंडरी स्कूल तरावड़ी में राष्ट्रीय एकता दिवस लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं हरियाणा दिवस को लेकर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने सरदार पटेल के बचपन, बारडोली सत्याग्रह, 562 रियासतों के एकीकरण और उनके लौह संकल्प पर सारगर्भित भाषण दिए। हरियाणा दिवस के पूर्व अवसर पर विद्यालय में चार सदनों के मध्य हरियाणा की संस्कृति, इतिहास, लोकगीत, साहित्य और हरियाणवी विभूतियों पर आधारित प्रश्नोत्तरी का आयोजन हुआ। इस प्रतियोगिता में विद्यालय के चार सदनों रानी लक्ष्मीबाई सदन, छत्रपति शिवाजी सदन, महाराणा प्रताप सदन, भगत सिंह सदन ने भाग लिया। इस रोचक मुकाबले में रानी लक्ष्मीबाई सदन विजेता रहा। सभी विजेता विद्यार्थियों को ट्रॉफी एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्या रागनी राय ने कहा सरदार वल्लभभाई पटेल ने हमें सिखाया कि अनेकता में ही एकता हमारी शक्ति है। उन्होंने बिखरे हुए भारत को एक सूत्र में पिरोया। वहीं हरियाणा वीरों और किसानों की धरती है। हमारे बच्चों को अपने देश और अपने प्रदेश दोनों पर गर्व होना चाहिए। आज के बच्चों में जो ज्ञान और जोश मैंने देखा है, वह इस बात का प्रमाण है कि हमारे स्कूल का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने विजेता सदन को बधाई दी। प्रबंधक बालकृष्ण त्रिपाठी ने कहा मैं सभी प्रतिभागियों और विजेता रानी लक्ष्मीबाई सदन को हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ। ऐसे आयोजन केवल प्रतियोगिता नहीं, संस्कार हैं। सरदार पटेल का जीवन हमें कर्तव्यनिष्ठा सिखाता है और हरियाणा दिवस हमें अपनी जड़ों से जोड़ता है। गीता मॉडर्न स्कूल शिक्षा के साथ-साथ संस्कृति और राष्ट्रप्रेम को भी आगे बढ़ाता रहेगा। अंत में सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों को हरियाणा दिवस और राष्ट्रीय एकता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ दी और राष्ट्र की एकता की शपथ दिलाई गई।

लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के तहत फरीदाबाद के बीके चौक पर भाजपा कार्यकर्ताओं का उमड़ा विशाल जनसैलाब

सोहना। लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियान के अंतर्गत फरीदाबाद के बीके चौक पर आयोजित कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं का भारी जनसमूह उमड़ा। इस अवसर पर गुरुग्राम महानगर भाजपा की जिला टीम ने संगठनात्मक एकजुटता का परिचय देते हुए अपनी-अपनी टीमों के साथ सैकड़ों कार्यकर्ताओं को लेकर फरीदाबाद पहुंचकर कार्यक्रम में भागीदारी की। भाजपा कार्यकर्ताओं ने बीके चौक पर आयोजित पैदल पथ यात्रा में उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पार्टी की नीतियों, विचारधारा और संगठनात्मक प्रतिबद्धता का परिचय दिया।

इस कार्यक्रम में भारत सरकार के पूर्व शिक्षा मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री धर्मेंद्र प्रधान, केंद्रीय मंत्री श्री राव इंद्रजीत सिंह, केंद्रीय मंत्री श्री कृष्णपाल गुर्जर, हरियाणा सरकार के कैबिनेट मंत्री श्री राव नरबीर सिंह, हरियाणा सरकार के मंत्री श्री गौरव गौतम सहित अनेक वरिष्ठ नेताओं की गरिमामयी उपस्थिति रही। इनके साथ विधायक श्री तेजपाल तंवर, पूर्व विधायक श्री प्रवीण डागर, श्री मूलचंद शर्मा तथा श्री सतीश फागणा सहित अनेक जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों ने भी कार्यक्रम में सहभागिता की। गुरुग्राम महानगर भाजपा के जिला अध्यक्ष श्री अजीत सिंह यादव के नेतृत्व में जिले की पूरी संगठनात्मक टीम ने इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाई। जिला महामंत्री श्री प्रदीप सैनी, मंडल अध्यक्ष श्री मनोज सहजावास, श्री सौरभ सिंगला, श्री नरेंद्र अधाना, जिला मीडिया प्रभारी श्री नरेश सैनी, श्री जितेंद्र सैनी, श्री जीतू सैनी, श्री सतवीर सैनी, श्री सुनील सैनी, श्री डॉक्टर गुलाब, जिला उपाध्यक्ष श्री मेहरचंद गांधी एवं श्री जगदीश अंबावता, जिला सचिव श्रीमती पूजा राघव एवं श्री पंकज शर्मा, जिला कोषाध्यक्ष श्री सुरेश प्रधान, मंडल अध्यक्ष श्री शिवम गर्ग, तावडू मंडल अध्यक्ष श्री छतर सिंह, श्री देवेंद्र प्रधान, श्रीमती रीमा चौहान मानेसर की उपमहापौर सहित जिले के अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता अपनी-अपनी टीमों के साथ कार्यक्रम में शामिल हुए। गुरुग्राम महानगर के विभिन्न मंडलों, मोर्चों एवं विभागों से पहुंचे कार्यकर्ताओं ने बीके चौक पर आयोजित पैदल पथ यात्रा में एक साथ कदम मिलाकर संगठन के प्रति अपनी निष्ठा और सक्रियता प्रदर्शित की। सैकड़ों कार्यकर्ताओं की सहभागिता ने यह स्पष्ट किया कि गुरुग्राम महानगर भाजपा का संगठन प्रत्येक अभियान और कार्यक्रम में पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपनी भूमिका निभाने के लिए तत्पर है। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति ने कार्यकर्ताओं में नया उत्साह और ऊर्जा का संचार किया। भाजपा पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों, संगठन की एकजुटता तथा जनहित के मुद्दों को लेकर अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

हरियाणा ने 60 वर्षों में प्रगति का लंबा सफर तय किया, अब देश का पहला विकसित राज्य बनाने का संकल्प : नायब सिंह सैनी

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि हरियाणा ने अपने गठन के 60 वर्षों में प्रगति का लंबा सफर तय किया है। वर्तमान प्रदेश सरकार ने हरियाणा को देश का पहला विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया है, इसी ध्येय के साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत-2047 के विजन को साकार करने में हरियाणा अग्रणी भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री रविवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हीरक जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। समारोह में हरियाणा के राज्यपाल प्रो असीम कुमार घोष की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति का गीता की पावन धरती पर स्वागत एवं अभिनंदन करते हुए कहा कि उनका इस ऐतिहासिक समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होना प्रदेशवासियों के लिए गर्व और गौरव का विषय है।

मुख्यमंत्री ने राष्ट्रपति की जीवन यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि ओडिशा के मयूरभंज जिले के छोटे से गांव उपरबेड़ा से देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंचने का उनका सफर भारतीय लोकतंत्र की शक्ति और संविधान की गरिमा का प्रतीक है। उनकी यह प्रेरणादायी यात्रा देश की प्रत्येक बेटी, गरीब परिवार और आदिवासी समाज के लिए उम्मीद, आत्मविश्वास और आगे बढ़ने की प्रेरणा है।



गीता की धरती कुरुक्षेत्र से मिलता है कर्तव्य और लोक कल्याण का संदेश

मुख्यमंत्री ने कहा कि कुरुक्षेत्र केवल एक शहर नहीं, बल्कि भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक चेतना का केंद्र है। इसी पावन भूमि पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता के माध्यम से कर्तव्य, साहस और लोक कल्याण का दिव्य संदेश दिया था। उन्होंने राष्ट्रपति की वर्ष 2022 में अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव के अवसर पर कुरुक्षेत्र यात्रा का स्मरण करते हुए कहा कि उस समय राष्ट्रपति ने गीता को मानवता के लिए आध्यात्मिक प्रकाश और जीवन को दिशा देने वाला महान ग्रंथ बताया था। आज उनकी पुनः उपस्थिति इस पावन भूमि के लिए विशेष गौरव का अवसर है।

किसानों, जवानों, खिलाड़ियों और मातृशक्ति के परिश्रम से बनी हरियाणा की पहचान

मुख्यमंत्री ने कहा कि 1 नवंबर, 1966 को हरियाणा का गठन हुआ था। उस समय प्रदेश को पिछड़े क्षेत्र के रूप में देखा जाता था, लेकिन आज हरियाणा देश के अग्रणी और तेजी से विकास करने वाले राज्यों में शामिल है। यह उपलब्धि प्रदेश के किसानों, मजदूरों, उद्योगपतियों, व्यापारियों, खिलाड़ियों और माताओं-बहनों के अथक परिश्रम का परिणाम है।

उन्होंने कहा कि हरियाणा की पहचान मेहनती किसान, बहादुर जवान, धाकड़ खिलाड़ी और सशक्त नारी से है। प्रदेश की बेटियां आज खेतों से लेकर खेल के मैदानों तक, सेना से लेकर स्टार्टअप तक प्रत्येक क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं और प्रदेश का गौरव बढ़ा रही हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा के किसानों ने देश के अन्न भंडार भरने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। वहीं, पशुपालकों ने दुग्ध उत्पादन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देकर 'देशां में देश हरियाणा, जित दूध-दही का खाणा' की कहावत को सार्थक किया है। प्रदेश के जवानों ने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए हमेशा अदम्य साहस और बलिदान का परिचय दिया है।

उन्होंने कहा कि खेलों के क्षेत्र में भी हरियाणा ने अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। राष्ट्रमंडल खेलों में प्रदेश के खिलाड़ियों ने 11 पदक और एशियाई खेलों में 32 पदक जीतकर देश का गौरव बढ़ाया है। जब भी अंतरराष्ट्रीय मंच पर तिरंगा ऊंचा लहराता है, उसमें हरियाणा की मिट्टी की मेहनत और प्रतिभा की महक होती है।

क्षेत्रफल में छोटा, लेकिन आर्थिक योगदान और औद्योगिक सामर्थ्य में बड़ा है हरियाणा

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा क्षेत्रफल की दृष्टि से देश का छोटा राज्य है, लेकिन आर्थिक सामर्थ्य और उपलब्धियों के मामले में इसकी पहचान बहुत बड़ी है। देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल में हरियाणा की हिस्सेदारी मात्र 1.34 प्रतिशत है, जबकि देश की लगभग में प्रदेश का योगदान लगभग 3.6 प्रतिशत है। बड़े राज्यों में हरियाणा की प्रति व्यक्ति आय सर्वाधिक है। उन्होंने कहा कि देश में बनने वाली प्रत्येक तीन में से दो पैसेंजर कारों का उत्पादन हरियाणा में होता है। देश का हर दूसरा ट्रैक्टर और प्रत्येक 10 में से छह मोटरसाइकिलें भी हरियाणा में बनती हैं। इसी प्रकार, भारत के बासमती चावल के निर्यात में हरियाणा का योगदान 60 प्रतिशत से अधिक है। यह उपलब्धियां दर्शाती हैं कि औद्योगिक उत्पादन से लेकर कृषि निर्यात तक हरियाणा देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नवाचार और जनकल्याणकारी पहलों के क्रियान्वयन में भी हरियाणा ने देश में अग्रणी भूमिका निभाई है। हरियाणा देश का पहला राज्य है, जहां सभी फसलों की खरीद न्यूनतम समर्थन मूल्य पर की जा रही है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शक्तिपीठ मां भद्रकाली मंदिर, कुरुक्षेत्र में देशवासियों की सुख, शांति और समृद्धि के लिए की विधिवत पूजा-अर्चना

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा कि शक्तिपीठ मां भद्रकाली के दरबार में आकर उन्हें असीम शांति और ऊर्जा की अनुभूति हुई है। यह स्थान हमारी सनातन संस्कृति और आस्था का महान केंद्र है। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने रविवार को विश्व प्रसिद्ध शक्तिपीठ मां भद्रकाली मंदिर कुरुक्षेत्र में देशवासियों की सुख, शांति, समृद्धि और कल्याण के लिए विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का कुरुक्षेत्र पहुंचने पर हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर असीम कुमार घोष, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और शक्तिपीठ के पीठाध्यक्ष पंडित सतपाल शर्मा ने मंदिर परिसर में पुष्पगुच्छ भेंट कर आत्मीय स्वागत किया। राष्ट्रपति ने सबसे पहले मंदिर परिसर में स्थित प्राचीन देवी कूप पर विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की। उन्होंने परंपरा के अनुसार पूजा की और मंदिर की परिक्रमा भी की। इसके उपरांत राष्ट्रपति गर्भगृह में पहुंचीं, जहां उन्होंने मां भद्रकाली की विधिवत पूजा, आरती और मंत्रोच्चारण के साथ प्रार्थना की।



उन्होंने माता को पंचामृत, पंचमेवा, नारियल और चुनरी का प्रसाद अर्पित किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के द्वारा वैदिक मंत्रों के बीच मंदिर के पुजारियों ने देश की मंगलकामना के लिए विशेष पूजा संपन्न कराई। पूजा के दौरान पूरा मंदिर परिसर जय माता दी के जयघोष से गूंज उठा।

पूजा-अर्चना के उपरांत राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को पीठाध्यक्ष पंडित सतपाल शर्मा ने शक्ति का प्रतीक त्रिशूल, माता की प्रतिमा और चुनरी भेंट स्वरूप प्रदान की। उन्होंने माता का आशीर्वाद और प्रसाद भी राष्ट्रपति को दिया और शक्तिपीठ की महिमा और इतिहास के बारे में विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह मंदिर 51 शक्तिपीठों में से एक है, जहां माता सती के दाएं घुटने का निपात हुआ था। यहां माता आशीर्वाद रूप में विराजमान हैं और इस स्थान के दर्शन मात्र से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। महाभारत काल में पांडवों ने युद्ध से पूर्व यहां विजय की कामना के लिए पूजा की थी।

नितिन नवीन का राहुल गांधी पर निशाना, कहा- 'जनता के मत से बनी सरकार का कोई बाल भी बांका नहीं कर सकता'

अनप्लग इंडिया

रोहतक। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को हरियाणा के रोहतक में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ अराजकता हटाओ' पद यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने लोगों को संबोधित करते हुए कांग्रेस पर जमकर निशाना साधा है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा, 'इस पदयात्रा में आपने जो एक-एक पग बढ़ाया है, वह देश के लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए बढ़ाया है। आज हम लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए, जनादेश के सम्मान के साथ पदयात्रा निकाल रहे हैं। लोग पूछते हैं कि दिल्ली से लेकर ज्यादातर राज्यों में आपकी सरकार है, तो लोकतंत्र बचाने की जरूरत क्यों पड़ी? जब ऐसा विपक्ष हो, जो जनादेश का अपमान करता हो, तब जनता के साथ सड़कों पर लोकतंत्र की आवाज बनकर उन्हें चुनौती देने का काम एनडीए का कार्यकर्ता करता है।' उन्होंने कहा कि 1 नवंबर 1984 में हमारे सिख भाइयों के साथ जो गंदा खेल खेला गया, जो कत्लेआम हुआ, कांग्रेस को उसका प्रायश्चित करना चाहिए था, माफी मांगनी चाहिए थी लेकिन आज ये रैली करने निकले हैं।



मैं पूछता हूं कि राहुल गांधी, जब सिख भाइयों का कत्लेआम हुआ था, तब आपके पिताजी ने कहा था कि जब बड़ा पेड़ गिरता है, तो धरती कांपती है। धरती के कांपने से हमारे कितने सिख भाइयों का जीवन समाप्त हो गया, उसका पछतावा आपको होना चाहिए था, माफी मांगनी चाहिए थी लेकिन आप तो प्रदर्शन करने निकले हैं। '

नितिन नवीन ने कहा, 'आज संविधान की प्रति लेकर घूमते हैं लेकिन संविधान को तार-तार भी इसी कांग्रेस पार्टी ने किया है। इंदिरा गांधी ने सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके गलत तरीके से चुनाव जीता, तब इलाहाबाद हाईकोर्ट ने इंदिरा गांधी के चुनाव को निरस्त करके उन्हें 6 साल के लिए चुनाव न लड़ने का आदेश दिया था। सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग करके चुनाव कौन जीता था? यह पूरी तरह से कांग्रेस की विरासत है, जो वोट चोरी भी करती है और जनता के मत का भी अपमान करती है। '

नितिन नवीन ने आगे कहा, 'उनको (राहुल गांधी) देश की 140 करोड़ जनता पर विश्वास नहीं है, उन्हें 3 करोड़ घुसपैठियों पर विश्वास है। राहुल गांधी, आपकी मंशा क्या है? लोकतंत्र में सबसे बड़ा मत होता है, जनता का मत और जनता ने जब-जब मत दिया है, आप हारे हैं।

कर्नाटक की राज्यपाल डॉ. सुधा यादव का ससुराल गांव धामलावास में हुआ भव्य स्वागत, कारगिल शहीद पति को दी श्रद्धांजलि

अनप्लग इंडिया

रेवाड़ी। कर्नाटक की नवनियुक्त राज्यपाल डा. सुधा यादव रविवार को राज्यपाल बनने के बाद पहली बार अपने ससुराल गांव धामलावास (रेवाड़ी) पहुंचीं। गांव आगमन पर क्षेत्रवासियों ने फूल-मालाओं के साथ अत्यंत भव्य एवं भावपूर्ण स्वागत किया।

इस अवसर पर राज्यपाल डॉ. सुधा यादव ने विशेष रूप से हरियाणा दिवस और कर्नाटक राज्योत्सव (स्थापना दिवस) की सभी को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि यह एक सुखद और अद्भुत संयोग है कि आज ही के दिन उनके गृह राज्य हरियाणा और कर्म राज्य कर्नाटक दोनों का स्थापना दिवस है। उन्होंने दोनों प्रांतों की निरंतर प्रगति और नागरिकों की खुशहाली की कामना की।

इस भावुक क्षण में राज्यपाल ने अपने पति एवं प्रथम कारगिल शहीद डिप्टी कमांडेंट सुखबीर सिंह यादव के समाधि स्थल पर जाकर पुष्पांजलि अर्पित की और उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। उन्होंने ग्रामीणों के स्नेह और सहयोग को



अपनी असली ताकत बताया। जिला प्रशासन की ओर से राज्यपाल के आगमन पर उन्हें 'गार्ड ऑफ ऑनर' भी दिया गया।

ऐतिहासिक घटनाक्रम को किया याद-समारोह को संबोधित करते हुए राज्यपाल ने 26 मई 1999 के उस घटनाक्रम को याद किया, जिसने उनके जीवन की दिशा बदल दी थी। उन्होंने कहा, 'परिस्थितियां चाहे जैसी भी रही हों, लेकिन क्षेत्र के लोगों ने हमेशा मेरा भरपूर साथ दिया है। एक अध्यापिका से लेकर राज्यपाल के इस सफर में सभी का सहयोग, आशीर्वाद और विश्वास ही मेरी सबसे बड़ी पूंजी रही है। '

डॉ. सुधा यादव ने देश की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वह कर्नाटक के राज्यपाल के रूप में अपने संवैधानिक कर्तव्यों का पूरी निष्ठा, मेहनत और जिम्मेदारी के साथ पालन करेंगी। उन्होंने हरियाणा और विशेषकर क्षेत्रवासियों को कर्नाटक आने का आमंत्रण भी दिया, ताकि लोग वहां की समृद्ध शिक्षा व्यवस्था, संस्कृति और ऐतिहासिक विरासत से रूबरू हो सकें।

गणमान्य जन रहे उपस्थित

इस गरिमामयी अवसर पर डीसी अभिषेक मीणा, एसपी हेमेंद्र मीणा, एसडीएम दलबीर सिंह, भाजपा के राष्ट्रीय मीडिया सह-संयोजक सिद्धार्थ यादव, वीर कुमार यादव, निशांत यादव, सरपंच मंजू देवी, सुभाष यादव, एडवोकेट रवि यादव , कृष्ण पाल चेयरमैन, गजेंद्र यादव, रामअवतार और भूपेंद्र गुप्ता सहित बड़ी संख्या में प्रशासनिक अधिकारी, गणमान्य व्यक्ति एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का हरियाणा आगमन, राज्यपाल व मुख्यमंत्री ने पुष्पगुच्छ भेंट कर किया स्वागत



अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू शनिवार देर सायं हरियाणा पहुंचीं। अंबाला एयरबेस पर पहुंचने पर हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष व मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का पुष्पगुच्छ भेंट कर गर्मजोशी से स्वागत एवं अभिनंदन किया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के हरियाणा आगमन को लेकर प्रदेश में विशेष उत्साह है। राष्ट्रपति एक नवंबर को कुरुक्षेत्र में हरियाणा राज्य के गठन के 60 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'हीरक जयंती' समारोह में शामिल होंगी। इसके साथ ही वे गुरुकुल कुरुक्षेत्र में स्वामी श्रद्धानंद जी के बलिदान की शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित वार्षिक समारोह में भी शामिल होंगी।

विकसित हरियाणा ही विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है : राज्यपाल

अनप्लग इंडिया

चंडीगढ़। हरियाणा के राज्यपाल प्रो. असीम कुमार घोष ने हरियाणा के गठन के 60 वर्ष पूरे होने पर प्रदेशवासियों को बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि छह दशकों की यह यात्रा केवल एक नए राज्य के निर्माण और विकास की कहानी नहीं है, बल्कि संघर्ष, श्रम, आत्मसम्मान, कर्तव्यनिष्ठा और सामूहिक संकल्प की ऐसी गाथा है, जिसने प्रदेश को राष्ट्रीय पटल पर विशिष्ट पहचान दिलाई है। हरियाणा की असली ताकत यहां की मिट्टी से जुड़े वे जीवन मूल्य हैं, जो किसान के परिश्रम, सैनिक के साहस और खिलाड़ी के अनुशासन में दिखाई देते हैं। राज्यपाल रविवार को कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय, कुरुक्षेत्र में हरियाणा दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित हीरक जयंती समारोह को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी भी उपस्थित रहे। उन्होंने इस ऐतिहासिक अवसर पर प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दीं तथा समारोह की गरिमा बढ़ाने के लिए राष्ट्रपति के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी और उनकी टीम के प्रयासों की सराहना की।



कुरुक्षेत्र की धरती का संदेश आज भी प्रासंगिक

प्रो. असीम कुमार घोष ने हरियाणा की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत का उल्लेख करते हुए कहा कि इसी पावन भूमि पर भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को श्रीमद्भगवद्गीता का उपदेश दिया था। गीता में निहित निष्काम कर्म, कर्तव्य और धर्म का संदेश आज भी मानव जीवन को दिशा देने की क्षमता रखता है। हरियाणा के सामाजिक चरित्र में भी इसी कर्मप्रधान दर्शन की झलक दिखाई देती है। यहां का किसान बिना थके खेतों में परिश्रम करता है, सैनिक निस्वार्थ भाव से राष्ट्र की सीमाओं की रक्षा करता है और खिलाड़ी अपने अनुशासन एवं समर्पण से देश का गौरव बढ़ाता है। ये सभी हरियाणा की उस जीवंत परंपरा के प्रतीक हैं, जिसमें कर्म को सर्वोच्च स्थान दिया गया है। उन्होंने कहा कि हरियाणा ने कृषि प्रधान राज्य के रूप में भारत की हरित क्रांति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। आज यह राज्य कृषि, उद्योग, शिक्षा, प्रौद्योगिकी और खेल के क्षेत्र में अग्रणी है। गुरुग्राम की गगनचुंबी इमारतों से लेकर गांवों के अखाड़ों तक, हरियाणा ने यह साबित किया है कि परंपरा और आधुनिकता साथ-साथ चल सकती हैं। राज्यपाल ने कहा कि जब भारत वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तो हरियाणा को भी निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रहना चाहिए। वर्ष 1966 की प्रति व्यक्ति आय की तुलना में वर्ष 2025-26 में हरियाणा की प्रति व्यक्ति आय लगभग 3,95,618 रुपये होने का अनुमान है, जो राज्य की शानदार समावेशी प्रगति को दर्शाता है।

विश्वविद्यालयों को ज्ञान के साथ चरित्र निर्माण का भी केंद्र बनना होगा

राज्यपाल ने युवाओं और शिक्षण संस्थानों की भूमिका पर विशेष बल देते हुए कहा कि युवा हमारी सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे पूरी लगन के साथ अपने सपनों को साकार करने के लिए प्रयास करें, नवाचार को अपनाएं और ईमानदारी से समाज की सेवा करें। कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय जैसे शिक्षण संस्थानों की विशेष जिम्मेदारी है। उन्हें न केवल कुशल पेशेवर तैयार करने चाहिए, बल्कि हमारी संस्कृति और मूल्यों से जुड़े जिम्मेदार नागरिकों का निर्माण भी करना चाहिए।

विकसित हरियाणा ही विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है

प्रो. असीम कुमार घोष ने कहा कि विकसित हरियाणा ही विकसित भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जिस प्रकार मानव शरीर के प्रत्येक अंग का स्वस्थ और सशक्त होना पूरे शरीर के लिए आवश्यक है, उसी प्रकार देश के प्रत्येक राज्य का विकसित होना संपूर्ण भारत की प्रगति के लिए जरूरी है।

संक्षिप्त डायरी

सिपाही पर फायरिंग के आरोपी के घर चल रही थी मिनी गन फैक्ट्री, बाप-बेटे समेत दो गिरफ्तार; मशीनें बरामद

अनप्लग इंडिया

वाराणसी वाराणसी में लंका पुलिस ने सामने घाट स्थित शिवाजी नगर कॉलोनी के एक मकान में चल रही अवैध मिनी गन फैक्ट्री का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पिता-पुत्र समेत दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मौके से भारी मात्रा में पिस्टल, कारतूस और अवैध हथियार बनाने वाली मशीनें बरामद हुई हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। कमिश्नरेट वाराणसी के थाना लंका क्षेत्र की पुलिस ने सामनेघाट के शिवाजी नगर कॉलोनी में छापा मारकर अवैध शस्त्र निर्माण रैकेट का भंडाफोड़ किया है। मिनी गन फैक्ट्री से भारी मात्रा में बने-अधबने हथियार, कारतूस और इन्हें तैयार करने वाले उपकरण बरामद किए गए हैं। पिता पुत्र समेत तीन आरोपियों को लंका पुलिस ने गिरफ्तार किया। पिता विमल कांत और बेटा अंजनी नंदन झा फैक्ट्री संचालित कर रहे थे। डीसीपी काशी गौरव बंशवाल ने बताया की थाना लंका पुलिस को पूर्व में हुई फायरिंग की घटनाओं के संबंध में असलहा तस्करों और उनके ठिकानों के बारे में गुप्त सूचना मिल रही थी। इसी कड़ी में प्रभारी निरीक्षक राजकुमार शर्मा द्वारा मुख्य आरोपी अंजनी नंदन झा के मोबाइल नंबर के सीडीआर का गहनता से अवलोकन किया। संदिग्ध नंबर की लोकेशन और बातचीत के आधार पर जब पुलिस ने कड़ाई से पूछताछ की, तो इस अवैध कारखाने का राज खुला। पुलिस टीम ने बताए गए ठिकाने–शिवाजी नगर कॉलोनी, सामने घाट, लंका स्थित एक मकान की दूसरी मंजिल पर छापा मारा। जांच के दौरान वहां अवैध असलहे बनाने और स्टोर करने का बड़ा जखीरा मिला। पूछताछ में सामने आया कि मुख्य आरोपी अंजनी नंदन झा और उसके साथी इस मकान में अवैध हथियारों का निर्माण कर शहर के विभिन्न हिस्सों में मोटी रकम पर बेचते थे। इस अवैध कारोबार में लालच में आकर आरोपी के पिता भी मदद करते थे। गिरफ्तार विमल कांत झा निवासी शिवाजी नगर कॉलोनी, सामने घाट, लंका, अमन कुमार मिश्रा निवासी अशोक पुरम कॉलोनी, डाफी, लंका और मूल निवासी देवरिया) है। भारी मात्रा में हथियार और निर्माण सामग्री जब्त की गई है। 3 देसी पिस्टल (.32 बोर), 65 जिंदा कारतूस (.32 बोर), 40 जिंदा कारतूस (.315 बोर), 30 जिंदा कारतूस (.45 बोर), अन्य 8 जिंदा कारतूस और 24 खोखा कारतूस। 19 अदद अर्धनिर्मित देसी तमंचे,15 अर्धनिर्मित और 5 अर्धनिर्मित मैगजीन। वेल्डिंग मशीनें (इनवर्टर व अन्य), हैंड ग्राइंडर, पिलर ड्रिल मशीन, डाई ग्राइंडर, हरें रंग की ड्रिल मशीन, वर्नियर कैलिपर, ब्यूटेन गैस सिलेंडर, एलपीजी ब्लो टॉर्च, ग्राइंडिंग व्हील, आरी, रेती, हथौड़े, पेचकस, ड्रिल बिट्स और लोहे के विभिन्न आकार के टुकड़े व पट्टियां शामिल है।

निशांत कुमार ने 2027 विधानसभा चुनाव लड़ने के दिए संकेत, पार्टी का संगठन करेंगे मजबूत

अनप्लग इंडिया

वाराणसी निशांत कुमार ने 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के जरिए प्रदेश की सियासत में उतरने के संकेत दिए हैं। मुगलसराय में उनके बयान के बाद राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। माना जा रहा है कि वह मुगलसराय विधानसभा सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। हालांकि, उनकी ओर से अभी उम्मीदवारी को लेकर कोई औपचारिक घोषणा नहीं की गई है। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मियां तेज होने लगी हैं। इसी बीच बिहार के स्वास्थ्य मंत्री निशांत कुमार के मुगलसराय पहुंचने से पूर्वांचल की राजनीति में नई चचाएं शुरू हो गई हैं। यहां मीडिया से बातचीत में उन्होंने उत्तर प्रदेश में अपनी पार्टी का संगठन मजबूत करने और आगामी विधानसभा चुनाव में उतरने की मंशा जाहिर की। उन्होंने एनडीए के घटक दल के रूप में यूपी में चुनाव लड़ने की इच्छा भी जताई। निशांत कुमार ने कहा कि उनकी पार्टी का संगठन केवल बिहार तक सीमित नहीं है, बल्कि देश के दूसरे हिस्सों और पूर्वोत्तर राज्यों में भी उसकी मौजूदगी है। वह मुगलसराय में स्थानीय कार्यकताओं से मुलाकात करने और संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश में भी पार्टी अपनी राजनीतिक जमीन मजबूत करने की दिशा में काम करेगी। इस दौरान उन्होंने कार्यकताओं से अपने पिता की विचारधारा और उनके सिद्धांतों को आगे बढ़ाने की अपील की। उन्होंने संगठन विस्तार के लिए कार्यकताओं के साथ लगातार संवाद और जमीनी स्तर पर सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया। आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर निशांत कुमार ने संकेत दिया कि उनकी पार्टी उत्तर प्रदेश में भी चुनाव लड़ने का प्रयास करेगी। इसके लिए एनडीए के घटक दल के रूप में चुनावी मैदान में उतरने की इच्छा जताई। उनके इस बयान के बाद पूर्वांचल की राजनीति में गठबंधन के संभावित समीकरणों को लेकर चचाएं तेज हो गई हैं। अब देखना होगा कि उत्तर प्रदेश में संगठन विस्तार की यह कवायद आगामी चुनाव में किस रूप में सामने आती है।

यूपी में निवेश बढ़ाएंगे, अगले 25 साल भारत के लिए निर्णायक; आईआईटियंस से बातचीत

अनप्लग इंडिया

वाराणसी आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि उन्हें उत्तर प्रदेश से लगाव है और यहां निवेश बढ़ाएंगे। अगले 25 साल भारत के लिए निर्णायक होंगे। आईआईटी के दीक्षांत समारोह में उन्हें डीएससी की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। इससे पहले 22 साल पूर्व उन्हें डी.लिट. की मानद उपाधि मिली थी। आईआईटी बीएचयू के 15वें दीक्षांत समारोह के मुख्य अतिथि आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला ने कहा कि हमारा यूपी से बहुत लगाव रहा है। प्रदेश में कई उद्योग चल रहे हैं। आगे भी यहां नए निवेश करने की योजना है। वर्तमान पीढ़ी के पास देश के विकास में सहयोग देने का बहुत बड़ा मौका आया है। वैसा मौका हमें या हमारी पूर्व पीढ़ी को कभी नहीं मिला। आने वाले 25 साल निर्णायक होंगे जो भारत की वैश्विक पहचान को बदल सकते हैं। आप तैयार हो जाएं, ऐसा कोई एल्गोरिद्म नहीं है जो आपकी मेहनत को विफल कर दे। डीएससी की मानद उपाधि मिली, 2004 में डीलिट की उपाधि मिली थी : आईआईटी बीएचयू में 22 साल के बाद दूसरी बार दीक्षांत में पहुंचे कुमार मंगलम बिड़ला को डॉक्टर ऑफ साइंस (डीएससी) की मानद उपाधि दी गई। इससे पहले उन्हें 2004 में बीएचयू ने डीलिट की उपाधि दी गई थी। मंच पर तेजस फाइटर के जनक और बोर्ड ऑफ गवर्नर के अध्यक्ष डॉ. कोटा हरिनारायण, बीएचयू के कुलपति प्रो. अजित कुमार चतुर्वेदी, आईआईटी बीएचयू के निदेशक प्रो. अमित कुमार पात्रा और पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ. महेंद्र पांडेय ने उन्हें सम्मानित किया। मिनट के भाषण में युवाओं को मिले कामयाबी के पांच मंत्र बीएचयू के स्वतंत्रता भवन सभागार में शनिवार को कुमार मंगलम ने 15 मिनट तक दीक्षांत भाषण में कहा कि कामयाबी पाने के लिए तैयारियां शुरू कर दें। रास्ते बन चुके हैं। उन्होंने पांच आसान मंत्र भी बताए। तकनीक, युवा आबादी, एआई, उद्यमिता और महत्वाकांक्षाएं कई बड़े मौके पैदा करेंगी जिसकी कल्पना पिछली पीढ़ियों ने नहीं की होंगी। कोई एल्गोरिद्म ऐसा नहीं है जो आपकी मेहनत को खराब कर दे। फिल्मी डायलॉग को जिंदगी के इर्द-गिर्द बताया : चेयरमैन ने मेडलिस्ट को समझाने के लिए फिल्मों के डायलॉग बोले। कहा, रिस्क है तो इश्क है, ह्यअपना टाइम आएगाह्न और ह्यजिंदगी बड़ी होनी चाहिए, लंबी नहींह्न। भले ही ये फिल्मी डायलॉग हों लेकिन कई सफल उद्यमियों की जिंदगी इसके इर्द-गिर्द रही है। इन्हें सफलता मिली क्योंकि इनके पास अपने फैसले खुद लेने का साहस था। जोखिम उठाए बिना कुछ बड़ा हासिल नहीं होगा। अरबपति लैरी फिंक की असफलता, अंत नहीं शुरूआत थी : चेयरमैन ने अमेरिकी अरबपति लैरी फिंक के कॅरिअर और ब्लैकरॉक कंपनी की स्थापना में आई व्यावसायिक असफलता का उदाहरण दिया। प्रोफेशन में आगे बढ़ने के लिए चुनौतियों को स्वीकार करें। असफलता अंत नहीं शुरूआत है। पूरे जीवन सीखना अब सिर्फ एक आकांक्षा नहीं, बल्कि सफलता और प्रासंगिक बने रहने की सबसे बड़ी जरूरत है। मौके आएं तो सिर्फ सुरक्षित रास्ता ही न खोजें : उन्होंने कहा कि एआई के दौर में अब काम करने के तरीकों में बड़ा बदलाव लाने वाला है।

दिल्ली-चेन्नई स्थित फर्जी फर्मों का बड़ा नेटवर्क, रद्द फर्मों से 12.18 करोड़ की कर चोरी

अनप्लग इंडिया

कानपुर । जीएसटी विभाग की विशेष अनुसंधान शाखा (एसआईबी) रेंज-डी ने डाटा विश्लेषण और छापेमारी के जरिए बोगस इनपुट टैक्स क्रेडिट के बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। जांच में सामने आया कि शहर की प्रमुख टैनरी व लेदर फर्मों ने दिल्ली और चेन्नई की 10 रद्द बोगस फर्मों के नेटवर्क के जरिए कुल 12.18 करोड़ रुपये की अवैध आईटीसी लेकर अपनी टैक्स देनदारी में समायोजित कर ली। कानपुर मेंराज्य वस्तु एवं सेवा कर (एसजीएसटी) की विशेष अनुसंधान शाखा ने बोगस इनपुट टैक्स क्रेडिट (आईटीसी) के एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ किया है। रैकेट में 27 करोड़ रुपये से अधिक की बोगस आईटीसी विभिन्न फर्मों को पासऑन की गई है। ये फर्में दिल्ली और चेन्नई में संचालित बताई जा रहीं थी। तीन करोड़ पांच लाख रुपये जमा कराए गए। एक



करोड़ 52 लाख की आईटीसी ब्लॉक कर दी गई है। मामले में कई सीए के नाम भी सामने आए हैं। जांच में पता चला कि खुद ही रद्द पंजीकरण वाली फर्मों के जरिये आईटीसी में गड़बड़ी की जा रही थी। अपर आयुक्त कुमार आनंद और संयुक्त आयुक्त सुशील कुमार गौतम के निर्देशन में उपायुक्त संतोष कुमार सिंह, सहायक आयुक्त सुभाष चंद्र और राज्य कर अधिकारी रमेश कुमार तिवारी की टीम ने जाजमऊ स्थित फर्म फराज एक्सपोर्ट के प्रतिष्ठान पर छापा मारा। वहां न तो कोई दस्तावेज मिला और न ही कोई स्टॉक। परिसर आशिफ इकबाल, नासिर इकबाल और राशिद इकबाल के नाम दर्ज था। सहमति पत्र भी फर्जी और बोगस पाया गया आशिफ इकबाल के पुत्र मोहम्मद अमान ने बताया कि इस फर्म द्वारा वर्ष 2017 के बाद से इस परिसर से कोई काम नहीं किया गया। फर्म के पंजीयन में प्रयुक्त सहमति पत्र भी फर्जी और बोगस पाया गया। इससे साफ हुआ कि फर्म फराज एक्सपोर्ट के मालिक मो. फराज वास्तविक व्यापार न करते हुए सिर्फ बोगस आईटीसी का रैकेट चला रहे थे। फर्म ने वित्त वर्ष 2024-25 में 29.34 लाख रुपये और 2025-26 में 29.53 लाख रुपये का रिफंड प्राप्त किया था। फर्म स्वामी के मोबाइल नंबर पर संपर्क किया गया, तो पता चला कि वो उमरा करने गए हैं। बोगस आईटीसी रद्द फर्मों के जरिये लिया जांच में पता चला कि मेसर्स ओवरसीज लेदर ने 77.24 लाख, ओवरसीज इंटरप्राइजेज ने तीन करोड़ 19 लाख, मेसर्स मेरिट एक्जिम ने एक करोड़ 24 लाख, मेसर्स पीस लेदर ने 84 लाख, मेसर्स अपोलो एक्जिम ने 52 लाख की बोगस आईटीसी रद्द फर्मों के जरिये लिया। वहीं, मेसर्स एसएच ने एक करोड़ 24 लाख, मेसर्स सैडल हैवन ने 77 लाख, मेसर्स फराज एक्सपोर्ट ने एक करोड़ 25 लाख, मेसर्स हॉक इंटरनेशनल ने दो करोड़ 36 लाख की बोगस आईटीसी का इस्तेमाल रद्द फर्मों के जरिये लिया और अपनी करदेयता में समायोजित कर लिया। चेन्नई और दिल्ली की 10 रद्द फर्मों के जरिये आईटीसी पासऑन की इन फर्मों ने रद्द हो चुकी फर्मों से कुल 12 करोड़ 18 लाख 24 हजार रुपये की बोगस आईटीसी ली थी। इन फर्मों (मेसर्स सीएस इंटरप्राइजेज, आलम इंटरप्राइजेज, ओवैस एक्जिम, विकास इंटरप्राइजेज, न्यू ऐरा क्रिएशन, जीएस साल्यूशन, एसए ट्रेडर, एसके ट्रेडर, आयुष, गौतम इंटरप्राइजेज, अल्पाइन, एएन ट्रेनर्स, गुडविल टेनरी, पीएस इंटरप्राइजेज, बाला जी इंटरप्राइजेज, आईटीआई इंटरप्राइजेज, केएम एग्रोफूड, स्वान टैनिंग इंटरप्राइजेज, अदीना इण्टरप्राइजेज, ओरियन इंटरप्राइजेज, अकीजा इंटरप्राइजेज) ने प्रदेश से बाहर चेन्नई और दिल्ली की 10 रद्द फर्मों के जरिये आईटीसी पासऑन की। सीए संस्थान में जांच के बाद शिकायत की जाएगी इसमें मुख्यता रद्द फर्म जेड आई एक्सिम, रक्शी इंटरप्राइजेज, आइकिज एक्जिम, अदीना इंटरप्राइजेज से कुल 27 करोड़ की बोगस आईटीसी विभिन्न फर्मों को पासऑन की गई है। सभी फर्में पंजीयन तिथि से खुद ही रद्द घोषित हैं। अपर आयुक्त और संयुक्त आयुक्त ने बताया कि विशेष अनुसंधान शाखा रेंज डी की ओर से पिछले कई महीनों से बोगस आईटीसी के लेनदेन के खेल में शामिल फर्मों की जांच डाटा विश्लेषण के जरिये की जा रही थी। जब छापा मारा गया, तो पूरे रैकेट का भंडाफोड़ हुआ। कुछ सीए के नाम भी सामने आ रहे हैं। इनके खिलाफ सीए संस्थान में जांच के बाद शिकायत की जाएगी।

चक्रवात अर्णब का असर कम, आज से साफ होगा आसमान, बनी रहेगी गुलाबी ठंड



अनप्लग इंडिया

कानपुर । मौसम विभाग के अनुसार, रविवार से आसमान साफ होने लगेगा। हालांकि, हिमालयी क्षेत्रों में हो रही बर्फबारी के कारण मैदानी इलाकों में सुबह और रात के समय गुलाबी ठंडक और हल्की धुंध का असर बना रहेगा। कानपुर में चक्रवात अर्णब और पश्चिमी विक्षोभ की हवाओं के टकराने की वजह से लगातार तीसरे शनिवार को घने बादल छाए रहे। स्थानीय स्तर पर कहीं-कहीं बूंदाबांदी भी हुई। दो दिनों में कुल बारिश 10.8 मिमी हुई है। मौसम विभाग का कहना है कि एक नवंबर से आसमान खुल जाएगा। लेकिन पश्चिमी विक्षोभ की वजह से हिमालय में हो रही बर्फबारी की वजह से मैदानी इलाकों में सुबह-शाम गुलाबी ठंडक बनी रहेगी। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विवि की मौसम वेधशाला के आंकड़ों के मुताबिक तीन दिनों से धूप शून्य रही। वेधशाला में एक भी सन शाइन ऑवर रिकॉर्ड नहीं किया। गुलाबी ठंड का असर लगातार बरकरार रहेगा 28 अक्तूबर को एक घंटे, दो मिनट धूप रिकॉर्ड की गई थी। उसके बाद धूप नहीं निकली। विवि के मौसम विभाग के नोडल एवं तकनीकी अधिकारी अजय मिश्रा ने क्रवात का असर अब धीरे-धीरे कम हो रहा है।

कंजड़नपुरवा में सर्च ऑपरेशन, ड्रोन से निगरानीङ्घपांच थानों की घेराबंदी, 11KG गांजा बरामद, तीन गिरफ्तार

अनप्लग इंडिया

कानपुर । किदवई नगर स्थित कंजड़नपुरवा में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री पर शिकंजा कसने के लिए रविवार तड़के पुलिस ने बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया। पुलिस आयुक्त के निर्देशन और डीसीपी दक्षिण के नेतृत्व में 135 पुलिसकर्मियों की पांच टीमों ने सुबह पांच बजे पूरे मोहल्ले को घेरकर ड्रोन कैमरों से निगरानी की। इस दौरान भागने का प्रयास कर रहे तीन तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 11 किलो गांजा बरामद किया गया। कानपुर में किदवई नगर के कंजड़नपुरवा में मादक पदार्थों की अवैध बिक्री की सूचनाओं पर रविवार तड़के पुलिस ने बड़ा सर्च ऑपरेशन चलाया। करीब 135 पुलिसकर्मियों की टीम ने पूरे मोहल्ले की घेराबंदी कर पांच अलग-अलग टीमों में तलाशी अभियान चलाया। सुबह पांच बजे



शुरू हुई कार्रवाई के दौरान ड्रोन कैमरे से भी इलाके की निगरानी की गई। पुलिस ने भागने की कोशिश कर रहे लोगों को घेराबंदी कर पकड़ा। अब तक तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 11 किलो गांजा बरामद किया गया है। पुलिस आयुक्त के निर्देशन में डीसीपी दक्षिण के नेतृत्व और एसीपी घाटमपुर के पर्यवेक्षण में यह संयुक्त अभियान चलाया गया। इसमें किदवई नगर, बाबूपुरवा, जूही और गोविंद नगर थानों की पुलिस शामिल रही। पांच टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी पुलिस को लगातार सूचना मिल रही थी कि कंजड़नपुरवा में मादक पदार्थों की बिक्री हो रही है। यहां बाहरी क्षेत्रों से भी लोग गांजा खरीदने पहुंचते हैं। इसी के बाद रविवार सुबह करीब पांच बजे भारी पुलिस बल ने एक साथ मोहल्ले में प्रवेश किया और चप्पे-चप्पे की तलाशी शुरू की। पांच टीमों ने अलग-अलग स्थानों पर दबिश दी। अचानक बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को देखकर इलाके में अफरातफरी मच गई। कुछ लोगों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस की घेराबंदी के चलते वे बच नहीं सके। कार्रवाई में सागर, अरमान और एक महिला को गिरफ्तार किया गया है।पुलिस की अन्य टीमें भी इलाके में तलाशी अभियान चला रही हैं। मादक पदार्थों की बरामदगी के साथ ही इस कारोबार से जुड़े अन्य लोगों और बाहर से खरीदारी करने आने वालों की जानकारी जुटाई जा रही है। पुलिस का कहना है कि अवैध कारोबार के पूरे नेटवर्क का पता लगाकर आगे भी कार्रवाई की जाएगी।

पत्नी की चाकू से आंख निकाली, ईंट से चेहरा कूचकर मारा, फिर पति ने खुद फंदा लगाकर दी

अनप्लग इंडिया

हरदोई। पाली थाना क्षेत्र स्थित कछलियनपुरवा में शनिवार शाम चरित्र पर शक और पारिवारिक कलह के चलते एक राजमिस्त्री ने अपनी पत्नी की नृशंस हत्या कर फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। पति ने पत्नी पर चाकू से हमला कर दायीं आंख निकाल दी और पेट में वार करने के बाद ईंट से सिर व चेहरा कुचल दिया। वारदात के बाद उसने दूसरे कमरे में फंदा लगा लिया। हरदोई जिले के पाली थाना क्षेत्र के कछलियनपुरवा में शनिवार शाम राजमिस्त्री ने पत्नी की नृशंस हत्या कर फंदा लगाकर खुद भी जान दे दी। घटना का पता चलते ही इलाके में सनसनी फैल गई। ग्रामीणों की भीड़ लग गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने दंपती के बच्चों से घटना के बारे में जानकारी ली। पुलिस का दावा है कि करवा चौथ की रात हुए विवाद के बाद शनिवार शाम फिर से विवाद होने के बाद घटना हुई। ग्रामीणों में चर्चा है कि दोनों एक-दूसरे के चरित्र पर शक करते थे। मौके से चाकू और ईंट भी बरामद हुई है। कछलियनपुरवा निवासी लालपूत राठौर (52) राजमिस्त्री थे। गांव में उनके तीन मकान हैं। गांव स्थित नए मकान में इन दिनों वह परिवार के साथ रहते थे। शनिवार को वह काम पर गए थे। शाम लगभग 4:30 बजे घर पहुंचने के बाद पत्नी जनुका (50) से विवाद हुआ। चाकू से वार कर आंख बाहर निकाल दी उस वक्त जनुका मकान के बरामदे में चारपाई पर बैठी थीं। विवाद के दौरान राजमिस्त्री ने पास पड़े चाकू से जनुका की दायीं आंख पर वार कर आंख बाहर निकाल दी। इसके बाद पेट में दो वार किए और फिर ईंट से जनुका का चेहरा और सिर कुचल दिया। घटना को अंजाम देने के बाद बरामदे के पीछे बने कमरे में जाकर लालपूत ने रस्सी से फंदा लगाकर खुदकुशी कर ली। कमरे में फंदे से लटके मिला शव घटना का पता तब चला जब उनका सबसे छोटा बेटा पुष्पेंद्र (9) खेलने के बाद घर के अंदर पहुंचा। बरामदे में मां का शव पड़ा देख उसने शोर मचाया, तो पड़ोसी मौके पर आ गए। पिता को खोजा, तो वह अंदर के कमरे में फंदे से लटके मिले। घटना की जानकारी पुलिस को दी गई। सीओ शाहाबाद संतोष सिंह और पाली के प्रभारी निरीक्षक विजय कुमार मिश्रा मौके पर पहुंचे। एक-दूसरे के चरित्र पर शक करते थे दोनों फॉरेंसिक टीम ने जरूरी नमूने जुटाए। प्रभारी निरीक्षक का कहना है कि करवा चौथ की रात पूजा का सामान लाने को लेकर विवाद हुआ था। यही विवाद शनिवार शाम भी उखड़ा और इस दौरान घटना हो गई। ग्रामीणों का कहना है कि पति-पत्नी एक-दूसरे के चरित्र पर शक करते थे। इसी वजह से घटना हुई। सीओ संतोष सिंह ने बताया कि सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। छह लड़के और दो लड़कियां। दो बेटे अर्जुन (18) और पुष्पेंद्र (9) गांव में ही माता-पिता के साथ रहते हैं। बाकी बच्चे पानीपत और दिल्ली में रहकर काम करते हैं।

कंजड़नपुरवा में दशकों से हो रहा नशे का कारोबार, पुड़ियों में बिकता है जहर, विरोध पर मिलती हैं धमकियां

अनप्लग इंडिया

कानपुर । किदवई नगर स्थित कंजड़नपुरवा क्षेत्र दशकों से अवैध मादक पदार्थों की तस्करी का प्रमुख गढ़ बना हुआ है। ओडिशा समेत अन्य राज्यों से गांजे व स्मैक की खेप लाकर यहां छोटी-छोटी पुड़ियों में नशा बेचा जाता है और बच्चों-नाबालिगों को इस काले कारोबार में धकेलने की भी शिकायतें हैं। विरोध करने वाले स्थानीय लोगों को दबंगई और धमकियों का सामना करना पड़ता है। कानपुर में किदवई नगर का कंजड़नपुरवा लंबे समय से नशे के अवैध कारोबार का बड़ा ठिकाना बना हुआ है। यहां स्मैक, गांजा और नशीली पुड़ियों की बिक्री का नेटवर्क इतना पुराना और सक्रिय बताया जाता है कि इलाके की पहचान ही नशे के कारोबार से जुड़ गई है। स्थानीय लोगों और पुलिस सूत्रों के मुताबिक, यहां से नशीले पदार्थों की खुदरा बिक्री के साथ शहर के दूसरे हिस्सों में भी सप्लाई की जाती है। कई बार कार्रवाई के बावजूद इस कारोबार पर पूरी तरह अंकुश नहीं लग सका है। पुलिस की जांच और पूछताछ में सामने आए तथ्यों के मुताबिक, इस नेटवर्क के तार दूसरे राज्यों तक जुड़े होने की आशंका है। ओडिशा समेत अन्य राज्यों से गांजे की खेप मंगाकर यहां छोटे-छोटे पैकेट और पुड़ियों में तैयार कर बेचे जाने की बात सामने आती रही है। इस कारोबार में बच्चों और नाबालिगों के इस्तेमाल की शिकायतें भी स्थानीय स्तर पर उठती रही हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में भी नशीली पुड़ियों की बिक्री में बच्चों के इस्तेमाल के आरोप सामने आए हैं। अलग-अलग मामलों की



जांच जरूरी इलाके में दिन-रात नशेड़ियों की आवाजाही स्थानीय लोगों के लिए परेशानी का सबब बनी हुई है। लोगों का कहना है कि नशे के कारोबार के विरोध या इसकी शिकायत करने पर दबंगई और धमकी का सामना करना पड़ता है। क्षेत्र में चोरी, छिनैती और टप्पेबाजी जैसी घटनाओं को लेकर भी नशे के आदी लोगों की भूमिका पर सवाल उठते रहे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, यहां आने वाले ग्राहकों को छोटी-छोटी पुड़ियों में नशा उपलब्ध कराया जाता है। गांजे की खेप बाहर से आने और यहां से शहर के दूसरे इलाकों में पहुंचने की बातें भी सामने आती रही हैं। पुलिस के सामने चुनौती केवल फुटकर विक्रेताओं को पकड़ने की नहीं, बल्कि इस कारोबार को माल उपलब्ध कराने वाले बड़े तस्करों तक पहुंचने की भी है। विरोध करने वालों को धमकाने की शिकायत स्थानीय लोगों का कहना है कि नशे के कारोबार का विरोध करने पर कुछ लोग दबंगई दिखाते हैं। इससे कई लोग खुलकर शिकायत करने से भी बचते हैं।

कंटेनर और टैंकर की टक्कर में दो चालकों की मौत

अनप्लग इंडिया

वाराणसी। जिले के गेराई के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर बीती रात कंटेनर और टैंकर की टक्कर में दोनों चालकों की मौत हो गई। एक चालक का शरीर दो हिस्सों में बंट गया, जबकि दूसरा केबिन में फंस गया। कई घंटे चले रेस्क्यू के बाद शव निकाले गए। हादसे से डेढ़ घंटे यातायात बाधित रहा। राष्ट्रीय राजमार्ग पर गेराई के पास बीती देर रात कंटेनर और टैंकर की भीषण टक्कर में दोनों वाहनों के चालकों की मौत हो गई। हादसा इतना भयावह था कि कंटेनर चालक का शरीर दो हिस्सों में बंट गया, जबकि टैंकर चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया। उसे बाहर निकालने के लिए तीन घंटे तक रेस्क्यू अभियान चलाना पड़ा। पुलिस और एनएचएआई की टीम ने क्रेन की मदद से दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को



हटवाया। जानकारी के अनुसार, हादसा शनिवार रात करीब 11:30 बजे हुआ। प्रयागराज से वाराणसी की ओर जा रहा एक कंटेनर गेराई के पास राष्ट्रीय राजमार्ग की उत्तरी लेन पर खराब हो गया था। चालक ने कंटेनर को सड़क किनारे खड़ा किया और उसकी मरम्मत करने लगा। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहा टैंकर अनियंत्रित होकर कंटेनर से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कंटेनर की मरम्मत कर रहे चालक के ऊपर पहिया चढ़ गया। इससे उसका शरीर दो हिस्सों में बंट गया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। वहीं, टैंकर का चालक केबिन में बुरी तरह फंस गया। टक्कर के कारण केबिन क्षतिग्रस्त हो गया था। उसे बाहर निकालने के लिए राहत और बचाव कार्य शुरू किया गया, लेकिन उसकी भी जान नहीं बचाई जा सकी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दोनों वाहनों के चालकों के शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। देर रात तक मृतकों की पहचान नहीं हो सकी थी। पुलिस उनकी शिनाख्त कराने में जुटी रही। हादसे के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग की उत्तरी लेन पर वाहनों की आवाजाही बाधित हो गई। करीब डेढ़ घंटे तक यातायात प्रभावित रहा। इसके बाद एनएचएआई की क्रेन मौके पर पहुंची और दुर्घटनाग्रस्त कंटेनर व टैंकर को सड़क से हटाया गया। वाहनों को हटाए जाने के बाद राजमार्ग पर यातायात सामान्य हो सका। दोनों वाहन प्रयागराज से वाराणसी की ओर जा रहे थे। प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, सड़क पर खराब खड़े कंटेनर की मरम्मत के दौरान पीछे से आए टैंकर की टक्कर इस हादसे की वजह बनी।

तीन मैचों में पांच अंक लेकर पूर्वांचल विवि ने जीता खिताब, नई तकनीक सीखी; वाराणसी में प्रतियोगिता

एजेंसी

वाराणसी। खेल न मैचों में पांच अंक हासिल कर पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीय हॉकी प्रतियोगिता का खिताब जीत लिया। प्रतियोगिता में विद्यापीठ की टीम उपविजेता रही, जबकि काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू) को तीसरे स्थान से संतोष करना पड़ा। प्रतियोगिता में टीमों के बीच खिताबी मुकाबले को लेकर कड़ा संघर्ष देखने को मिला। आइए जानते हैं पूर्वी क्षेत्र अंतर-विश्वविद्यालय हॉकी शनिवार को संपन्न हो गई। पांच दिवसीय प्रतियोगिता नॉकआउट कम लीग के आधार पर खेली गई। इसमें तीन मैच में दो जीत एक हार से पांच अंक लेकर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि, जौनपुर की टीम पूर्वी जोन अंतर विश्वविद्यालयीय हॉकी का विजेता बन गया। विद्यापीठ की टीम दो मैच से चार अंक लेकर उपविजेता जबकि बीएचयू की टीम को तीसरा स्थान मिला। प्रतियोगिता में 11 राज्यों के 22 टीमों ने हिस्सा लिया। दूसरे दिन के पहले मुकाबले में काशी विद्यापीठ की टीम ने संबलपुर विवि को 6ह्न0 से पराजित किया। दूसरे मुकाबले में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि ने बीएचयू की टीम को 6ह्न2 से हराया। इस जीत के साथ वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि ने प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता में वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विवि, जौनपुर को पहला स्थान दूसरा स्थान काशी विद्यापीठ, तीसरा स्थान बीएचयू जबकि चौथा स्थान संबलपुर विवि की टीम ने हासिल किया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि के अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित ओलंपियन राजकुमार पाल ने खिलाड़ियों को पुरस्कृत किया। अध्यक्षता बीएचयू के कुलसचिव राजन श्रीवास्तव ने की।

लोढ़ा डेवलपर्स गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स में कार्यालय परिसर बनाएगी

1,200 करोड़ करेगी निवेश, मुंबई मुख्यालय वाली कंपनी की यह एनसीआर में पहली परियोजना होगी

नई दिल्ली ।

रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी लोढ़ा डेवलपर्स ने दिल्ली-एनसीआर के संपत्ति बाजार में कदम रखते हुए गुरुग्राम के गोल्फ कोर्स रोड पर करीब 1,200 करोड़ रुपये के निवेश से प्रीमियम कार्यालय परिसर विकसित करने की योजना बनाई है। मुंबई मुख्यालय वाली कंपनी की यह एनसीआर में पहली परियोजना होगी। पिछले साल लोढ़ा डेवलपर्स ने गुरुग्राम में दो परियोजनाओं के लिए एमआरजी समूह के साथ संयुक्त विकास करार किया था। इनमें से एक परियोजना वाणिज्यिक और एक आवासीय है। लोढ़ा डेवलपर्स के एक अे धिकारी ने बताया कि कंपनी ने हाल में 1.2 एकड़ में फै ली अपनी वाणिज्यिक परियोजना लोढ़ा पैंथियन पेश की है। इसमें 27 मंजिलों में कुल चार लाख वर्ग फुट बिक्री योग्य क्षेत्र होगा। परियोजना की अनुमानित लागत 1,100 से 1,200 करोड़ रुपये है। कंपनी इस ग्रेड ए प्लस प्लस वाणिज्यिक परियोजना में कार्यालय स्थल बेचेगी।मोदी के मुताबिक, गुरुग्राम में प्रीमियम कार्यालय स्थल की अच्छी मांग है। कई कारोबारी समूह लंबे समय तक किराये पर कार्यालय लेने के बजाय खुद की व्यावसायिक संपत्ति खरीदने में रुचि दिखा रहे हैं।

कंपनी चालू वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में गुरुग्राम के सोहना रोड पर आवासीय परियोजना भी पेश करने की तैयारी कर रही है।

केंद्र सरकार ने राज्यों को दी 1.09 लाख करोड़ की सौगात

यूपी को सबसे ज्यादा 19,208 करोड़ रुपए, विकास कार्यों और जनकल्याणकारी योजनाओं को मिलेगी रफ्तार

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार ने राज्यों की आर्थिक स्थिति मजबूत करने और विकास कार्यों को गति देने के लिए 1,09,019 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वित्तीय सहायता जारी की है। यह राशि राज्यों को मिलने वाली नियमित मासिक कर हिस्सेदारी के अतिरिक्त है। इससे राज्यों को त्योहारों के दौरान बढ़ने वाले खर्च के साथ विकास परियोजनाओं और जनकल्याणकारी योजनाओं के संचालन में राहत मिलेगी। केंद्रीय वित्त मंत्रालय के अनुसार, राज्यों को यह अग्रिम किस्त 31 अक्टूबर की रात जारी की गई है। सरकार का उद्देश्य राज्यों को अतिरिक्त आर्थिक संसाधन उपलब्ध कराकर उनके वित्तीय प्रबंधन को आसान बनाना है। इससे राज्य सड़क, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे से जुड़ी परियोजनाओं पर खर्च बढ़ा सकेंगे। साथ ही कर्मचारियों के वेतन और अन्य जरूरी भुगतान करने में भी मदद मिलेगी। इस विशेष किस्त में उत्तर प्रदेश को सबसे अधिक 19,208 करोड़ रुपये मिले हैं। वहीं सबसे कम 365 करोड़ रुपये सिक्किम को आवंटित किए गए हैं। केंद्र सरकार केंद्रीय करों से होने वाली कमाई का निर्धारित हिस्सा राज्यों को देती है। इसमें जीएसटी, आयकर और कॉर्पोरेट टैक्स से प्राप्त राजस्व शामिल है। वर्तमान व्यवस्था के तहत केंद्रीय करों के विभाज्य पूल का 41 प्रतिशत हिस्सा राज्यों के बीच बांटा जाता है। यह राशि सामान्य रूप से हर महीने किस्तों में जारी होती है। हालांकि, इस बार त्योहारों और बढ़ते सरकारी खर्च को देखते हुए केंद्र ने नियमित किस्त से पहले अतिरिक्त राशि जारी की है। राज्यों को होंगे ये प्रमुख फायदे

– विकास परियोजनाओं के लिए अतिरिक्त बजट मिलेगा।

– सड़क, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े काम तेज होंगे।

जनकल्याणकारी योजनाओं के संचालन में मदद मिलेगी।

सरकारी कर्मचारियों के वेतन और जरूरी भुगतान में सुविधा होगी।

– त्योहारों के दौरान बढ़ने वाले खर्च का प्रबंधन आसान होगा।

भारत VS न्यूजीलैंड



कोहली के खिलाफ खेलना शानदार होगा: जैकब डफी

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाज जैकब डफी ने भारतीय दिग्गज विराट कोहली की जमकर तारीफ की है। 4 नवंबर से शुरू होने वाली न्यूजीलैंड और भारत के बीच आगामी वनडे सीरीज में डफी अपने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथी खिलाड़ी कोहली का सामना करने के लिए तैयार हैं। डफी ने आईपीएल 2026 के दौरान कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया था और नेट्स में उन्हें गेंदबाजी भी की है। न्यूजीलैंड के इस तेज गेंदबाज ने इस बात पर हैरानी जताई कि भारत में एक सुपरस्टार होने और लगभग 'ईश्वर जैसी हैसियत' रखने के बावजूद कोहली कितने जमीन से जुड़े इंसान हैं।

रविवार को मीडिया से बातचीत के दौरान डफी ने कहा, 'कल मेरी उनसे (कोहली) मुलाकात हुई। वह जिम में थे, वहां उनसे मिलना काफी अच्छा रहा, और उनका व्यवहार मेरे प्रति बहुत शानदार था। भारत में उन्हें लगभग एक 'ईश्वर' का दर्जा प्राप्त है - वह वहां एक मेगास्टार हैं - फिर भी उनका इतना जमीन से जुड़ा होना और आरसीबी में हम जैसे विदेशी खिलाड़ियों का स्वागत करना, वाकई बहुत अच्छी बात है। इसके लिए मैं उनका बहुत सम्मान करता हूं। अब जब मैंने उनके साथ ड्रेसिंग रूम भी साझा किया है, तो उनके खिलाफ खेलना वाकई शानदार होगा।'

उन्होंने बताया कि जब वह आरसीबी में कोहली के साथ ड्रेसिंग रूम साझा कर रहे थे, तब उन्होंने भारतीय मैदानों पर अपनाई जाने वाली रणनीतियों के बारे में कोहली से काफी चर्चा की थी। डफी ने कहा, 'उनका काम के प्रति नजरिया बहुत शानदार है। नेट्स में मैंने उन्हें काफी गेंदबाजी की, क्योंकि वह हमेशा पहले बल्लेबाज होते थे और मैं हमेशा पहला गेंदबाज। हमने नेट्स में एक-दूसरे के सामने काफी समय बिताया है, जो कि बहुत अच्छी बात है। इसके साथ ही, उन्होंने मुझे काफी करीब से देखा है, इसलिए उनकी तैयारी भी अच्छी होगी।'

उत्तर प्रदेश में सीएनजी महंगी, लखनऊ से उन्नाव तक नई दरें लागू

लखनऊ ।

बढ़ती लागत और वैश्विक आपूर्ति संकट के बीच ग्रीन गैस लिमिटेड ने एक नवंबर से उत्तर प्रदेश में सीएनजी की कीमतें बढ़ा दी गई है। अलग-अलग शहरों में कीमतों में एक रुपये से लेकर 2.25 रुपये प्रति किलोग्राम तक की बढ़ोतरी की गई है। इससे वाहन चालकों के ईंधन खर्च में इजाफा होगा। नई दरों के अनुसार, राजधानी लखनऊ में सीएनजी की कीमत 107 रुपये से बढ़कर 108 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई है। आगरा में भी एक रुपये प्रति किलोग्राम की बढ़ोतरी की गई है। अयोध्या और सुल्तानपुर में सीएनजी एक रुपये महंगी हुई है। इन दोनों शहरों में अब एक किलोग्राम सीएनजी की कीमत 106 रुपये हो गई है। सबसे ज्यादा बढ़ोतरी उन्नाव में की गई है। यहां सीएनजी की कीमत में 2.25 रुपये प्रति किलोग्राम का इजाफा हुआ है। नई दर लागू होने के बाद उन्नाव में एक किलोग्राम सीएनजी अब 106 रुपये में मिलेगी। कीमतों में बदलाव से निजी वाहन चालकों के साथ-साथ सीएनजी से चलने वाले व्यावसायिक वाहनों का खर्च भी बढ़ सकता है। ग्रीन गैस लिमिटेड का कहना है कि वैश्विक स्तर पर गैस की आपूर्ति में संकट और लागत में वृद्धि के कारण कीमतों में संशोधन किया गया है।



बेमतलब की फिल्में नहीं करनी, तो ऐक्टिंग छोड़ दी

'फुकरे' फिल्म की एक्ट्रेस विशाखा सिंह ने हाल ही में अपनी वेब सीरीज 'रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब' को लेकर बात की है। उन्होंने कहा, 'माइनस 6 डिग्री में श्रीनगर में लड़के कांप रहे थे, पर पूरा स्टेडियम भरा हुआ था। लोग रियल कश्मीर के लिए गाने गा रहे हैं।'

पर्दे पर कश्मीर के अक्सर दो ही पहलू देखने को मिलते हैं। एक धरती के जन्नत की खूबसूरती तो दूसरा आतंकवाद, मगर वेब सीरीज 'रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब' इससे इतर वादी के युवाओं की अपनी नई पहचान और सम्मान तलाशने की एक प्रेरक दास्तान है। यही वजह है कि कश्मीर के पहले प्रफेशनल 'फुटबॉल क्लब' बनने की असल कहानी पर आधारित इस सीरीज को अंतरराष्ट्रीय एमी अवॉर्ड्स 2027 में बेस्ट ड्रामा कैटेगरी में नामित किया गया है। हालांकि, 'फुकरे' फेम वर्चित अदाकारा और इस शो की निर्माता विशाखा सिंह के लिए इसे बनाना आसान नहीं था। हर कदम पर चुनौतियां थीं, लेकिन वह कहती हैं कि उन्हें कश्मीर का उम्मीद भरा नया चेहरा दिखाती यह कहानी हर हाल में दर्शकों तक पहुंचानी' थी। फिर, जब ठान लिया तो कारवां बनता गया।

कश्मीर का ये चेहरा नया था

बकौल विशाखा, 'ये कहानी मेरे दोस्त और शो के राइटर उमंग व्यास और सिमाब हाशमी ने 2019 में सुनाई थी कि कश्मीर का सिर्फ 3 साल पहले बना ये फुटबॉल क्लब बड़े-बड़े क्लब को हरा रहा है। मुझे लगा कि ये कहानी तो सुनानी चाहिए। तब फरवरी के माइनस 6 डिग्री में ये लोग वहां रिसर्च के लिए गए। वहां से मैच का विडियो भेजा, जहां माइनस 6 डिग्री में श्रीनगर में लड़के कांप रहे थे, पर पूरा स्टेडियम भरा हुआ था। लोग रियल कश्मीर के लिए गाने गा रहे हैं।' उन्होंने आगे कहा, 'यह माहौल मेरे लिए इतना नया था कि लोग पेड़ पर चढ़कर मैच देख रहे हैं, क्योंकि कश्मीर सुनकर हमारे दिमाग में वही तनाव, जंग आता है। मेरे मन में ये था कि इसके राइट्स तो चाहिए और हमने क्लब के फाउंडर, जिसमें पत्रकार शमीर मेराज और व्यवसायी स्वर्गीय संदीप चट्टू से राइट्स लिए। फिर, मेरे दोस्त किलियन केरविन, जिन्होंने देल्ही क्राइम बनाई है, वे जुड़े। डायरेक्टर महेश मथाई जुड़े तो मुझे लगा कि हम सही राह पर हैं।'

बॉलिवुड में आशुतोष गोवारिकर की खेले हम जी जान से और फरहान अख्तर की फुकरे समेत साउथ सिनेमा की जानी-मानी अभिनेत्री रहीं विशाखा सिंह इन दिनों पर्दे पर कम नजर आ रही हैं। इसकी वजह पूछने पर वह कहती हैं, 'मैंने करीब दस साल पहले ऐक्टिंग करना बंद कर दिया। असल में, 2012 से 2014 के दौर में मैंने नॉर्थ और साउथ मिलाकर 13-14 फिल्में कीं। मुझे तब समझ आया कि हां, मैं ऐक्टिंग कर सकती हूं, लेकिन उसके बाद मुझे जो स्क्रिप्ट मिल रही थीं, उससे मैं खुश नहीं थी और मैं बुरी फिल्मों के लिए याद की जाना नहीं चाहूंगी। मैं बेमतलब की, बिना सिर पैर की फिल्में नहीं कर सकती तो 2015 में मैंने खुद ऐक्टिंग करना बंद कर दिया।'

क्यों की 'फुकरे 2'

'फुकरे 2 इसलिए की, क्योंकि उसमें ज्यादा वक्त नहीं देना पड़ा। वरना मैं भूल चुकी हूं कि मैं ऐक्टर भी थी। सच कहूं तो ऐक्टिंग छोड़ने के बाद मैंने बहुत कुछ एक्सप्लोर किया। फिल्म बना ली, सीरीज बना ली, स्टार्ट अप शुरू किया तो मेरे लिए और बड़ी दुनिया खुल गई मेरे लिए।' बतौर निर्माता, पेडलर्स, हरामखोर, अटकन चटकन और रियल कश्मीर फुटबॉल क्लब जैसा मीनिंगफुल कॉन्टेंट ही बनाने वाली विशाखा का कहना है, 'हर कलाकार, हर इंसान का एक झुकाव होता है कि उसे कैसा काम करना है। मेरा बचपन से रुझान रहा है कि अच्छा करो। खासकर जब आपके पास वो अच्छा करने की पावर हो। मुझे नहीं लगता कि मैं बिना मीनिंग के कोई फिल्म बना सकती हूं। ऐसा नहीं है कि मैं हमेशा सोशल मुद्दे वाली फिल्म ही बनाऊंगी, मगर वो ऐसी हो जो मैं, मेरा परिवार, मेरे माता-पिता सब देख सकें, वो हमेशा रहेगा।'

साइफर्ट का 'तूफान' नहीं झेल पाई टीम इंडिया पांचवां टी-20 गंवाया... मगर सीरीज जीती

ईशान-श्रेयस की तूफानी पारियां, फिर लड़खड़ाई भारतीय बल्लेबाजी



हैमिल्टन, एजेंसी। न्यूजीलैंड ने रविवार को भारत के खिलाफ पांचवां टी20 मैच सात विकेट से अपने नाम किया। भारत ने हैमिल्टन में 192 का टारगेट दिया, जिसे न्यूजीलैंड ने 18 ओवर में तीन विकेट के नुकसान पर चेज किया। न्यूजीलैंड ने भले ही हैमिल्टन में जीत दर्ज की लेकिन भारत ने पांच मैचों की टी20 सीरीज पर 3-2 से कब्जा जमाया। टीम इंडिया पांचवें टी20 में टिम साइफर्ट का 'तूफान' नहीं झेल पाई। उन्होंने 50 गेंदों में 93 रनों की आतिशी पारी खेली, जिसमें 11 चौके और पांच सिक्स हैं। ग्लेन फिलिप्स ने 38 गेंदों में नाबाद 65 रनों की पारी खेली। उनके बल्ले से आठ चौके और तीन छक्के निकले। बेवोन जैक्बस एक रन बनाकर नाबाद रहे।

साइफर्ट ने दो दमदार साझेदारियां की

लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने खराब आगाज किया। पेसर अर्शदीप सिंह ने दूसरे ओवर में फिन एलन (2) को पवेलियन भेजा। डेरिल मिचेल और टिम सीफर्ट ने दूसरे विकेट के लिए 73 रनों की पार्टनरशिप की। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने नौवें ओवर में मिचेल को आउट कर भारत को राहत दिलाई। मिचेल ने 16 गेंदों में 29 रन बटोरे, जिसमें चार सिक्स हैं। सीफर्ट ने तीसरे विकेट के लिए ग्लेन फिलिप्स के संग 86 रनों की साझेदारी की। लग रहा था कि सीफर्ट आसानी से पहला टी20 शतक कंप्लीट कर लेंगे लेकिन नीतीश कुमार रेड्डी ने 16लें ओवर में उन्हें बोल्ड कर दिया। इसके बाद, फिलिप्स ने न्यूजीलैंड को जीत की दहलीज पार कराई।

ईशान और अय्यर ने ठोकी फिफ्टी

इससे पहले, भारत ने टॉस गंवाने के बाद निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट पर 191 रन जुटाए। न्यूजीलैंड के लिए एडम मिल्ने ने चार, नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर ने दो-दो विकेट लिए। भारत की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा (2 गेंदों में 1) और संजू सैमसन (10 गेंदों में 4) फ्लॉप रहे। एडम मिल्ने ने दूसरे ओवर में अभिषेक और चौथे ओवर में सैमसन को आउट किया। इसके बाद, ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने गदर काटते हुए अर्धशतक जमाया। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए 93 रनों की पार्टनरशिप की। ईशान ने 32 गेंदों में 61 रन जुटाए, जिसमें पांच चौके और पांच छक्के हैं। उन्हें ब्लेयर टिकनर ने 11वें और नाथन स्मिथ ने अय्यर को 12वें ओवर में आउट किया। अय्यर ने 23 गेंदों में तीन चौकों और चार छक्कों की बदौलत 50 रन बटोरे।

भारत ने 133 रन तक गंवाए पांच विकेट

भारत की आधी टीम 133 रनों तक पवेलियन लौट गई। उपकप्तान तिलक वर्मा (8 गेंदों में 6) का बल्ला नहीं चला। उन्हें स्मिथ ने 14वें ओवर में कॉट एंड बोल्ड किया। टिकनर ने 19वें ओवर में नमन धीर (23 गेंदों में 33, चार चौके, एक छक्का) को अपने जाल में फंसाया। उन्होंने और नीतीश कुमार रेड्डी ने छठे विकेट के लिए 46 रन जोड़े। नीतीश ने 17 गेंदों में 22 रन बटोरे। जिसमें दो चौके और एक सिक्स है। मिल्ने ने वह 20वें ओवर नीतीश के अलावा भुवनेश्वर (6) को अपने जाल में फंसाया। भारत ने सीरीज में 3-1 की अजेय बढ़त बना रखी है और अब मेहमान टीम जीत के साथ इस सीरीज का अंत करने की फिराक में है।

पहले बल्लेबाजी करने उतरी भारतीय टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही। अभिषेक शर्मा और संजू सैमसन एक-एक रन बनाकर आउट हो गए। इसके बाद ईशान किशन और कप्तान श्रेयस अय्यर ने पारी को संभाला। दोनों ने आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए तीसरे विकेट के लिए 93 रन की साझेदारी की। ईशान किशन ने 32 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्के की मदद से 61 रन बनाए। वहीं, श्रेयस अय्यर ने सिर्फ 23 गेंदों में तीन चौके और चार छक्के लगाते हुए 50 रन की पारी खेली। श्रेयस ने अपना अर्धशतक पूरा किया और ईशान के साथ मिलकर भारतीय टीम को मजबूत स्थिति में पहुंचा दिया।



एक समय भारत का स्कोर दो विकेट पर 112 रन था और टीम के 200 के पार पहुंचने की उम्मीद थी। लेकिन ईशान के आउट होने के बाद भारतीय बल्लेबाजी बिखर गई। भारत ने 112 से 133 रन के बीच तीन और विकेट गंवा दिए। नमन धीर ने 23 गेंदों में चार चौके और एक छक्के की मदद से 33 रन बनाए। नीतीश रेड्डी ने 17 गेंदों में 22 रन का योगदान दिया। वहीं, तिलक वर्मा छह और भुवनेश्वर कुमार भी छह रन बनाकर आउट हुए। इस तरह भारतीय टीम 20 ओवर में आठ विकेट पर 191 रन ही बना सकी। न्यूजीलैंड की ओर से एडम मिल्ने सबसे सफल गेंदबाज रहे। उन्होंने चार विकेट झटके। नाथन स्मिथ और ब्लेयर टिकनर को दो-दो विकेट मिले।

भारत ने एक कैलेंडर वर्ष में न्यूजीलैंड के खिलाफ लगाए सबसे ज्यादा छक्के

इस सीरीज में भारतीय बल्लेबाजों ने छक्कों की जमकर बरसात की। भारत ने साल 2026 में न्यूजीलैंड के खिलाफ कुल 142 छक्के लगाए। यह किसी टीम की ओर से एक कैलेंडर वर्ष में किसी एक विपक्षी टीम के खिलाफ लगाए गए सर्वाधिक छक्के हैं। इस रिकॉर्ड सूची में भारत शीर्ष पर पहुंच गया है। वहीं, न्यूजीलैंड ने भी इसी साल भारत के खिलाफ 117 छक्के लगाए हैं। खास बात यह है कि साल 2026 में भारत और न्यूजीलैंड के बीच खेले गए 11 टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में कुल 259 छक्के लगे। यानी हर मुकाबले में औसतन 23.5 छक्के लगाए गए। यह आंकड़ा दोनों टीमों की आक्रामक बल्लेबाजी का अंदाजा देता है।

हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस

तीन हार के बाद जीती टीम इंडिया, बांग्लादेश को हराया, शशांक ने बनाए तूफानी 50 रन



मोंग कोक, एजेंसी। हॉन्गकॉन्ग सिक्सेस में लगातार तीन हार झेलने के बाद भारतीय टीम को आखिरकार पहली जीत मिल गई है। मिशन रोड ग्राउंड में रविवार को खेले गए मुकाबले में टीम इंडिया ने बांग्लादेश को आखिरी गेंद पर पांच विकेट से हराया। भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए बांग्लादेश की टीम ने छह ओवर में पांच विकेट पर 116 रन बनाए थे। 117 रन का लक्ष्य भारतीय टीम ने पारी की आखिरी गेंद पर हासिल किया।

क्रुणाल ने 25 रन देकर तीन विकेट लिए

बांग्लादेश की ओर से कप्तान अबू हिदर रोनी ने मात्र 18 गेंदों पर आठ छक्कों और तीन चौकों की मदद से नाबाद 62 रन की पारी खेली। इसके अलावा हबीबुर रहमान सोहन ने छह गेंद पर 18, सब्बीर रहमान ने चार गेंद पर 13 और चौधरी मोहम्मद रिजवान ने पांच गेंदों पर 12 रन बनाए। भारत की तरफ से कप्तान क्रुणाल पांड्या सफल गेंदबाज रहे। क्रुणाल ने दो ओवर में 25 रन देकर तीन विकेट लिए। राहुल त्रिपाठी को एक विकेट मिला।

117 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को आखिरी गेंद जीत मिली। शशांक सिंह ने 15 गेंदों पर सात छक्कों और एक चौके की मदद से 50 रन की पारी खेली। वह रिटायर्ड हर्ट हुए। राहुल त्रिपाठी ने 12 गेंदों पर तीन चौकों और तीन छक्कों की मदद से 32, नीतीश राणा ने चार गेंदों पर नाबाद 10 और राहुल तेवतिया ने पांच गेंदों पर नाबाद 16 रन बनाए। भारत ने पांच विकेट से यह मुकाबला जीता। क्रुणाल पांड्या प्लेयर ऑफ द मैच रहे।

ग्रुप सी में मौजूद भारतीय टीम को अपने पहले मैच में पाकिस्तान से चार विकेट से, दूसरे मैच में यूएई से छह विकेट से और तीसरे मैच में इंग्लैंड से तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा था। टूर्नामेंट में 12 टीमों ने हिस्सा लिया था। बांग्लादेश पर जीत के बाद भारतीय टीम 11वें स्थान पर रही।

संक्षिप्त समाचार

होर्मुज में 27 भारतीयों वाले जहाज पर हमला :इंजन रूम में आग लगी

होर्मुज, एजेंसी। होर्मुज में शुक्रवार को 27 भारतीय क्रू सदस्यों वाले तेल टैंकर एमटी लुईस 1 पर हमला हुआ। पनामा के झंडे वाले इस टैंकर पर दो लिम्पेट माइंस लगाई गई थीं। धमाके की वजह से इंजन रूम में आग लग गई और जहाज कुछ समय के लिए बंद हो गया। लेकिन क्रू ने आग बुझा दी। केंद्रीय मंत्री सर्बानंद सोनोवाल ने बताया कि सभी नाविक सुरक्षित हैं और किसी को चोट नहीं लगी है। रॉयटर्स के मुताबिक, फरवरी में अमेरिका और ईरान के बीच संघर्ष शुरू होने के बाद होर्मुज में पहली बार लिम्पेट माइंस से हमला हुआ है। ब्रिटिश समुद्री एजेंसी यूकेएमटीओ के मुताबिक, जहाज पर हमला ओमान के खासाब शहर से करीब 46 किलोमीटर दूर हुआ। इंटरनेशनल मैरीटाइम ऑर्गनाइजेशन के मुताबिक, 28 फरवरी को संघर्ष शुरू होने के बाद से 27 अक्टूबर तक होर्मुज और उसके आसपास 120 समुद्री घटनाएं हुईं। इनमें व्यापारिक जहाजों पर हमले भी शामिल हैं। अमेरिका और इजराइल 3 नवंबर को होने वाले अमेरिकी मिडटर्म चुनाव के बाद ईरान पर फिर हमला कर सकते हैं। वॉल स्ट्रीट जर्नल के मुताबिक, दोनों देश तेज सैन्य कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं। इसमें ईरान के तेल-गैस ठिकानों, परमाणु केंद्रों और मिसाइलों-ड्रोन के ठिकानों को निशाना बनाया जा सकता है।

सऊदी अरब में मिसाइल-ड्रोन हमलों के बीच अमेरिकी मिशन ने जारी की एक और एडवाइजरी

वाशिंगटन/रियाद, एजेंसी। सऊदी अरब में अहम ठिकानों पर हो रहे हमलों के मद्देनजर रियाद स्थित अमेरिकी दूतावास ने अपने मिशनों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। दूतावास ने सभी गैर-आपातकालीन अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों और कर्मचारियों के परिवारों को देश छोड़ने का आदेश दिया है। 30 अक्टूबर को अमेरिकी मिशन की ओर से जारी सुरक्षा चेतावनी में कहा गया है कि ईरान समर्थित हूती विद्रोही सऊदी अरब के खिलाफ हमलों और शत्रुतापूर्ण गतिविधियों में शामिल रहे हैं। इन हमलों में नागरिक हवाई अड्डों और अन्य महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया गया है। इनके कारण आम नागरिकों की मौत और यात्रा व्यवस्था में गंभीर व्यवधान की घटनाएं हुई हैं। अमेरिकी मिशन ने आशंका जताई है कि मौजूदा शत्रुता तेजी से बढ़ सकती है और इसका प्रभाव संबंधित क्षेत्र से आगे भी फैल सकता है। एडवाइजरी के मुताबिक, सऊदी अरब में तैनात अमेरिकी सरकारी कर्मचारियों को हाल में हवाई अड्डों पर हुए मिसाइल और मानवरहित हवाई वाहनों (यूएवी) के हमलों के बाद देश के किसी भी हवाई अड्डे का इस्तेमाल करने के लिए मिशन प्रमुख से विशेष अनुमति लेनी होगी। यूएस ने अपने नागरिकों को आगाह किया है कि सऊदी अरब के हवाई अड्डों पर हमले, हवाई क्षेत्र बंद होने, उड़ानें रद्द होने और यात्रा में व्यवधान की आशंका बनी हुई है। अमेरिकी मिशन ने नागरिकों को सलाह दी है कि यदि वे सऊदी अरब के हवाई अड्डों का इस्तेमाल करने का फैसला करते हैं तो अत्यधिक सावधानी बरतें। साथ ही यात्रा से पहले अपनी उड़ान की स्थिति की जानकारी सीधे संबंधित एयरलाइन और हवाई अड्डे से प्राप्त करें। 10 अक्टूबर और फिर 25 अक्टूबर को रियाद स्थित किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट समेत विभिन्न ऊर्जा ठिकानों पर हमले किए गए थे। इसके बाद से कई बार अमेरिका अपने नागरिकों के लिए सुरक्षा अलर्ट जारी करता रहा है।

भारत-नेपाल सीमा पर सीसीटीवी ड्रोन और स्कैनर से होगी निगरानी, अवैध आवाजाही पर लगेगी रोक

काठमांडू, एजेंसी। भारत और नेपाल ने अपनी खुली सीमा की सुरक्षा मजबूत करने और निगरानी व्यवस्था को आधुनिक तकनीक से लैस करने पर सहमति जताई है। दोनों देशों ने सीमा पर सीसीटीवी कैमरे लगाने, प्रमुख प्रवेश बिंदुओं पर सामान की जांच के लिए स्कैनर और मेटल डिटेक्टर लगाने तथा निगरानी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ाने पर चर्चा की। शुक्रवार को दोनों देशों के सशस्त्र बलों की 10वीं समन्वय बैठक के समापन पर ये फैसले किए गए।प्रमुख प्रवेश बिंदुओं पर सामान की जांच के लिए स्कैनर और मेटल डिटेक्टर भी लगाए जाएंगे। निगरानी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल बढ़ाने पर भी सहमति बनी है। नेपाल के सशस्त्र पुलिस बल (एपीएफ) के महानिरीक्षक नारायण दत्त पौडेल ने इसमें हिस्सा लिया। भारत के सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) के महानिदेशक संजय सिंघल ने भी बैठक में भाग लिया। यह बैठक बुधवार को काठमांडू स्थित एपीएफ मुख्यालय में शुरू हुई थी।

अखिलेश का शाह पर पलटवार: जमीन ही नहीं... पैर कहां रखोगे?

राज्य में 1 लाख 27 हजार हिंदू मतदाताओं के नाम काट दिए

नई दिल्ली , एजेंसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडिया गठबंधन द्वारा आयोजित वोट चोरी के खिलाफ रैली को संबोधित कर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के अंगद के पैर वाले बयान पर तीखा पलटवार किया। अखिलेश ने कहा, जो लोग अंगद का पैर कहने की बात करते हैं, उन्हें समझना चाहिए कि जब जमीन ही नहीं बची है तब पैर कहां रखेंगे?

अखिलेश यादव ने भाजपा और चुनाव आयोग पर निशाना साधकर आरोप लगाया कि देश में एक करोड़ से अधिक हिंदू मतदाताओं के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। उन्होंने उत्तर प्रदेश का जिक्र कर दावा किया कि राज्य में 1 लाख 27 हजार हिंदू मतदाताओं के नाम काट दिए गए, जिससे हर विधानसभा में करीब 31 हजार वोटों की कमी हुई। सपा मुखिया ने कहा कि हार का ठीकरा किसी और पर फोड़ने की कोशिश की जा रही है, लेकिन यूपी वाले उन्हें करारा जवाब देकर सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाएंगे।



सपा प्रमुख ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का उल्लेख किया, जहां उन्होंने वोट लूटे जाने और चुनाव से पहले विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के माध्यम से धांधली का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 2022 में उत्तर प्रदेश में सपा की सरकार न बनने का कारण भी वोट चोरी थी। अखिलेश ने भाजपा पर कटाक्ष कर कहा कि जो लोग विश्वगुरु बनने की बात करते थे, वे मतदाता सूची में चोरी करते हैं।

सपा नेता यादव ने कहा कि इंडिया गठबंधन रुकने वाला नहीं है और लोकतंत्र को बचाने का अभियान उत्तर प्रदेश से शुरू होगा। उन्होंने रामलीला मैदान को लोकतंत्र की हल्दीघाटी करार देकर कहा कि यहां से एक नया इतिहास लिखा जा रहा है और परिवर्तन कभी भी आ सकता है। अखिलेश ने चेतावनी दी कि अगली पीढ़ी भाजपा द्वारा लगाए गए हर लाठी और दिए गए हर जख्म का बदला लेगी, जिससे भाजपा खुद को बचा नहीं पाएगी।

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के डबल इंजन सरकार के दावे पर परोक्ष रूप से कटाक्ष कर अखिलेश यादव ने कहा कि उन्हें खुशी है कि काशी की जनता ने एमएलसी चुनाव में भाजपा को डबल जीरो दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा ने चंडीगढ़ जैसी चाल चलने की कोशिश की लेकिन असफल रही। अखिलेश ने भाजपा पर लगातार साजिशें और षड़यंत्र करने का आरोप लगाकर कहा कि वे जनता के बीच में नहीं जीत सकते, इसलिए चुनाव के माध्यम से हेरफेर का रास्ता अपनाते हैं।

एसआईआर के मुद्दे को लेकर कांग्रेस राज्यों में अलग-अलग रुख अपना रही

● दिल्ली में रैली से पहले ओवैसी ने नीतियों और नीयत पर उठाए सवाल

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी दलों के इंडिया गठबंधन की ओर से आयोजित विशाल रैली से ठीक पहले ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कांग्रेस पर हमला बोला। ओवैसी ने मतदाता सूची एसआईआर के मुद्दे को लेकर कांग्रेस की नीतियों और नीयत पर सवाल उठाते हुए उस पर दोहरा रवैया अपनाने का गंभीर आरोप लगाया है। कर्नाटक में एक जनसभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा कि कांग्रेस एसआईआर के मुद्दे पर अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग रुख अपना रही है। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि कर्नाटक सरकार के एक मंत्री सतीश जारकीहोली एसआईआर की तारीफ कर रहे हैं और इसे बेहतर बता रहे हैं, जबकि दूसरी तरफ पार्टी के अन्य नेता इसका विरोध कर रहे हैं। ओवैसी ने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस की राष्ट्रीय स्तर पर कोई एक स्पष्ट नीति नहीं है और देश के अलग-अलग हिस्सों में उसके नेता अलग-अलग धुन बजा रहे हैं। ओवैसी ने आगे कहा कि दिल्ली में कांग्रेस एसआईआर का विरोध कर रही है, लेकिन हैदराबाद में उसके स्थानीय नेता खुद चुनाव आयोग के पास जाकर मतदाताओं के नाम हटाने की मांग करते हैं। उन्होंने सवाल उठाया कि जब पार्टी का अपना रुख स्पष्ट नहीं है, तो वह जनता को भ्रमित करने का काम कर रही है। उनका यह बयान ऐसे समय में आया है जब कांग्रेस मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे और चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली के खिलाफ रैली कर रही है। उधर, दिल्ली के रामलीला मैदान में विपक्षी रैली को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। क्षेत्र में 4,000 से ज्यादा पुलिसकर्मियों और केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की 270 कंपनियों को तैनात किया गया है। पूरे रूट पर नजर रखने के लिए 200 से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। सुरक्षाबलों ने मिंटो रोड से लेकर रामलीला मैदान तक कड़ा पहरा लगा रखा है ताकि रैली के दौरान कानून-व्यवस्था बनी रहे।

दिल्ली-सिलीगुड़ी बुलेट ट्रेन कॉरिडोर गुवाहाटी तक विस्तारित, मिली केंद्र की मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्र की सरकार ने प्रस्तावित दिल्ली-सिलीगुड़ी हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर को गुवाहाटी तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी है। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने इस मेगा इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना को हरी झंडी मिलने की जानकारी दी। सीएम सरमा ने निर्णय का जश्न मनाकर लिखा, इसीलिए, मोदी कहीं नहीं जाएंगे! यह टिप्पणी हाल ही में कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की टिप्पणी पर हुई बहस का तीखा जवाब थी, जिसमें एक व्यक्ति ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जल्द पद न छोड़ने की बात कही थी। मुख्यमंत्री सरमा ने प्रधानमंत्री मोदी और केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार जताकर कहा कि गुवाहाटी और दिल्ली के बीच यात्रा आठ घंटे से भी कम समय में पूरी होगी। उन्होंने इस मंजूरी को पूर्वी भारत के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण बताया। सीएम सरमा ने बताया कि यह कॉरिडोर शुरू में सिलीगुड़ी में समाप्त होना था, लेकिन उनके अनुरोध और जुलाई में केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव से मुलाकात के बाद, केंद्र ने उनके प्रस्ताव को स्वीकार कर पूर्वोत्तर तक बढ़ाने की मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा, जो सरकार सुनती है और काम करती है, वह ऐसी ही दिखती है। इस परियोजना से असम को नई हाई-टेक इंडस्ट्रीज के विकास और दिल्ली व अन्य राज्यों की राजधानियों से तेज व सस्ती कनेक्टिविटी के माध्यम से व्यापार तथा रोजगार के मौकों में वृद्धि होने की उम्मीद है। सीएम सरमा ने कहा कि बुलेट ट्रेन जो कभी असम के लिए दूर का सपना थी, अब हकीकत बन रही है। उन्होंने 7 जून को रेल मंत्री वैष्णव को लिखे पत्र में गुवाहाटी को नॉर्थईस्ट का गेटवे और इलाके का सबसे बड़ा आर्थिक व परिवहन हब बताकर कॉरिडोर के विस्तार की अपील की थी। इसके पहले, केंद्रीय रेल मंत्री वैष्णव ने पुष्टि की थी कि प्रधानमंत्री मोदी ने बुलेट ट्रेन नेटवर्क के उत्तरी गलियारे को मंजूरी दे दी है। यह दिल्ली से शुरू होकर आगरा, कानपुर, लखनऊ और अयोध्या को जोड़ेगा, और फिर वाराणसी व पटना से होकर गुवाहाटी तक पहुंचेगा।

मुरासु का खौफ: आंध्र तट पर भारी तबाही की आशंका

अमरावती, एजेंसी । भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने 1 नवंबर 2026 को दोपहर 11:30 बजे पुष्टि की कि दक्षिण-पश्चिम और आसपास के पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में स्थित गहरा डिप्रेशन अब चक्रवाती तूफान 'मुरासु' में बदल गया है, मुरासु ने आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों में खौफ पैदा कर दिया है। यह तूफान पश्चिम-उत्तर-पश्चिम दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है और इसके 2 नवंबर की सुबह तक एक गंभीर चक्रवाती तूफान बनने की प्रबल संभावना है।

मौसम विभाग का अनुमान है कि 'मुरासु' 2 नवंबर की मध्य रात्रि से 3 नवंबर की सुबह के बीच नेल्लोर और नरसापुर के बीच दक्षिणी आंध्र प्रदेश तट को पार करेगा। इस दौरान हवा की गति 100 से 110 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकती है, जबकि झोंके 120 किलोमीटर प्रति घंटा तक भी जा सकते हैं।



1 नवंबर दोपहर को यह तूफान चेन्नई से करीब 560 किलोमीटर पूर्व-दक्षिण-पूर्व में स्थित था और लगातार मजबूत हो रहा है। यह उन इलाकों के लिए दूसरा बड़ा झटका होगा जो हाल ही में चक्रवात अर्नब के असर से उबरने की कोशिश कर रहे हैं।

चक्रवात के प्रभाव से आंध्र प्रदेश के तटीय इलाकों और रायलसीमा में 2 और 3 नवंबर को भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है, कुछ स्थानों पर बेहद भारी बारिश भी हो सकती है। उत्तरी तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में भी मध्यम बारिश का अनुमान है। तेज हवाओं के कारण पेड़ गिरने, बिजली के तारों को नुकसान पहुंचने और निचले इलाकों में व्यापक बाढ़ का खतरा है। मछुआरों को समुद्र में न जाने की सख्त सलाह दी गई है, और स्थानीय प्रशासन ने संभावित आपदा से निपटने के लिए बचाव एवं राहत कार्य की तैयारियां तेज कर दी हैं।

इस चक्रवाती तूफान का नाम 'मुरासु' भारत द्वारा सुझाया गया है। तमिल भाषा में 'मुरासु' का अर्थ है प्राचीन ढोल, जिसका उपयोग पुराने समय में गांवों में महत्वपूर्ण जानकारी फैलाने और प्राकृतिक आपदाओं की चेतावनी देने के लिए किया जाता था। आईएमडी द्वारा यह नाम तब दिया जाता है जब सिस्टम चक्रवाती तूफान की श्रेणी में पहुंच जाता है, जो वर्तमान खतरे की गंभीरता को दर्शाता है।

सीजेपी की दिवाली पार्टी में पहुंचे कई विपक्षी नेता, बढ़ रही विपक्ष से नजदीकियां

नई दिल्ली,एजेंसी। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) और विपक्ष के कुछ नेताओं के बीच नजदीकी बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। शनिवार को सीजेपी नेता सौरव दास की ओर से आयोजित दीपावली पार्टी में टीएमसी, माकपा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-(एसपी) समेत कई विपक्षी दलों के नेता शामिल हुए। इस मुलाकात के बाद राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-(एसपी) की नेता सुप्रिया सुले ने एक्स पर पोस्ट कर अभिजीत दीपके, सौरव दास और उनकी टीम का आभार जताया। उन्होंने लिखा- शानदार दिवाली शाम के लिए अभिजीत दीपके, सौरव दास और पूरी टीम का धन्यवाद। इस आयोजन को सीजेपी नेताओं और विपक्ष के एक वर्ग के बीच बढ़ते संपर्क के तौर पर देखा जा रहा है। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके और सह-संयोजक आशुतोष रांका भी दिवाली पार्टी में मौजूद रहे। सीजपी और विपक्षी नेताओं के बीच बढ़ती नजदीकी का यह अकेला उदाहरण नहीं है। इससे पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने भी सीजेपी के नेतृत्व और कार्यकर्ताओं के समर्थन में कई बार बयान दिए हैं। सीजेपी ने भी सोशल मीडिया पर राहुल गांधी की पोस्ट पर प्रतिक्रिया दी थी। दोनों पक्षों के बीच संपर्क बढ़ने की शुरुआत मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ विरोध प्रदर्शनों को लेकर हुई सार्वजनिक बयानबाजी से मानी जा रही है। राहुल गांधी ने पहले कहा था कि मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ समानांतर प्रदर्शन नहीं हो रहे हैं। इसके बाद उन्होंने सीजेपी कार्यकर्ताओं की गिरफ्तारी की निंदा की थी। वहीं सीजेपी ने कांग्रेस के नेतृत्व वाले इंडिया गठबंधन की एक नवंबर को होने वाली रैली को समर्थन दिया, हालांकि इसमें सीजेपी कार्यकर्ता शामिल नहीं होंगे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक जंतर-मंतर पर प्रदर्शन की कोशिश के बाद सीजेपी नेताओं सौरव दास और आशुतोष रांका की गिरफ्तारी पर राहुल गांधी ने कड़ी प्रतिक्रिया दी थी। उन्होंने एक्स पर लिखा था- जंतर-मंतर पर शांतिपूर्ण प्रदर्शन में तिरंगा लहराना कोई अपराध नहीं है। इसके लिए युवाओं को जेल में डालना कायरता है। राहुल गांधी ने अपने एक अन्य संदेश में छात्रों, युवाओं, पत्रकारों और इंडिया गठबंधन का जिक्र करते हुए कहा था कि अलग-अलग बैनर के बावजूद सभी का मकसद एक ही है, उनके मुताबिक, ये प्रदर्शन नागरिकों के अपने संवैधानिक अधिकारों की मांग से जुड़े हैं। उन्होंने कहा था कि जंतर-मंतर भारत के लोगों का है और वे इसे वापस हासिल करेंगे।

हूती विद्रोहियों ने यमन के राष्ट्रपति भवन पर मिसाइलें दागीं

सना, एजेंसी। यमन के हूती विद्रोहियों ने शुक्रवार को अदन में राष्ट्रपति भवन पर दो बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं। हालांकि, यह साफ नहीं है कि मिसाइलें अपने निशाने पर लगीं या नहीं। न्यूज एजेंसी ⁄ स्रक्क के मुताबिक, राष्ट्रपति भवन की ओर एंबुलेंस जाते हुए देखी गईं। यमन सरकार के सैन्य प्रवक्ता ने बताया कि हूती विद्रोहियों ने अदन एयरपोर्ट पर भी बैलिस्टिक मिसाइलों से हमला किया। हालांकि, उन्होंने हमले में किसी के मारे जाने या घायल होने की जानकारी नहीं दी। राष्ट्रपति भवन पर 15 दिन में यह दूसरा हमला है। इससे पहले 15 अक्टूबर को हुए हमले में 4 लोगों की मौत हुई थी। इसके अलावा, हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब के मदीना इलाके की ओर भी ड्रोन भेजा था। सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने इसे हवा में ही मार गिराया।



अदन यमनी सरकार का हेडक्वार्टर : अदन यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का प्रमुख केंद्र है। हूती विद्रोहियों ने 2014 में राजधानी सना पर कब्जा कर लिया था। इसके बाद सरकार को सना छोड़ना पड़ा था। जुलाई से अदन में हमले फिर बढ़े हैं। इससे पहले 28 अक्टूबर को भी हूती विद्रोहियों ने अदन एयरपोर्ट को निशाना बनाया था। हमले से पहले हूतियों ने लोगों को इलाका खाली करने की चेतावनी दी थी। यह एयरपोर्ट दक्षिणी यमन में राहत सामग्री और मानवीय मदद पहुंचाने का अहम रास्ता है।

सऊदी का मक्का और मदीना में ड्रोन रोकने का दावा : सऊदी नेतृत्व वाले सैन्य गठबंधन ने शुक्रवार को मदीना के ऊपर एक ड्रोन मार गिराने का दावा किया। इससे पहले गठबंधन मक्का में भी एक ड्रोन को नष्ट करने का दावा कर चुका है। मक्का में ग्रैंड मस्जिद और काबा हैं, जबकि मदीना में पैगंबर मोहम्मद की मस्जिद है। दोनों शहर मुसलमानों के सबसे पवित्र धार्मिक स्थलों में शामिल हैं। सऊदी अरब ने अक्टूबर में हूती विद्रोहियों पर मदीना के बिजली वितरण केंद्र पर हमला करने का आरोप लगाया था। यह केंद्र पैगंबर मोहम्मद की मस्जिद को बिजली की आपूर्ति करता है। हालांकि, हूतियों ने इस आरोप को खारिज कर दिया था। हूती मक्का और मदीना को निशाना बनाने से इनकार करते हैं। उनका कहना है कि वे सऊदी अरब के सैन्य और तेल से जुड़े ठिकानों पर हमले करते हैं। सऊदी अरब यमन की अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त सरकार का समर्थन करता है।

यूक्रेन को बड़ी राहत: 500 पैट्रियट मिसाइलें देगा अमेरिका, जेलेंस्की बोले- सर्दियों से पहले मिलें हथियार

कीव, एजेंसी। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने रूस की बैलिस्टिक मिसाइलों से बचाव के लिए अमेरिका की ओर से 500 पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों की खरीद को मंजूरी दिए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने इसे 'मजबूत फैसला' बताया, लेकिन अमेरिका से इन मिसाइलों की आपूर्ति जल्द शुरू करने की अपील की है। जेलेंस्की का कहना है कि यूक्रेन को सर्दियों में ऊर्जा ठिकानों की सुरक्षा के लिए तुरंत इन मिसाइलों की जरूरत है। जेलेंस्की ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि 500 पीएसी-3 इंटरसेप्टर मिसाइलों का भंडार काफी बड़ा है। सर्दियों के दौरान यह यूक्रेन की हवाई सुरक्षा को मजबूत कर सकता है। हालांकि, उन्होंने चिंता जताई कि मौजूदा शर्तों के मुताबिक इन मिसाइलों की आपूर्ति कुछ वर्षों बाद ही शुरू हो सकती है।

रूस के हमलों पर क्या बोले जेलेंस्की : उन्होंने कहा, 'हम अपने अमेरिकी साझेदारों से ऐसा समाधान तलाशने की अपील कर रहे हैं, जिससे पीएसी-3 इंटरसेप्टर की आपूर्ति उस समय हो सके, जब वास्तविक खतरा हो और उनकी जरूरत हो।' उन्होंने बताया कि रूसी सेना रोजाना यूक्रेन के ऊर्जा ढांचे को निशाना बना रही है। जेलेंस्की के मुताबिक, अक्तूबर के पिछले दो हफ्तों में रूस ने यूक्रेन के बिजली ग्रिड के महत्वपूर्ण हिस्सों पर 30 से ज्यादा हमले किए। उन्होंने चेतावनी दी कि रूसी राष्ट्रपति व्लादिमिर पुतिन ने सर्दियों से पहले लोगों की रोजमर्रा की जिंदगी से जुड़ी व्यवस्थाओं को ठप करने के लिए अभियान शुरू कर दिया है। इन हमलों का निशाना बिजली, हीटिंग, पानी की आपूर्ति और पुल हैं।



हर महीने मिलें 100 पैट्रियट मिसाइलें : यूक्रेनी राष्ट्रपति : यूक्रेन ने सर्दियों के लिए हर महीने औसतन 100 पैट्रियट इंटरसेप्टर मिसाइलों की मांग की है। जेलेंस्की ने कहा कि 500 मिसाइलें आने वाले महीनों में हवाई क्षेत्र की सुरक्षा के लिए अहम होंगी। इस दौरान यूक्रेन के लिए बातचीत में अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखना भी जरूरी है। तत्काल जरूरत पूरी करने के लिए जेलेंस्की ने अमेरिका, यूरोपीय साझेदारों और अन्य सहयोगी देशों से अपने मौजूदा भंडार से मिसाइलें देने का प्रस्ताव रखा है। उनका सुझाव है कि 2026-27 की सर्दियों में यूक्रेन को इन भंडारों से मिसाइलें दी जाएं और बाद में नए उत्पादन के जरिए सहयोगी देशों के हथियार भंडार की भरपाई की जाए। उन्होंने कहा, 'हम इस मंजूरी के लिए अमेरिकी विदेश विभाग और पूरे अमेरिकी प्रशासन के आभारी हैं। लेकिन हम ऐसे फैसले चाहते हैं, जो लोगों की जान की सुरक्षा सुनिश्चित कर सकें।

कनाडा बनेगा यूरोपीय संघ का पहला 'एसोसिएट सदस्य'

मॉन्ट्रियल/वाशिंगटन, एजेंसी। कनाडा और यूरोपीय संघ (ईयू) ने अपने संबंधों को नया आयाम देते हुए नई दिशा में बड़ा कदम उठाया है। दोनों पक्ष कनाडा को यूरोपीय संघ का पहला 'एसोसिएट सदस्य' बनाने की दिशा में काम करेंगे। यह व्यवस्था पूर्ण सदस्यता से एक कदम पीछे होगी, लेकिन इसके तहत कनाडा को यूरोपीय संघ के साथ व्यापक आर्थिक, व्यापारिक, तकनीकी और रक्षा सहयोग का अवसर मिलेगा। कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसका ऐलान करते हुए कहा कि कनाडा और यूरोपीय संघ पूर्ण सदस्यता से इतर सबसे गहरी साझेदारी की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। इसके तहत कनाडा यूरोपीय संघ का पहला एसोसिएट सदस्य बन सकता है।

कार्नी ने कहा, 'मॉन्ट्रियल में हुई बैठक में दोनों पक्षों ने 20 से अधिक नए उपायों पर सहमति बनाई है। इनका उद्देश्य अटलांटिक के दोनों ओर आर्थिक अवसरों को बढ़ाना, लोगों के लिए चीजों को अधिक किफायती बनाना और अपनी संप्रभुता को मजबूत करना है। यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा ने भी इस समझौते को ऐतिहासिक कदम बताया। उन्होंने एक्स पर लिखा, 'यूरोपीय संघ-कनाडा शिखर सम्मेलन में दोनों पक्षों ने पूर्ण सदस्यता के अलावा हर



संभव क्षेत्र में नजदीकी सहयोग के लिए सहमति बनाई है।

कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, आने वाले महीनों में दोनों पक्ष इस नई सदस्यता व्यवस्था के स्वरूप, दायरे और विषयों को अंतिम रूप देंगे। 21वां कनाडा-यूरोपीय संघ शिखर सम्मेलन 29 और 30 अक्टूबर को मॉन्ट्रियल में आयोजित हुआ। इसमें प्रधानमंत्री कार्नी के साथ यूरोपीय परिषद के अध्यक्ष एंटोनियो कोस्टा और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन शामिल हुईं। सम्मेलन के बाद दोनों पक्षों ने संयुक्त बयान भी जारी किया। इस दौरान व्यापार और तकनीक के क्षेत्र में कई अहम समझौते हुए। कनाडा और यूरोपीय संघ ने डिजिटल व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया और प्रतिस्पर्धा से जुड़े समझौते पर बातचीत पूरी की। इसके अलावा कनाडा यूरोपीय हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग ज्वाइंट अंडरटेकिंग में शामिल हुआ है। इससे कनाडा के शोधकर्ताओं को यूरोप के अत्याधुनिक जुपिटर सुपरकंप्यूटर तक पहुंच मिलेगी। महत्वपूर्ण खनिजों के क्षेत्र में भी सहयोग बढ़ाने पर सहमति बनी है। कनाडा ने एक ऐसी संधि रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसके तहत यूरोपीय निवेश बैंक कनाडा की महत्वपूर्ण खनिज परियोजनाओं में निवेश कर सकेगा। दोनों पक्ष यूरोप को कनाडा से तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के निर्यात को बढ़ाने की संभावनाओं पर भी अध्ययन करेंगे। इसके साथ ही एक नई ट्रांसअटलांटिक डेटा केबल बिछाने पर भी विचार किया जाएगा। शिक्षा और अनुसंधान के क्षेत्र में कनाडा की भागीदारी बढ़ाने की योजना है। कनाडा यूरोपीय संघ के इरास्मस प्लस कार्यक्रम में व्यापक भागीदारी और अगले होराइजन यूरोप अनुसंधान कार्यक्रम में शामिल होने के लिए बातचीत करेगा। रक्षा सहयोग के मोर्चे पर भी महत्वपूर्ण घोषणा की गई। कनाडा ने यूरोपीय संघ की 'सिक्योरिटी एक्शन फॉर यूरोप' (सेफ) पहल के तहत अपना दूसरा अनुबंध हासिल किया है।

नेक्सटऐज मीडिया एंड कांलटिंग प्राइवेट लिमिटेड के लिए, प्रकाशक, संपादक अनीता यादव द्वारा मुद्रक, रजनी कुमारी मेसेर्स साईं प्रिंटिंग प्रेस डी-85 सेक्टर-06 201301 से मुद्रित कराकर 962 सरफाबाद सेक्टर-73, नोएडा-201304 से प्रकाशित किया,
प्रधान संपादक : रिंकू यादव संपादक : अनीता यादव PRGI No. UPHIN/26/A8255 Ph. : 4403949, Email : unplugindia26@gmail.com